पारा आपडेट
मैक्सिमम 30.00 | मिनीमम 24.00
सूर्यास्त (आज) 18.34
सूर्योदय (कल) 05.17
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 81,332.72 ● निफ्टी 24,834.85 ● डॉलर 83.72 ₹ ●सोना 68,150 ₹ ● चांदी 89,000 ₹

पेज 06 'प्रभात' का कभी 'सूर्यास्त' नहीं...
पेज 08 हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने...

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी संवत 2082

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शनिवार 27 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 2/- रुपया ●वर्ष : 07 अंक : 27 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

अनुराग गुप्ता को झारखंड के डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार

रांची। राज्य सरकार ने सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाया है। अनुराग गुप्ता एसीबी के भी डीजी और डीजीपी के अतिरिक्त प्रभार पर हैं। इसी प्रकार डीजीपी अजय कुमार सिंह का स्थानांतरण करते हुए झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड का अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बनाया गया है। इसके अलावा झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के पद पर पदस्थापित प्रशांत सिंह को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक एडीजी संचार एवं तकनीकी सेवाएं रांची के पद को डीजी कोटी में उत्क्रमित करते हुए संचार एवं तकनीकी सेवाएं का डीजी बनाया गया है। इस संबंध में गृह , कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार देर रात अधिसूचना जारी की है।

नौशेरा सेक्टर में हथियार और गोली-बारूद बरामद

राजौरी। राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के समीप स्थित सैयर इलाके में गुरुवार रात को एक क्वाडकॉप्टर की हरकत देखी गई, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के समीप सैयर में पाकिस्तानी सीमा से आए क्वाडकॉप्टर की हरकत देखी गई। अधिकारी ने कहा कि पोस्ट पर तैनात सैनिकों ने उड़ती हुई वस्तु पर कुछ राउंड फायर किए और वह गायब हो गई लेकिन पाकिस्तानी सीमा की तरफ वापस नहीं लौटी। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार सुबह होते ही घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान एक पिस्तौल, दो भरी हुई मैगजीन और पिस्तौल की 37 राउंड गोलियां बरामद की गईं।

अब्दुल्ला आजम के पासपोर्ट मामले में आदेश सुरक्षित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम के फर्जी पासपोर्ट मामले में आदेश सुरक्षित कर लिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव मिश्र ने मामले में सुनवाई पूरी होने पर दिया। गलत जन्म तिथि पर फर्जी पासपोर्ट बनवाने के मामले में अब्दुल्ला आजम खान ने ट्रायल कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर कुछ वीडियो क्लिप, शादी के कार्ड आदि दस्तावेज की प्रमाणित प्रतिलिपि दाखिल करने की अनुमति मांगी थी। ट्रायल कोर्ट ने प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। ट्रायल कोर्ट के इसी आदेश को अब्दुल्ला आजम ने याचिका में चुनौती दी है। पूर्व में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी।

महुआ मोइत्रा मामले पर दिल्ली पुलिस को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा की ओर से दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी। आज सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा कि उन्हें अभी तक एफआईआर की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई है। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील ने महुआ मोइत्रा को एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराई।

पर्यावरण संतुलन के लिए हम सभी कदम से कदम मिलाकर चलें : मुख्यमंत्री

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे। यदि पेड़-पौधे नहीं होंगे तो प्राणियों पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा। भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा नहीं हो, इसके लिए पर्यावरण का संरक्षण नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए सभी को कदम से कदम मिलाकर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में झारखंड विधानसभा परिसर में शुक्रवार को आयोजित 75वें राज्यव्यापी वन महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बतौर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 75 वर्षों से हम वन महोत्सव मनाते आ रहे हैं। आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि शुरूआत के वन महोत्सव में जो पौधे लगे होंगे, वे वर्तमान समय में किस स्थिति में होंगे। वन महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पर्यावरण को सुरक्षित करने का एक बड़ा अभियान है। ऐसे में हम सभी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का संकल्प लें, ताकि पर्यावरण में जो असंतुलन पैदा हो रहा है उसे नियंत्रित कर सकें।

सीएम ने कहा- एक वक्त था जब झारखंड में पौधरोपण की कोई जरूरत नहीं पड़ती थी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल-जंगल और जमीन झारखंड की पहचान रही है। एक ऐसा भी वक्त था, जब राज्य में चारों ओर घने जंगल थे। हर तरफ हरियाली ही हरियाली थी। उसे दौरान यहां पौधरोपण की कोई जरूरत नहीं पड़ती थी लेकिन जैसे-जैसे विकास की ओर बढ़ते गए, जंगलों पर खतरा पैदा होता गया। उद्योग-धंधे का विस्तार, बड़े पैमाने पर खनन कार्य होने और पुल-पुलिया सड़कों का जाल बिछने समेत कई अन्य कारणों से बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए। जहां जंगल हुआ करते थे, वहां कंक्रीट के जंगल बन गए।

प्राकृतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप का सीधा असर पर्यावरण पर पड़ा

सोरेन ने कहा कि प्राकृतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप का सीधा असर पर्यावरण पर पड़ा। प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से आज हमें तरह-तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि नहीं चेते तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के लिए सभी को आगे आना होगा, तभी पर्यावरण के साथ अपने जीवन को सुरक्षित रख पाएंगे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री रामेश्वर उरांव, इरफान अंसारी एवं मिथिलेश कुमार ठाकुर, कई विधायकगण, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पीसीसीएफ संजय श्रीवास्तव समेत कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लद्दाख से पाकिस्तान को चेतावनी

पूरी ताकत से कुचलेंगे आतंकवाद, दुश्मन को देंगे मुंहतोड़ जवाब : मोदी

एजेंसी

करगिल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसकी नापाक साजिशें सफल नहीं होंगी, क्योंकि हमारे सैनिक पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचलने का ऑपरेशन चला रहे हैं और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में जीत के 25 साल बाद आज लद्दाख की राजसी भूमि एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारे देश के लिए किए गए बलिदान शाश्वत हैं और हमेशा याद किए जाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लद्दाख के द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद लद्दाख के द्रास में कारगिल विजय दिवस श्रद्धांजलि समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्र के लिए किए गए बलिदान अमर हैं। जैसे-जैसे समय बीतता है, दिन महीनों में बदल जाते हैं, महीने सालों में और साल सदियों में बदल जाते हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों के नाम हमारी सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। आज जब मैं एक बार फिर कारगिल की पवित्र धरती पर खड़ा हूं तो उन यादों का फिर से ताजा होना स्वाभाविक है। मुझे याद है कि कैसे हमारे बलों ने चरम और चुनौतीपूर्ण युद्ध स्थितियों के बावजूद सफलतापूर्वक ऑपरेशन को अंजाम दिया था।

- प्रधानमंत्री ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की
- अग्निपथ योजना सेना में किए गए जरूरी सुधारों का एक उदाहरण

पड़ोसी देश ने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि पड़ोसी देश ने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है और छद्म युद्ध कर रहा है। पाकिस्तान अतीत में अपने सभी नापाक प्रयासों में विफल रहा है लेकिन वह आतंकवाद और छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं ऐसी जगह से बोल रहा हूं, जहां आतंक के आका मेरी आवाज सीधे सुन सकते हैं। मैं आतंकवाद के इन संरक्षकों को बताना चाहता हूं कि उनके नापाक इरादे कभी कामयाब नहीं होंगे। हमारे सैनिक पूरी ताकत से आतंकवाद को कुचल देंगे और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

कारगिल में सत्य के सामने असत्य की हार हुई

प्रधानमंत्री ने कहा कि कारगिल में हमने न केवल युद्ध जीता, बल्कि 'सत्य, संयम और शक्ति' का अद्भुत उदाहरण भी दिया। आप जानते हैं कि भारत उस समय शांति के लिए प्रयास कर रहा था और बदले में पाकिस्तान ने एक बार फिर अपना अविश्वसनीय चेहरा दिखाया था लेकिन सत्य के सामने असत्य और आतंक की हार हुई। उन्होंने आगे कहा कि भारत विकास की राह में आने वाली हर चुनौती को परास्त करेगा।

अग्निपथ योजना सेना में सुधारों का उदाहरण

उन्होंने कहा कि दशकों से संसद और कई समितियों में सेना को युवा बनाने पर चर्चा होती रही है। उन्होंने कहा कि भारत में सैनिकों की औसत आयु वैश्विक औसत से अधिक होना वर्षों से चिंता का विषय रहा है और अग्निपथ ने इस मामले को सुलझाया है। भारतीय सैनिकों की औसत आयु वैश्विक औसत से अधिक होना चिंता का विषय रहा है। इसीलिए यह मुद्दा भी वर्षों से कई समितियों में उठाया जाता रहा है। हालांकि, देश की सुरक्षा से जुड़ी इस चुनौती को हल करने की इच्छाशक्ति पहले नहीं दिखाई गई। अग्निपथ योजना के जरिए देश ने इस चिंता का समाधान किया है। अग्निपथ योजना भी सेना में किए गए जरूरी सुधारों का एक उदाहरण है।

नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक आज

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने पर होगा मंथन

- प्रधानमंत्री मोदी करेंगे बैठक की अध्यक्षता
- राज्यों की भूमिका पर भी होगा विस्तृत विचार-विमर्श

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक की इस वर्ष की थीम 'विकसित भारत@2047' है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है।

प्रधानमंत्री नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। अन्य उपस्थित लोगों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, पदेन सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य शामिल होंगे।

नीति आयोग ने शुक्रवार को बताया कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत @2047 पर विजन डॉक्यूमेंट के लिए दृष्टिकोण पत्र पर चर्चा की जाएगी। बैठक का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहभागी शासन और सहयोग को बढ़ावा देना, सरकारी हस्तक्षेपों के वितरण तंत्र को मजबूत करके ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। बैठक में विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में राज्यों की भूमिका पर भी विस्तृत विचार-विमर्श होगा।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, जिसकी जीडीपी 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर चुकी है और 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने की आकांक्षा है। 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक का उद्देश्य इस विजन के लिए एक रोडमैप तैयार करना है, जिससे केंद्र और राज्यों के बीच 'टीम इंडिया' के रूप में टीम वर्क को बढ़ावा मिले।

भाजपा ने बदले राजस्थान और बिहार के प्रदेश अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को बिहार और राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने डॉ. दिलीप जायसवाल, सदस्य विधान परिषद, को भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। मदन राठौड़, सांसद, राज्य सभा को भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने छह राज्यों में प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की भी नियुक्ति की है।

इनमें डॉ. हरीश द्विवेदी को असम का प्रभारी, सांसद अतुल गर्ग को चंडीगढ़ का प्रभारी और अरविंद मेनन को लक्ष्यदीप का प्रभारी नियुक्त किया है। इसी तरह सांसद डॉ राधामोहन दास अग्रवाल को राजस्थान का प्रभारी एवं विजया रहाटकर को सह प्रभारी बनाया गया है जबकि अरविंद मेनन को तमिलनाडु का प्रभारी एवं सुधाकर रेड्डी को सह-प्रभारी तथा डॉ. राज दीप रॉय को त्रिपुरा प्रभारी का जिम्मा सौंपा है। यह नियुक्तियां भी तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

पठानकोट में फिर दिखी संदिग्धों की मूवमेंट, सैन्य क्षेत्र से सटे गांव के एक घर में दिखे तीन संदिग्ध

एजेंसी

- पुलिस ने बीएसएफ के साथ चलाया सर्च आपरेशन

चंडीगढ़। पठानकोट में सैन्य क्षेत्र के निकट गुरुवार रात भी तीन संदिग्ध व्यक्तियों के एक घर में घुसपैठ करने की सूचना पर पंजाब पुलिस तथा बीएसएफ ने समूचे क्षेत्र की नाकाबंदी कर सर्च अभियान शुरू किया है। एक सप्ताह में यह दूसरा मौका है जब सीमावर्ती जिले पठानकोट में संदिग्धों की मूवमेंट देखी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात पठानकोट के सैन्य क्षेत्र मामून से सटे इलाके के गांव फंगतौली में तीन संदिग्धों की मूवमेंट देखी गई है। गांववासी बलराम सिंह के अनुसार रात करीब ढाई बजे तीन संदिग्ध दीवार फांदकर उसके घर में घुस आए और आवाज देकर रोटी की मांग की। उन्होंने कमरे का दरवाजा नहीं खोला और न ही उनकी आवाज का कोई जवाब दिया।

बलराम सिंह ने बताया कि तीनों संदिग्धों के पास बैग थे और उन्होंने काले रंग के कपड़े पहने थे। उन्होंने आवाज देकर कहा कि उठो, हमें भूख लगी गई रोटी दो। तीन चार बार बोले और फिर लाल रंग की लाइट पर्दे पर डालकर डराने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। संदिग्धों के जाने के बाद उन्होंने पुलिस को फोन करने का प्रयास किया लेकिन नेटवर्क ने काम नहीं किया। चुपचाप पर्दे के पीछे से उनकी मूवमेंट को देखते रहे। इस बीच ऊपर हेलीकॉप्टर गुजरने की आवाज सुनकर संदिग्ध कभी छत पर तो कभी उनके बरामदे में बने रहे।

सुबह करीब साढ़े चार बजे तक उनकी मूवमेंट वहां रही। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सर्च किया। पुलिस को संदिग्धों के जूतों के निशान घर तथा आसपास के क्षेत्रों में दिखाई दिए। इससे पहले 23 जुलाई को इसी गांव में सात संदिग्धों को देखा गया था। जब उन्होंने गांव की महिला सीमा देवी के घर आकर पानी मांग कर पिया था।

विश्व धरोहर › मोईदाम का ऐतिहासिक टीला शवागार यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में शामिल

भारत का 43वां विश्व धरोहर स्थल बना मोईदाम का टीला

एजेंसी

नई दिल्ली। असम के मोईदाम ऐतिहासिक टीला शवागार को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थिति भारत मंडपम में आज विश्व धरोहर समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया। मोइदाम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाला पहला सांस्कृतिक स्थल (सांस्कृतिक विरासत श्रेणी से) और उत्तर पूर्व का तीसरा समग्र स्थल है। दो अन्य काजीरंगा और मानस हैं, जिन्हें पहले ही प्राकृतिक विरासत श्रेणी के अंतर्गत अंकित किया गया था। आज की इस घोषणा के बाद चराईदेव मोईदाम भारत का 43वां विश्व धरोहर स्थल बन गया।

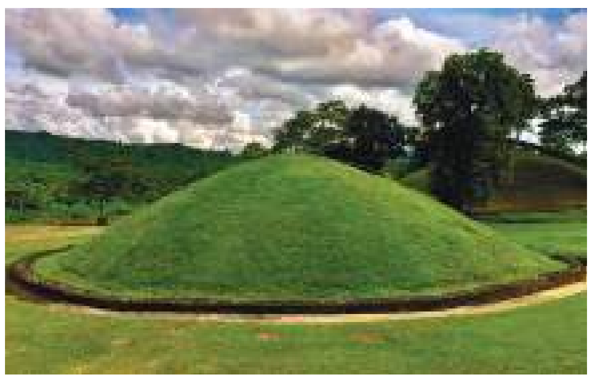

संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, केंद्र सरकार एक दशक से इसे विश्व धरोहर घोषित करने की मांग कर रही थी। चराईदेव मोईदाम को सांस्कृतिक श्रेणी में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नई दिल्ली में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र में नामित किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समिति के कार्यक्रम का उद्घाटन किया था।

13वीं से 18वीं शताब्दी के दौरान अहोम राजाओं ने कराया था निर्माण

चराइदेव मोईदाम असम में शासन करने वाले अहोम राजवंश के सदस्यों के नश्वर अवशेषों को दफनाने की प्रक्रिया थी। राजा को उनकी सामग्री के साथ दफनाया जाता था। चराईदेव मोईदाम पूर्वोत्तर भारत का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है। इन प्राचीन दफन टीलों का निर्माण 13वीं से 18वीं शताब्दी के दौरान अहोम राजाओं ने कराया था।

चराईदेव मोईदाम को पवित्र स्थल मानता है अहोम समुदाय

घास के टीलों जैसे दिखने वाले चराईदेव मोईदाम को अहोम समुदाय पवित्र स्थल मानता है। प्रत्येक मोईदाम को एक अहोम शासक या गणमान्य व्यक्ति का विश्राम स्थल माना जाता है। यहां उनके अवशेषों के साथ-साथ मूल्यवान कलाकृतियां और खजाने संरक्षित हैं। मोईदाम असमिया पहचान और विरासत की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है। चराईदेव मोईदाम को असम का पिरामिड भी कहा जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने खुशी और गर्व व्यक्त किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को असम के चराईदेव मोईदाम को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता और गर्व व्यक्त किया है। मोदी ने कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत खुशी और गर्व की बात है। मोदी ने आगे कहा कि चराईदेव में मोईदाम गौरवशाली अहोम संस्कृति को प्रदर्शित करता है, जो पूर्वजों के प्रति अत्यंत श्रद्धा रखता है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची के बारे में यूनेस्को की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लिए यह बहुत खुशी और गर्व की बात है! चराईदेव में मोईदाम गौरवशाली अहोम संस्कृति को प्रदर्शित करते हैं, जिसमें पूर्वजों के प्रति अत्यधिक श्रद्धा होती है। मुझे उम्मीद है कि अधिक लोग महान अहोम शासन और संस्कृति के बारे में जानेंगे। मुझे खुशी है कि मोईदाम विश्व विरासत सूची में शामिल हो गए हैं।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला

सीबीआई ने धनबाद में तालाब से बरामद किया सामान से भरी बोरी

संवाददाता

धनबाद। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम एक बार फिर से धनबाद पहुंची। पटना सीबीआई की टीम ने सुदामडीह थाना इलाके के नुनुडीह बस्ती स्थित भाटबांध तालाब में स्थानीय पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सर्च अभियान चलाया। इस दौरान सीबीआई को तालाब से एक बोरी मिली, जिसमें मोबाइल फोन समेत कई अन्य सामान मिले हैं। बरामद सामान को सीबीआई अपने साथ ले गई।

बताया गया है कि सीबीआई की टीम ने इस मामले में धनबाद के कम्बाइंड बिल्डिंग के समीप से एक युवक को गिरफ्तार किया है और उसकी निशानदेही पर तालाब से बोरी बरामद की गई है। हालांकि, सीबीआई ने इसकी पुष्टि नहीं की है। उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की धनबाद में यह तीसरी छापेमारी थी। इससे पूर्व सीबीआई की टीम ने इस मामले दो बार अलग-अलग छापेमारी कर सरायढेला थाना क्षेत्र निवासी अमन सिंह और झरिया से अमित उर्फ बंटी को गिरफ्तार कर साथ ले गई थी।

संक्षिप्त खबरें

बीएयू में संविदा पर नियुक्ति होगी

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए अवकाशप्राप्त लोगों से आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। राज्य सरकार, केंद्र सरकार,लोक उपक्रमों और कृषि विश्वविद्यालयों की सेवा से रिटायर 62 वर्ष तक की उम्र के लोग आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के नियंत्रक (वित्त प्रमुख) पद के लिए न्यूनतम योग्यता बी कॉम डिग्री या समकक्ष डिग्री, चार्टर्ड अकाउंटेंट या कास्ट अकाउंटेंट के रूप में अनुभव या राज्य, केंद्र सरकार की अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा पास होना चाहिए। साथ ही सरकारी या अर्ध सरकारी संस्थान में न्यूनतम 10 वर्ष कार्य करने का अनुभव होना चाहिए।चिकित्सा पदाधिकारी पद के लिए आवश्यक योग्यता मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से चिकित्सा विज्ञान की डिग्री तथा रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के रूप में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव चाहिए। इसी प्रकार उप निदेशक, कार्य एवं संयंत्र (सिविल) के लिए सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री तथा कार्यपालक अभियंता या उससे ऊपर के पद पर पांच साल का कायार्नुभव आवश्यक है।

पंचायत सहायक संघ का अल्टीमेटम 29 को विस घेराव, आर-पार के मूड में संघ के सदस्य

रांची। राज्य स्तरीय पंचायत सहायक संघ ने झारखंड सरकार को बड़ा अल्टीमेटम दे दिया है। संघ ने घोषणा की है कि यदि उनकी मांगों को मानते हुए विगत 12 मार्च को कैबिनेट द्वारा की गई घोषणा को तत्काल लागू नहीं किया गया, तो संघ के बैनर तले 29 जुलाई से विधानसभा का घेराव किया जाएगा। इसे लेकर पंचायत सहायक संघ (पूर्व में पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ) की एक महत्वपूर्ण बैठक कांके ब्लॉक चौक स्थित अरसंडे बैंक्वेट हॉल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने विधानसभा सत्र के दौरान 29 जुलाई से विधानसभा का घेराव करने की घोषणा की। मालूम कि संघ ने अपनी मांगों को लेकर झारखंड सरकार को कुछ दिन पहले ही बड़ी चेतावनी दी थी। संघ ने घोषणा की थी कि यदि कैबिनेट की घोषणा के अनुसार उनकी मांगों को लागू नहीं किया गया, तो संघ के बैनर तले जल्द ही एक बार फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल और धरना-प्रदर्शन आरंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री से वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री रामेश्वर उरांव सहित अन्य ने की मुलाकात

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के प्रथम दिन झारखण्ड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री रामेश्वर उरांव, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल एवं झारखंड विधानसभा के सचिव सैय्यद जावेद हैदर ने भेंट की। सभी ने उनका अभिवादन एवं स्वागत किया।

सीएम ने विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भेंट कर उनका अभिवादन किया।

हेमंत-कल्पना ने शोक संतप्त परिजनों से की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शुक्रवार को विधायक पत्नी कल्पना सोरेन संग दिवंगत लक्ष्मण छेत्री के डोरंडा स्थित आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे उनके साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री आवास में रसोईया के पद पर कार्यरत लक्ष्मण छेत्री की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी।

झारखंड हाई कोर्ट ने रामगढ़ डीसी और डीडीसी की कार्यशैली पर पूछा, क्यों न अवमानना वाद शुरू करें

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने रामगढ़ जिले के डीसी और डीडीसी की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने शुक्रवार को रामगढ़ डीसी और डीडीसी से पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना वाद शुरू किया जाए। हाई कोर्ट के जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट ने आदेश की अवहेलना करने के कारण उक्त दोनों अधिकारियों से अवमानना वाद शुरू करने को लेकर सवाल किया है। याचिकाकर्ता रंजीत साव एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पिछले महीने रामगढ़ जिले में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में विभिन्न पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट से रोक के बाद भी जिला प्रशासन ने एक जुलाई को नियुक्ति कर दी, जिसपर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में हल्के में नहीं ले सकते।

दुष्कर्म करने के दोषी को 20 साल की सजा

रांची। पॉस्को के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने शुक्रवार को नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में दोषी प्रदीप सिंह को 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उसपर 15 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर उसे छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। पूर्व में अदालत ने प्रदीप सिंह को दोषी करार दिया था जबकि साक्ष्य के अभाव में एक आरोपित नीलू लोहरा को बरी कर दिया था। यह मामला नामकुम थाना क्षेत्र के अंतर्गत खरसीदाग ओपी क्षेत्र का है। आरोप था कि 19 जून, 2021 को प्रदीप सिंह ने 14 वर्षीय नाबालिग को फोन कर घर से बुलाया था और सुनसान जगह पर ले जाकर अपने साथी नीलू लोहरा के साथ मिलकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। नाबालिग घर लौटकर मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी थी। इसके बाद दूसरे दिन 20 जून, 2021 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। नाबालिग और आरोपित नीलू लोहरा एक ही गांव के रहने वाले हैं जबकि आरोपित प्रदीप सिंह लापुंग के परसा गांव के रहने वाला है।

झारखंड विधानसभा के बाहर विपक्ष का धरना

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन शुक्रवार को सत्र शुरू होने से पहले विपक्ष ने सदन के बाहर धरना दिया। भाजपा नेता सदन के बाहर बैनर लेकर बैठे हैं और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। बैनर पर लिखा है कि पत्थर, कोयला, बालू, जमीन लूटवा हेमंत हाय हाय, पांच लाख नौकरी का क्या हुआ?, युवाओं के सपनों का हत्यारा हाय हाय, स्नातक को 5000 और स्नातकोत्तर को 7000 बेरोजगारी भत्ता का क्या हुआ धरना देने वालों में विधायक अमित मंडल, समरी

लाल, कुशवाहा शशिभूषण मेहता, बिरंचि नारायण समेत अन्य विधायक मौजूद रहे। धरना दे रहे गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने झारखंड राज्य के सहारा में निवेश करने वाले राज्य के जमाकताओं के अरबों रुपये की जमा राशि का अविलंब भुगतान करने की मांग की।

इधर, झारखंड विधानसभा मॉनसून सत्र के पहले दिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। विशेष सत्र में सहायक पुलिसकर्मियों के विधानसभा परिसर में प्रवेश ना करे, इसको लेकर सुरक्षा के खास इंतजाम हैं। सभी की आईडी और पास की चार स्तर पर जांच की जा रही है। तभी लोगों को विधानसभा परिसर में प्रवेश करने दिया जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फिर राज्य सरकार को घेरा

डेमोग्राफी में बड़ा परिवर्तन डेमोक्रेसी के लिए खतरा

एजेंसी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फिर एकबार संथाल परगना की बदलती डेमोग्राफी पर राज्य सरकार को घेरा। मरांडी शुक्रवार को मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा परिसर में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। मरांडी ने कहा कि पूरे प्रदेश में आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही। संथाल परगना क्षेत्र की डेमोग्राफी में अप्रत्याशित बदलाव आए हैं। डेमोग्राफी का यह परिवर्तन डेमोक्रेसी केलिए खतरा है, जो सबके लिए चिंता का विषय है।

मरांडी ने कहा कि इस परिवर्तन में सबसे ज्यादा यदि कोई समुदाय प्रभावित हुआ है वह है जनजाति समाज। उन्होंने 1951 और 201 1के जनगणना रिपोर्ट के आधार पर प्रकाशित आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि झारखंड में वर्ष 1951 में आदिवासियों की आबादी 36 प्रतिशत, सनातनी हिंदू 87.9 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 8.9 प्रतिशत थी जबकि 2011 में आदिवासी 26 प्रतिशत हो गए और मुस्लिम 14.5 प्रतिशत और सनातनी 81.17 प्रतिशत हो

गए यानी आदिवासी घटे, सनातनी घटे और मुस्लिम बढ़े।

मरांडी ने संथाल परगना का आंकड़ा बताते हुए कहा कि यहां की स्थिति तो खतरे की घंटी तक पहुंच गया। यहां अलार्मिंग स्थिति है। आकड़े बताते हुए उन्होंने कहा कि 1951 में संथाल परगना में आदिवासियों की जनसंख्या 44.67 प्रतिशत, मुस्लिम 9.44 प्रतिशत और अन्य 45.9 प्रतिशत थी जबकि 2011 में आदिवासियों की जनसंख्या घटकर 28.11 प्रतिशत हो गई और मुस्लिम आबादी बढ़कर 22.73 प्रतिशत पहुंच गई। अन्य की आबादी बढ़कर 49.2 प्रतिशत ही हुई।

मरांडी ने कहा कि ये आंकड़े डेमोग्राफी में हुए बड़े बदलाव की ओर स्पष्ट संकेत कर रहे। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, बल्कि विगत दिनों भाजपा द्वारा किए गए मतदाता सर्वे के आंकड़ों पर विचार करेंगे तो संथाल परगना के 10 विधानसभा क्षेत्रों में 2019 से 2024 की मतदाता सूची में एक एक बूथ पर 20 से लेकर 123 प्रतिशत तक मतदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसे लेकर चुनाव आयोग भी गई है। ज्ञापन सौंपा है और जांच कराने की मांग की है।

मरांडी ने कहा कि देश की संवैधानिक व्यवस्था में जनसंख्या के समानुपातिक अनुपात के अनुसार एसटी एससी के लिए लोकसभा, विधानसभा चुनावों और नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इसलिए आदिवासियों की जनसंख्या घटने से न केवल डेमोग्राफी बदल रही, बल्कि आरक्षण प्रतिशत भी घटने की नौबत आएगी। सर्वाधिक नुकसान आदिवासी समाज को होगा।

खुद को गोली मार कर एक व्यक्ति ने की खुदकुशी

संवाददाता

रांची। रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के ईमली चौक के समीप काली शंकर अपार्टमेंट में रहने वाले एक व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

मृतक की शिनाख्त सत्यजीत सरकार (52) के रूप में की गई है। वह मूल रूप से बंगाल के वर्धमान के रहने वाले थे। वह बहुत समय से रांची में रह रहे थे और बिजली विभाग में ठेकेदारी का काम करते थे। इनके साथ उनकी पत्नी और बच्चे भी रहते थे। कुछ दिन पहले उनकी पत्नी मायके गई हुई थी। गुरुवार रात को पत्नी ने फोन किया तो मृतक सत्यजीत सरकार ने रिसीव नहीं किया। शुक्रवार सुबह भी फोन करने पर जब सत्यजीत सरकार ने फोन रिसीव नहीं किया। तब अनहोनी की आशंका को लेकर पत्नी ने रांची में रहने वाले अगल-बगल के रिश्तेदार को फोन करके मामले की जानकारी दी। इसके बाद वह लोग सत्यजीत सरकार के घर गए तो दरवाजा बंद था, काफी आवाज देने पर दरवाजा नहीं खुला तो दरवाजा तोड़कर लोग अंदर घुसे तो देखा कि हाथ में पिस्टल है और उनकी मौत गोली लगने से हुई है।

पुलिस को जनता के प्रति संवेदनशील बनाने पर जोर दिया जाएगा : डीजीपी

संवाददाता

रांची। तेज तर्रार 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का शुक्रवार को अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया। निवर्तमान डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बुके देकर उनका स्वागत किया।

पदभार संभालते ही डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि विधि व्यवस्था, नारकोटिक्स के मामले, साइबर क्राइम, अपराधिक घटना को रोकने और महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष नजर रहेगी।

अनुराग गुप्ता शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा

कि किसी भी तरह की आपराधिक घटना होने पर पुलिस घटनास्थल पर तुरंत पहुंचे। पुलिस को जनता के प्रति संवेदनशील बनाने पर जोर दिया जाएगा। सबसे ज्यादा जरूरी है कि थाना पहुंचने पर लोगों की बात को अच्छे तरीके से सुना जाए। इस दौरान कमजोर वर्ग, खासकर वृद्ध और महिलाओं के मामलों को संवेदनशीलता के साथ जांच किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पुलिस सिस्टम को मजबूत करने के लिए ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। प्रतिनियुक्ति पर विशेष सावधानी बरती जाएगी। साथ ही इस बात का विशेष ख्याल रखा जाएगा कि पारदर्शिता के साथ ट्रांसफर-पोस्टिंग हो। उन्होंने कहा कि जहां पुलिस फोर्स की जरूरत होगी, वहां डिप्लायमेंट सुनिश्चित किया जाएगा।

कैमरून से लौटे मजदूरों को सरकारी योजनाओं से किया जाएगा आच्छादित

एजेंसी

रांची। कैमरून, दक्षिण अफ्रिका से लौटे झारखंड के 27 प्रवासी मजदूरों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस संदर्भ में निर्देश दिए हैं। योजनाओं से आच्छादित कार्यों को सफल रूप से पूर्ण करवाने के लिए राजेश प्रसाद, संयुक्त श्रमायुक्त, रांची (मोबाईल नं. 9431344109) को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित करने की अनुशंसा की है। प्रसाद पत्र प्राप्ति के 72 घंटे के भीतर संबंधित जिले में जाकर उपायुक्त, जिला कौशल विकास

पदाधिकारी एवं श्रम अधीक्षक से सम्पर्क स्थापित कर कार्य योजना तैयार कर इस कार्य को पूर्ण करायेंगे। श्रमायुक्त इस कार्य की प्रतिदिन समीक्षा कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

जानलेवा हमले के आरोपितों की जमानत खारिज

रांची। अपर न्यायायुक्त संजीव झा की अदालत ने शुक्रवार को जान मारने की नियत से हमला करने के मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपित मोहित राज उर्फ मोहित कुमार, निखिल कुमार और अनिकेत कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। तीनों पर नगड़ी थाना अंतर्गत गुटुवा के मेराल गांव निवासी सोनू पटेल और उसका छोटा भाई अमन पटेल पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र कुमार ने जमानत देने का जबरदस्त विरोध किया। साथ ही घटना में लगी गंभीर जख्म का फोटोग्राफ अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया।

झामुमो नेता अंतू तिर्की की जमानत याचिका खारिज

संवाददाता

रांची। धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत ने शुक्रवार को जमीन घोटाले के आरोपित झामुमो नेता अंतु तिर्की की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने 12 जुलाई को याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। अंतू तिर्की ने गिरफ्तारी के 76 दिनों बाद दो जुलाई को जमानत की गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की थी। ईडी ने जमीन घोटाले को लेकर बीते 16 अप्रैल को की गई छापेमारी के बाद अंतू तिर्की को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। ईडी ने अंतु तिर्की को पुलिस रिमांड पर लेकर 12 दिनों तक गहन पूछताछ की थी। इसके बाद जेल भेज दिया गया था। तब से वह जेल में है। छापेमारी में ईडी ने आरोपित के आवास से काफी संख्या में फर्जी दस्तावेज बरामद किया है। मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। यह मामला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई अंचल के 8.86 एकड़ जमीन घोटाले से जुड़ा है।

कर्रा के इंदवन में कार पेड़ से टकराई दो घायल, रिम्स रेफर

वरीय संवाददाता

रांची। कर्रा प्रखंड जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन के पास शुक्रवार देर शाम स्विफ्ट डिजायर कार के चालक द्वारा नियंत्रण खोने से गाड़ी एक पेड़ से जा टकराई जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट रोड़ हिनू रांची निवासी

अर्जुन साहू और सहदेव राजवर उड़िसा से स्विफ्ट डिजायर कार से रांची लौट रहे थे तभी कर्रा-,कमडारा मुख्य सड़क के इंदवन के पास दूसरी गाड़ी को बचाने में कार गड्ढे में जाकर पेड़ से टकरा गयी जिससे दोनों लोग घायल हो गये कार का एयर बेग खुल गया इसलिए दोनों की जान बच गई । लेकिन उन्हें अंदरूनी चोट लगी है। दोनों घायलों को ग्रामीणों की सहयोग सीएचसी कर्रा लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। है।

रांची | राष्ट्र की विजय का महापर्व है कारगिल विजय दिवस

पीएम के नेतृत्व में मजबूत हो रहा रक्षा क्षेत्रः रक्षा राज्य मंत्री

कारगिल के नायकों और बलिदानियों के परिवारजनों को सम्मानित किया गया

संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस पर रजत जयंती समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मौजूद रहे। कार्यक्रम में कारगिल के युद्ध में बलिदान हुए राष्ट्र के नायकों को श्रद्धांजलि देकर, उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई। उसके बाद कारगिल के नायकों और बलिदानियों के परिवारजनों को सम्मानित किया गया। इस दौरान रक्षा

राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल की विजय पूरे राष्ट्र की विजय रही।

भारत ने उस समय जो एकजुटता दिखाई, वह अद्वितीय है। कारगिल का युद्ध सिर्फ हमारे सैनिकों ने नहीं लड़ा, यह युद्ध पूरे राष्ट्र ने लड़ा। पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ा। तब आदरणीय अटल जी ने सैनिकों और उनके परिवारजनों के साथ खड़ा होने का आह्वान पूरे राष्ट्र से किया था। आज गर्व है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सैनिकों का भी ख्याल रख रहे हैं। उनके परिवारजनों का भी ख्याल रख रहे हैं। श्री सेठ ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भारत लगातार मजबूत हुआ है। पहले रक्षा से जुड़ी छोटी-छोटी चीजों के लिए हमारी निर्भरता विदेशों पर होती थी परंतु आज गर्व है कि भारत रक्षा क्षेत्र का बड़ा उत्पादक बन चुका है। श्री सेठ ने कारगिल युद्ध के नायकों को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह महापर्व राष्ट्र का महापर्व है। यह महापर्व देशवासियों को प्रेरणा देने वाला महापर्व है कि परिस्थितियों कैसी भी हो। देश की 140 करोड़ जनता हर पल राष्ट्र के लिए खड़ी है।

सुलझा विवाद

रांची। मध्यस्थता केंद्र रांची में वाद संख्या ओ.एम. 76/2024 जो कि माननीय कुटुम्ब न्यायालय, रांची से मध्यस्थता केंद्र में मध्यस्थता के लिए आया था। इस वाद को विशेषज्ञ मध्यस्थ जहान आरा, प्रथम पक्ष के अधिवक्ता यशवंत कुमार ठाकुर, द्वितीय पक्ष के अधिवक्ता अवध किशोर सिंह के प्रयास से सुलझाया गया। इसमें प्रथम पक्ष सोनम जायसवाल व द्वितीय पक्ष संदीप कुमार जायसववाल है। पति-पत्नी के बीच आपसी मतभेद होने के कारण वाद उत्पन्न हुआ था। दोनों पक्ष मध्यस्थता के माध्यम से वाद को सुलझाने में राजी हुए। मध्यस्थों व अधिवक्ताओं के बीच दोनों पक्ष उपस्थित होकर पूर्व की सभी रंजिशों को भुलाकर फिर से एक साथ राजी-खुशी जीवन जीने के लिए राजी हो गये। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे। जरूरतों को पूरा करेंगे। दोनों पक्ष परिवार के एक-दूसरे के सदस्यों के साथ भी अच्छा व्यवहार करेंगे। भविष्य में दोनों पक्ष अच्छे से रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

सहारा से जमाकर्ताओं के पैसे लौटाने की पहल करे सरकार : डॉ लंबोदर महतो

बोकारो। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन आज सहारा में निवेश करने वाले जमाकर्ताओं की जमा राशि का शीघ्र भुगतान करने की मांग को लेकर धरना दिया। उन्होंने यह धरना विधानसभा के प्रवेश द्वार पर दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के सहारा में निवेश करने वाले जमाकर्ताओं के अरबों रुपए की परिपक्वता राशि/ जमा राशि का अविलंब भुगतान किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सहारा में जिन लोगों ने राशि निवेश व जमा किया है, उसका भुगतान किया जाना आवश्यक हो गया है। सहारा में निवेश करने वाले व जमा करने वाले लोग अपनी राशि के भुगतान को लेकर अनेक दरवाजा पर दस्तक दे रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें किसी प्रकार की सफलता नहीं मिल रही है। राज्य सरकार को इस मामले में सकारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए।

तुपकाडीह हेल्थ सेंटर में डाक्टर देने की मांग

बोकारो। जैनामोड़ रेफरल अस्पताल द्वारा संचालित तुपकाडीह शिव मंदिर रोड स्थित हेल्थ सेंटर में सप्ताह में एक दिन डाक्टर भेजने की मांग जय हिंद कलामंच के अध्यक्ष राजू महतो ने चिकित्सा प्रभारी डॉ जितेंद्र कुमार से की है। पत्र में कहा गया है कि सेंटर में सभी कर्मी व नर्स आते हैं। जरुरी दवा भी मिलती है, लेकिन डाक्टर नहीं होने के कारण मरीज को रेफरल या सदर अस्पताल जाना पड़ता है। सेंटर में बिजली, पानी व अन्य सुविधाएं मौजूद हैं। सेंटर में 108 एम्बुलेंस भी है। सरकारी डाक्टर नहीं आने के कारण निहायत ही गरीब लोगों को झोला छाप डाक्टरों से इलाज करवाना पड़ता है।

मृतक के परिजनों से मिलकर लक्ष्मण नायक ने किया आर्थिक सहयोग

बोकारो। भाजपा नेता व जिला बीस सूत्री समिति के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक ने शुक्रवार को जरीडीह प्रखंड स्थित अराजू पंचायत के चालक टोला निवासी रमेश चालक के परिजनों से भेंट की। दुर्गा चालक के पुत्र रमेश की मृत्यू गोवा से काम कर घर लौटने के दौरान आंध्रप्रदेश के राजमंड्री में रेल की चपेट में आने से हो गई थी। लक्ष्मण नायक ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए यथा संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया। उन्होंने मौके पर रेलवे मंत्री पियूष गोयल के पीए से बात कर उन्हें मामले से अवगत कराया। इसे गंभीरता से लेते हुए मुआवजा के लिए पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने मौके पर अपनी ओर से परिजनों को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। मौके पर सनातन चालक, संजय चालक, गणेश चालक, दिनेश चालक, महेंद्र कुमार नायक, चिकू मेहता, अशोक ठाकुर, राहुल सिंह, दिनेश मेहता, निताय साव आदि मौजूद थे।

विद्युत आपूर्ति प्रमंडल तेनुघाट में ऊर्जा मेला का आयोजन 29 को

बोकारो। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल तेनुघाट अंतर्गत आगामी 29 जुलाई सोमवार को विद्युत शक्ति उपकेंद्र जैनामोड़ कार्यालय में ऊर्जा मेला जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, तेनुघाट अंतर्गत जैनामोड़, बेरमो,फुसरो, गोमिया तथा कथारा के सभी उपभोक्ताओं के शिकायत बिल सुधार, मीटर बदलने इत्यादि से संबंधित शिकायतों एवं कार्यों का निष्पादन किया जायेगा। कार्यपालक अभियंता तेनुघाट ने कहा है कि उर्जा मेला का आयोजन प्रतिमाह के अंतिम सप्ताह दिन सोमवार अथवा किसी विशेष अवकाश होने पर उसके बदले- अगले दिन मंगलवार को संपादित किया जाता है।

तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का हुआ गठन

बोकारो। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रखण्ड विकास पदाधिकारी चंद्रपुरा ईश्वर दयाल महतो की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रखण्ड स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन कर सभी सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कोटपा 2003 की विभिन्न धाराओं का अनुपालन एवं तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रम के साथ तम्बाकू मुक्त पंचायत करने हेतु जानकारी दी गई। बैठक की शुरूआत जिला परामर्शी मो० असलम द्वारा कोटपा-2003 के विभिन्न धाराओं का अनुपालन करने हेतु गठित जिला, अनुमण्डल व प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला परामर्शी द्वारा बीडीओ से प्रखण्ड स्तरीय छापामारी दस्ता को सक्रीय करने का अनुरोध किया गया। साथ हीं पंचायत को कैसे तम्बाकू मुक्त कर सकते है, किन किन कानूनों का अनुपालन करना है। इसकी जानकारी दी गई। बैठक में उपस्थित बेरमो विधायक प्रतिनिधि मिथिलेश तिवारी ने अपने सम्बोधन में तम्बाकू नियंत्रण करने हेतु जन जागरूकता अभियान चलाने को कहा।

परिश्रम, नैतिक मूल्य व आत्मविश्वास ही सफलता का सूत्र: अपर नगर आयुक्त

तीन दशक बाद अपने विद्यालय पहुंच 1993 बैच के छात्र अनंत ने साझा कीं यादें, विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में 1993 बैच के मेधावी छात्र रहे झारखंड प्रशासनिक सेवा अधिकारी अनंत कुमार शुक्रवार को तीन दशक के बाद अपने पुराने विद्यालय पहुंचे। चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त (एएमसी) एवं बेरमो के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने विद्यालय में 30 साल पहले बिताए अपने स्वर्णिम क्षण एवं स्मृतियां साझा करते हुए 11वीं एवं 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। अतिथि व्याख्यानशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 10वीं के बाद विद्यार्थियों के लिए वह समय होता है, जब वे अपने सपने बुनते हैं। उन सपनों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि वे बगैर किसी के दबाव में आए अपनी क्षमता और रुचि को ध्यान में रखकर ही अपना करियर चुनें। दृढ़ निर्णय के साथ अपना लक्ष्य बनाएं और उसे पाने के लिए लगन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ निरंतरता बनाए रखें। ये चीजें ही उनके लिए भाग्य-निमार्ता बनेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य मानवीय चेतना का विकास करना है। एक सफल और अच्छा इंसान बनने के लिए विद्यार्थी सदैव अपना नैतिक मूल्य और अपनी विनम्रता बरकरार रखें। साथ ही, अपनी विचारधारा को सकारात्मक रखते हुए राष्ट्र-निर्माण में योगदान दें।

तीन दशक पहले विद्यालय में अपने छात्र-जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आज वह जो भी कुछ भी हैं, जिस मुकाम पर हैं, उसमें डीपीएस बोकारो की केंद्रीय भूमिका है। यहां की कुशल शैक्षणिक-व्यवस्था और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के समेकित प्रयत्नों का ही परिणाम है कि आज डीपीएस बोकारो शिक्षा के क्षेत्र में एक ब्रांड बन चुका है। आज के विद्यार्थी यहां के उन्नत संसाधनों का लाभ लें। उन्होंने छात्र-छात्राओं से व्यक्तित्व-विकास के लिए खेलकूद, कला-संगीत सहित सभी सह-शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने, स्वास्थ्य को प्रथम प्राथमिकता देने, ज्ञान के स्तर में बढ़ोतरी हेतु नियमित समाचार-पत्र पढ़ने तथा सोशल मीडिया का संतुलित इस्तेमाल करने की भी अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन का आनंद लें, मित्रता करें और किसी भी असफलता से घबराने की बजाय उससे सीख लें।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने इस प्रकार की अतिथि व्याख्यानशाला को विद्यार्थियों के हित में आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों से जरिए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया जाता रहा है। उन्होंने अपर नगर आयुक्त श्री कुमार के व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री कुमार ने भी व्याख्यान के अवसर को लेकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

बोकारो में पूर्व सैनिकों ने मनाया कारगिल विजय का रजत जयंती समारोह, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

बोकारो। कारगिल विजय के 25 वर्ष पूरे होने की खुशी में पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बोकारो इकाई द्वारा रजत जयंती समारोह की परिकल्पना के साथ अपने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शुक्रवार को बोकारो इस्पात नगर के सिटी पार्क स्थित शहीद उद्यान में एक श्रद्धांजलि सह- सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सेल, बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार के अलावा बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक अश्विनी कुमार मित्तल, पंजाब नेशनल बैंक के मंडल अधिकारी पी के मिश्रा एवं संघचालक बोकारो महानगर, रंजीत वर्णवाल की उपस्थिति रही।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के आगमन पर सरस्वती विद्या मन्दिर, सेक्टर 9 के घोष की टीम ने उनका स्वागत किया और अपनी धुन के साथ उन्हें कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया। सभी शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। घोष ने अपने वादन से समां बांध दिया। इसके बाद उपस्थित सभी व्यक्तियों ने एक-एक कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। शहीदों को याद करते हुए उनके सम्मान में दो मिनट के लिए मौन रखा गया। बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक श्री मित्तल ने अपने वक्तव्य में इस युद्ध के दौरान सैनिकों के योगदान की सराहना करते हुए सैनिकों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव रखने को कहा। उन्होंने कहा कि युद्ध में हमारे सैनिकों ने अपने अदम्य साहस, अद्भुत पराक्रम, उत्कृष्ट रणकौशल और अटूट कर्तव्यनिष्ठा को इतिहास के पन्नों में अपने से बेहतर पोजीशन पर, विभिन्न हथियारों से लैश और वो भी घात लगाए दुश्मन पर विजय के रूप में लिख दिया। इसके अशोक जी ने अपने चिर परिचित अंदाज में- है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहां के गाता हु.. गीत से भावनाओं की बारिश करते हुए अपने उद्गार व्यक्त किए। कार्यक्रम के पूर्व कारगिल विजय-1999 के अवसर पर परिषद की बोकारो इकाई द्वारा अपने सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का प्रारम्भ 16 जुलाई को ही सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर 3 सी में बहुउपयोगी पौधों के वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। एक ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी, जिसमें प्रथम विजेता स्नेहा कुमारी को स्मृति फलक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

झारखंड +2 शिक्षक संघ ने राज्य परियोजना निदेशक के अपमानजनक वक्तव्य का किया विरोध

संवाददाता

बोकारो। झारखंड +2 शिक्षक संघ, जिला इकाई बोकारो की बैठक गूगल मीट के माध्यम से जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। श्री सिंह ने राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने की निंदा की एवं कहा कि इसका नकारात्मक प्रभाव शिक्षकों पर पड़ेगा। बैठक में जिला सचिव डॉ अवनीश कुमार झा ने राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन के बयान पर आश्चर्य प्रकट किया एवं कहा कि शिक्षक प्रेम की भाषा जानते हैं और उनके लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल मानव जाति का अपमान है। जिला संरक्षक डॉ अजय कुमार पाठक ने कहा कि राज्य परियोजना निदेशक के वक्तव्य से शिक्षकों में निराशा का भाव उत्पन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि डरा-धमका कर कार्य करवाना अनुचित है। उपाध्यक्ष कौशल कुमार मुखर्जी ने राज्य परियोजना निदेशक के हाल के वक्तव्य को लेकर कहा कि ऐसे घुटन भरे माहौल में काम करना बड़ी चुनौती है। शिक्षकों एवं पदाधिकारियों को अपने दायरे में रहकर काम करना जरूरी है। उपाध्यक्ष श्रुति ताह ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों में भय का माहौल व्याप्त है। पदाधिकारियों द्वारा अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल अस्वीकार्य है। संयुक्त सचिव राजेश कुमार विश्वकर्मा ने राज्य परियोजना निदेशक के बयान को शर्मनाक बताया एवं कहा कि बदले हुए हालात में शिक्षा व्यवस्था तनावग्रस्त प्रक्रिया हो गई है। पठन-पाठन के अलावा बहुत से कार्य दे दिए गए हैं। शिक्षक आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। कोषाध्यक्ष राजदेव साहू ने राज्य परियोजना निदेशक के बयान पर क्षोभ व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को बार-बार दंडात्मक कार्रवाई की धमकी देना उचित नहीं है। विद्यालयों में उपलब्ध राशि का कैसे सुगमतापूर्वक इस्तेमाल हो, इसको बताने में विभाग की कोई रुचि नहीं है। प्रवक्ता - सह-मीडिया प्रभारी गौरव कुमार दुबे ने राज्य परियोजना निदेशक के शिक्षकों पर दिए गए अपमानजनक वक्तव्य की निंदा की एवं कहा कि शिक्षकों को आकलन परीक्षा में शामिल करवा कर जबरन स्थानांतरण करना उचित नहीं है। प्रांतीय गुणात्मक शिक्षा समिति सदस्य धनंजय कुमार ने वर्तमान हालात को भयावह करार दिया एवं कहा कि आजकल शिक्षक काफी परेशान रहते हैं। डरा-धमकाकर बदलाव लाना संभव नहीं है। संघ के सदस्य कपिल देव ठाकुर ने सवाल किया कि हर चीज के लिए शिक्षक को ही दोषी क्यों ठहराया जाता है। बच्चों के नामांकन की कोई सीमा नहीं है। नित्य-प्रतिदिन राज्य एवं जिलास्तर से नए-नए फरमान आते रहते हैं। शिक्षकों का मानसिक दोहन हो रहा है। बैठक को सदस्य गोरांग प्रसाद गोराई, मुकेश कुमार गुप्ता, जय प्रकाश रजक, मनंजय कुमार आदि ने भी संबोधित किया।

डीएवी पब्लिक स्कूल कथारा में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

वीर जवानों की शहादत और उनके शौर्य को नमन करते हुए किया गया याद

संवाददाता

कथारा। डीएवी कथारा के प्रांगण में कारगिल विजय उत्सव शुक्रवार को मनाया गया। प्रार्थना सभा में वीर जवानों की शहादत और उनके शौर्य को याद किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मां भारती की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को नमन किया। कक्षा दशम की छात्रा शानवी आनंद ने कारगिल विजय उत्सव पर भाषण प्रस्तुत किया। कक्षा दसवीं की अनुश्री कुमारी, नवमी की छात्राए रूहानी प्रवीण, संचिता महतो, सृष्टि कुमारी ने संगीत शिक्षक संगीत कुमार के निर्देशन पर इस अवसर पर विजई विश्व तिरंगा प्यारा गाना गाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य सह झारखंड जोन के निदेशक विपिन राय ने कहा कि हमें अपने वीर सेनानियों से प्रेरणा लेते हुए उनके सिद्धांतों को आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक पंकज कुमार, पीएन चौधरी, डॉ आरएस मिश्रा, शर्मिला ठाकुर, रेखा कुमारी, एके गोस्वामी, सीसीए कोऑर्डिनेटर बीके दसौंधी, धर्म गुरु टीएम पाठक, जितेंद्र दुबे, अरविंद झा, संजय कुमार सिंह, मंतोष कुमार, अमित पाण्डेय, रंजीत सिंह, जयपाल साव, शैलेंद्र कुमार, रितेश कुमार, वीणा कुमारी, सुमन पाण्डेय सहित सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

उपायुक्त व अन्य अधिकारियों ने की जन सुनवाई

नेमरा पथ निर्माण के चौड़ीकरण व मजबूतीकरण कार्य का मार्ग हुआ प्रशस्त

गांव के रैयतों को मुआवजा राशि को लेकर था असंतोष

जिला प्रशासन की पहल पर रैयतों के बीच मुआवजा राशि भुगतान नोटिस व भाउचर का किया गया वितरण

संवाददाता

बोकारो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निदेर्शानुसार शुक्रवार को बोकारो उपायुक्त विजया जाधव ने शुक्रवार को बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण कार्य को लेकर कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा ग्राम का दौरा किया। उनके साथ अपर समाहर्ता मो० मुमताज अंसारी, जिला नजारत उप समाहर्ता वंदना शेजवलकर, बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी अशोक कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा, कसमार बीडीओ अनिल कुमार, सीओ सुरेश सिन्हा, प्रखंड प्रमुख नियोति दे, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, थाना प्रभारी भजनलाल महतो आदि उपस्थित थे। इस दौरान उपायुक्त विजया जाधव ने कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में सड़क निर्माण को लेकर 18 किमी गैर वन क्षेत्र भूमि अधिग्रहण से संबंधित रैयतों व ग्रामीणों के साथ बैठक की।

उनकी शिकायतों पर क्रमवार सुनवाई की। रैयतों व ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण के तहत मुआवजा राशि कम देने की बात रखी। बताया कि इसी कारण वह जिला भू अर्जन कार्यालय द्वारा दिए जा रहे भुगतान नोटिस को प्राप्त नहीं कर रहें है।इस पर उपायुक्त ने विस्तार से रैयतों व ग्रामीणों को भूमि अधिग्रहण के तहत मुआवजा राशि निर्धारित करने की प्रक्रिया से उन्हें अवगत कराया।

कहा कि विभाग ने आपके क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2020-2021 एवं 2022 में हुए भूमि की बिक्री के दर को हीं निर्धारित किया है। उपायुक्त द्वारा समझाने पर रैयतों ने मामले को समझा और भुगतान नोटिस एवं मुआवजा राशि का वाउचर प्राप्त करने पर सहमति जताई। इसी के साथ बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण कार्य में गति का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मौके पर ही, रैयतों को भुगतान नोटिस का तामिला कराया गया एवं मुआवजा भुगतान को लेकर वाउचर वितरण किया गया। ग्रामीणों ने बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण कार्य में संबंधित एजेंसी गंगा कंस्ट्रक्शन एवं स्थानीय प्रशासन का सहयोग करने की बात कहीं। मौके पर पथ निर्माण कार्य एजेंसी गंगा कंस्ट्रक्शन के विपिन कुमार पांडेय, नरेंद्र पांडेय, विकास तिवारी, हिसीम मुखिया बबीता देवी, पंसस जगेश्वर मुर्मू, सिंहपुर पंसस विनोद महतो, घनश्याम महतो, मनोज कुमार महतो, कुलदीप करमाली, तुलसीदास जायसवाल, भुवनेश्वर महतो, गोविंद गंझू, विपिन गोस्वामी, अमीन अनुज कुमार, एएसआई राजिद अहमद, मुजम्मिल अंसारी, प्रणव गोस्वामी, मलय गोस्वामी, दिगंबर महतो, छत्रु महतो आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम › रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने देशभक्ति धुनों पर बिखेरा जलवा

डीपीएस चास में देशभक्ति थीम पर आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल चास का सभागार धुनों और मनमोहक प्रस्तुतियों से गूंज उठा, जब विद्यालय नेह्यदेशभक्तिह्व थीम पर एक आकर्षक इंटर हाउस आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सभी चारों सदनों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। देशभक्ति थीम पर आधारित वेशभूषा पहने, उभरते संगीतकारों ने अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले आर्केस्ट्रा प्रदर्शन से मंच पर आकर्षक दृश्य उपस्थित किया। बाल तथा युवा संगीतकारों ने कुशलतापूर्वक देश भक्ति धुनों को जीवंत कर दिया, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन तथा विशिष्ट अतिथि विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन एन मुरलीधरन के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। सबसे पहले जूनियर विंग के गंगा सदन के बच्चों ने दादरा ताल, यमुना सदन ने रूपक ताल, चेनाब सदन ने तीन ताल तथा सतलज सदन ने कहरवा ताल की प्रस्तुतियां दीं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जूनियर विंग में यमुना सदन को प्रथम, गंगा सदन को द्वितीय तथा चेनाब सदन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सीनियर विंग में गंगा सदन ने अविस्मरणीय स्वर्ग से सुंदर थीम के साथ धूम मचा दी। जमुना सदन ने मिले सुर मेरा तुम्हारा गाने की प्रस्तुति से जादू बिखेरकर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। चेनाब सदन ने दिल को झकझोर देने वाले वंदे मातरम के साथ गहरा भावनात्मक राग छेड़ा तो सतलज सदन ने बंगाली देशभक्ति गीत की प्रतिष्ठित धुनों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर सतलज सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, गंगा सदन ने दूसरा स्थान, जबकि तीसरा स्थान यमुना सदन ने प्राप्त किया। मुख्य अतिथि डॉ मोहन ने छात्रों की रचनात्मकता और कलात्मक कौशल को देखकर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और एकता की भावना बढ़ती है। साथ ही ये हमारी सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इससे छात्रों को जीवन में सामाजिक कौशल विकसित करने में भी मदद मिलती है।

निर्णायक मंडल में भारतीय संगीत कला अकादमी के डॉ राकेश रंजन, त्रिसप्तिका संस्था के निदेशक तथा गिटार प्राध्यापक डॉ धनंजय चक्रवर्ती तथा संस्कार भारती के पूर्व सचिव जगदीश बावला उपस्थित थे। प्रभारी प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने उल्लेखनीय प्रतिबद्धता के प्रदर्शन के लिए प्रत्येक सदन की सराहना की। प्रधानाध्यापिका सुदेशना सिन्हा ने कहा कि यह एक साथ सीखने और बढ़ने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने हाउस वार्डन और शिक्षकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। डीपीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने बच्चों के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक विवेक कुमार ने किया तथा सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन शिक्षक वीरेंद्र सिंह व विवेक कुमार के निर्देशन में कक्षा ग्यारहवीं की ज्योत्सना राज तथा नौवीं की मन्नत जहां ने किया।

नगर स्तरीय अंतरविभागीय अभिसरण समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

बोकारो। चास नगर निगम के सभागार में शुक्रवार को अपर नगर आयुक्त अनंत कुमार की अध्यक्षता एवं सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी की संयुक्त अध्यक्षता में नगर स्तरीय अंतरविभागीय अभिसरण समन्वय समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान शहरी क्षेत्र के मलिन बस्तियों में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पॉली क्लिनिक एवं अटल क्लिनिक द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की गई एवं आवश्यकता के अनुसार सभी केंद्रों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया गया। साथ हीं विभिन्न विभागों के द्वारा आपसी समन्वय स्थापित कर शहरी क्षेत्र के लोगो हेतु विभिन्न स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, पेयजल व आवास की सुविधाओं को कैसे प्रदान किया जाय, इस पर गहन चर्चा की गयी। मौके पर डीआरसीएचओ डॉ० सेलिना टुडू, एसीएमओ डॉ० एचके मिश्रा, सिटी डाटा प्रबंधक एनयूएचएम, बोकारो जेनरल अस्पताल से एसीएमओ डॉ० वर्षा घाणेकर, एनयूएलएम नगर अभियान प्रबंधक, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चास, डब्ल्यूएचओ से डॉ० शालीन, एसएमओ, पीएसआई इंडिया के राज्य प्रतिनिधि नीलेश कुमार एवं सुनील कुमार तथा जिला प्रबंधक मंजूरुर खान, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

राधेश्याम गौशाला अंगवाली में कारगिल विजय के उपलक्षय पर हुआ पौधरोपण

बेरमो। कारगिल विजय दिवस एवं गुरु पूर्णिमा के उपलक्षय पर शुक्रवार को पेटरवार प्रखंड अंतर्गत अंगवाली स्थित राधेश्याम गौशाला में पर्यावरण के संतुलन के लिए वृक्षारोपण एवं आरएसएस द्वारा भगवा ध्वज एवं भारत माता पूजन कर प्रसाद वितरण किया गया। यहां समाजसेवी सह डॉ० रवींद्र उषा चैरिटेबल फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ० उषा सिंह द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर राधेश्याम गौशाला में दर्जनों फलदार वृक्षों के पौधे लगाए गए। इस मौके पर डॉ० उषा सिंह ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण अति आवश्यक है। हर व्यक्ति को पौधा लगाना चाहिए ताकि समय पर बारिश हो साथ-साथ प्रयाप्त ऑक्सीजन मिलता रहे। श्रीमती सिंह ने कहा कि कारगिल विजय राष्ट्र के लिए गर्व की बात है और गुरु पूर्णिमा सनातन धर्म के लिए आवश्यक है। इसलिए यह कार्यक्रम किया गया। यहां वरिष्ठ नेता मधुसूदन प्रसाद सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा, भगवा ध्वज व भारत माता पूजन और वृक्षारोपण का अपने आप में अलग-अलग महत्व है जो मानव जीवन के लिए अत्यंत जरूरी है। इस मौके पर आरएसएस के फुसरो नगर कारवाह प्रदीप भारती, अंगवाली मंडल बौद्धिक प्रमुख अमित कुमार मिश्रा, अंगवाली खंड प्रमुख प्रकाश कुमार केवट, मंचु सिंह, सुमित्रा देवी, उर्मिला देवी, कंचन देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

युवा व्यवसायी संघ ने कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

फुसरो। युवा व्यवसायी संघ फुसरो ने कारगिल विजय दिवस पर शुक्रवार को अपना बाजार स्थित प्रधान कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों व व्यवसायियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देते हुए भारत माता की जय, बीर शहीद अमर रहे, वंदे मातरम... आदि नारे लगाये। संघ के अध्यक्ष बैभव चौरसिया और सचिव बैजू मालाकार ने कहा कि देश के जवानों की शहादत से और जवानों के हौसले से कारगिल युद्ध में भारत ने विजय प्राप्त किया था। आज कारगिल युद्ध के विजय के 25 वर्ष हो गये है। यह दिन युद्ध के विजय की खुशी के साथ वीर शहीदों की शहादत को याद दिलाने वाला क्षण है। इसलिए देशवासियों को शहीदों को नमन करना चाहिए। जो एक लम्बे समय तक चले युद्ध में देश के जवानों के बदौलत भारत ने विजय हासिल की थी। मौके पर जितेंद्र सिंह, रवींद्र कुमार, जावेद खान, मिथलेश कुमार, राहुल सोनी, धर्मेंद्र वर्मा, रोहित मित्तल, राजू कुमार आदि मौजूद थे।

रोटरी क्लब चास ने चलाया वृक्षारोपण कार्यक्रम

बोकारो। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से रोटरी क्लब चास ने शुक्रवार को चास धनबाद रोड पर पौधारोपण अभियान चलाया। चास धनबाद रोड पर एक निजी परिसर में 80 फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाए गए। इस अवसर पर रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि पर्यावरण एवं प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्ष की सुरक्षा एवं संपोषण हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम के संयोजक विपिन अग्रवाल ने कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ उसकी सुरक्षा करना हम सभी का दायित्व एवं नैतिक जिम्मेदारी है। विपिन अग्रवाल ने कहा कि आने वाले समय में नारकीय जीवन से निदान का उपाय मात्र वृक्षारोपण है। रोटरी क्लब चास के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि वृक्षारोपण करके हीं हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पर्यावरण सौंपने का संकल्प ले सकते हैं। संजय बैद ने कहा कि वृक्षारोपण हमारी मौलिक आवश्यकता है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी का स्पष्ट संदेश है कि यदि पेड़ पौधे सुरक्षित नहीं होंगे तो मानवीय जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती वर्ष को लेकर कार्यक्रम आयोजित

गिरिडीह। बरगंडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती वर्ष मनाई गई। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिक अशोक कुमार को प्रधानाचार्य आनंद कमल ने अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।।मौके पर अशोक कुमार ने कहा कि हड्डियाँ गलाने वाली ठंड के बीच हमारे सैनिकों ने लगभग 3 महीने की लंबी लड़ाई लड़ी। अपने कुछ जवानों को खोने के बाद 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना, पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों को खदेड़ने में कामयाब हुई। इस तरह ऑपरेशन विजय सफल हुआ और कारगिल की चोटी पर तिरंगा शान से फहराया गया। प्रधानाचार्य आनंद कमल ने कहा कि यह दिवस भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।भारतीय सेना की बहादुरी और जज्बे को पूरा देश सलाम करता है। मौके पर अजीत मिश्रा, राजेंद्र लाल बरनवाल एवं समस्त आचार्य व दीदी उपस्थित थे।

जारंगडीह में दो सड़क हादसे में दो युवक घायल

संवाददाता

कथारा। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत जारंगडीह के सीसीएल फिल्टर प्लांट के पास शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क हादसा हुई। पहली सड़क हादसा शुक्रवार की सुबह हुई जहां अनियंत्रित होकर बाईक सवार सड़क पर गिर गया, जिसे राहगीरों ने उठाया और उनके परिजनों को जानकारी दी। जानकारी प्राप्त होते हीं उनके परिजन पहुंचे और चोटिल युवक को अपने साथ प्राथमिक उपचार के लिए ले गए। घायल युवक ने बताया कि वे रामगढ़ से फुसरो वापस लौट रहे थे। बाईक संख्या जेएच 24सी 0416 वाहन पर अंकित था। दूसरी घटना शुक्रवार की शाम लगभग 5 बजे की बताई जा रही है। इस घटना में जारंगडीह ढोरी माता तीर्थालय के पास स्थित संत अन्तोनी विधालय के शिक्षक सुनिल

कुमार घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए लिए सीसीएल कथारा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉ० बीके झा के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए केएम मेमोरियल बोकारो रेफर कर दिया गया।

बेरमो के नये थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह ने दिया योगदान

संवाददाता

बेरमो। बेरमो थाना के नये थाना प्रभारी के रूप में रोहित कुमार सिंह ने शुक्रवार को योगदान दिया। उन्होंने निवर्तमान थाना प्रभारी अशोक कुमार से पदभार ग्रहण किया। इसके बाद दोनों थाना प्रभारी ने एक-दूसरे को बूके देकर स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद थाना प्रभारी श्री सिंह ने कहा कि लोगों के सहयोग से क्षेत्र में अमन चैन कायम किया जायेगा। पुलिस और पब्लिक के बीच मधुर संबंध स्थापित करने की कोशिश होगी। कहा कि थाने के जो भी लंबित मामले हैं उसका जल्द निष्पादन किया जायेगा। क्षेत्र में होने वाली आपराधिक घटनाओं व चोरी पर रोक लगाने का पूरा प्रयास होगा। कहा कि जनता से मिलजुल कर व सहयोग से क्षेत्र को शांति व सौहार्द बनाने का काम होगा। कहा कि लोग किसी भी गलत खबरों व अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। किसी भी कीमत पर बेरमो में अवैध कोयला, लोहा, बालू चोरी होने नहीं दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में वे पलामू में एसीबी में कार्यरत थे।

अनपति देवी विद्या मंदिर में कामेश्वर शर्मा को दी गयी श्रद्धांजलि

स्व. कामेश्वर शर्मा अपने अच्छे कर्मों के लिए हमेशा याद किए जाएंगे

संवाददाता

फुसरो। अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर फुसरो में विद्यालय के संस्थापक स्व० कामेश्वर शर्मा की पुण्यतिथि मनायी गयी।

यहां मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा, स्व० शर्मा के पुत्र पुष्कर शर्मा, पुत्रवधू दीप्ति शर्मा और फुसरो के समाजसेवी दिनेश शर्मा आदि ने सामूहिक रूप से स्व० शर्मा की तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलन कर श्रद्धांजलि दी। उनके सम्मान में उनके जीवन की कृतियों का वर्णन विद्यालय के शिक्षक सुनील चंद्र झा ने किया। उन्होंने बताया कि

इस विद्यालय की नींव स्व० शर्मा ने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी दुबे के साथ मिलकर बहुत उत्साह और उमंग के साथ रखा था।

जो आज एक वट वृक्ष के रूप में फैल कर क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। कहा कि विद्यालय की देख रेख एवं स्व० शर्मा के आदर्शों पर चलते हुए उनकी धर्म पत्नी सह विद्यालय की अध्यक्ष ज्ञाती शर्मा समाजसेवा से जुड़ी हुई है जो जरूरतमंदों की मदद को हमेशा तत्पर रहती हैं। साथ हीं विद्यालय की देखरेख और अपने पिता के आदर्शों पर उनके पुत्र दिनकर शर्मा भी चल रहे हैं। कहा कि स्व० शर्मा के पुत्र पुष्कर शर्मा, उनकी पत्नी दीप्ति शर्मा और समाजसेवी दिनेश शर्मा ने पूरे विद्यालय परिवार को आज के इस दिन पर अपने पिता के स्वर्णिम इतिहास और कृतियों को अमर बनाते हुए अल्पाहार के रूप में बच्चों के बीच प्रसाद वितरण किया।

इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा कमरशाली गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

गिरिडीह। इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने कमरशाली गांव में मेगा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत 150 पेड़ घनी आबादी वाले छोटे क्षेत्र में लगाए गए। भविष्य में यह क्षेत्र मियावाकी वन में परिवर्तित हो जाएगा, जिससे पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष सोनाली तरवे ने कहा कि हमारा उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा करना और हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ाना है। अभी तक हमने सत्र की शुरूआत से लगभग 350 पेड़ अलग-अलग जगह पर लगा चुके हैं। मियावाकी वन निर्माण तकनीक से हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह क्षेत्र जल्द ही घने

जंगल में परिवर्तित हो जांय।

इस कार्यक्रम में सेक्रेटरी राखी झुनझुनवाला, आईपीपी सुमन गौरीसरिया, वाइस प्रेसिडेंट कविता राजगरिया, रिया अग्रवाल, रश्मि गुप्ता, सुनीता बरनवाल, शशि जैन आदि सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और वृक्षारोपण के महत्व पर चर्चा की गई। कहा गया कि हम इस तरह के वन शहरी क्षेत्र में भी अधिक से अधिक बनाने का प्रयास करेंगे। ताकि पर्यावरण को इससे लाभ मिले तथा सभी सदस्यों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए इस तरह के प्रयास करते रहेंगे।।इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गांव के निवासियों का भी धन्यवाद किया और आने वाले समय में और अधिक वृक्षारोपण अभियान आयोजित करने का संकल्प लिया।

भाजपा नगर कार्यसमिति की बैठक संपन्न

कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हुई चर्चा

संवाददाता

गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी नगर कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, पूर्व विधायक निर्भय शाहबादी समेत अन्य लोग शामिल हुए।।बैठक में संगठन को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बताया गया कि इस बैठक में मुख्य रूप से आगामी 28 जुलाई को हर बूथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण करना सुनिश्चित किया गया। पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को हर बड़े बुजुर्ग नौजवानों को सुनाने का निर्णय लिया गया है। वहीं मन की बात कार्यक्रम के बाद बूथ कमिटी की बैठक का आयोजन किया जाएगा। हर बूथ पर बूथ कमिटी की बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर रायशुमारी होगी। साथ हीं बूथ कमिटी में नए एवं ऊजार्वान नौजवान कार्यकताओं को शामिल किया जाएगा। पूर्व विधायक निर्भय शाहबादी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। इस लिए संगठन के शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार कई कार्यक्रम होने हैं। इसके लिए बैठक कर रणनीति बनाई गई है।

भाजपा मंडल बेंगाबाद कार्यसमिति की बैठक आयोजित

संवाददाता

गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी मंडल बेंगाबाद कार्यसमिति की बैठक मंडल अध्यक्ष शिवपूजन राम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम के प्रभारी पूर्व प्रखंड अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद वर्मा कार्यक्रम के पर्यवेक्षक रघुनंदन यादव, भाजपा नेता रामरतन राम, जय प्रकाश मंडल, डॉ० राजेश पोद्दार ,संदिप राम गुप्ता, भुनेशवर मंडल, शंकर तिवारी, नंदलाल नंदन,रामचरण सिंह,किसुन यादव, संतोष सोनार, सौरभ मिश्रा, अजित राना, सुधिर राणा, नुनैमन दास, उमाशंकर यादव, सुरेन्द्र कुमार लाल, गोपाल प्रसाद वर्मा, पप्पु कुमार

मंडल,दशरथ प्रसाद सिंह, शंकर पाठक, संतोष साहू, सहदेव पंडित, गोविंद राम, बिनोद पंडित, श्री कांत राना, महेन्द्र चौधरी, रिंकू राना,हरि पंडित, दिनेश कुमार शर्मा, गोविंद मंडल, अर्जुन रविदास, जगदीश दास, राकेश कुमार, सुभाष राणा आदि उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है 28 जुलाई को 10:00 वजे से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के मन की बात सुनेंगे। तत्पश्चात बुथ स्तर पर बुथ कमिटी के साथ बैठक का आयोजन किया जाना है। इसके लिए मंडल स्तर पर एक पदाधिकारी एवं शक्ति केन्द्र संजोयक तथा सह संयोजक की कमिटी बनाई गई। शक्ति केन्द्र प्रभारी बुथ स्तर बैठक आयोजित कर मेरा बुथ सबसे मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। साथ हीं मतदाता सूची में वंचित लोगों का नाम जोड़वाने में सहयोग करेंगे।साथ हीं साथ वर्तमान में झारखंड की हेमन्त सोरेन की सरकार की नाकामियों से आम लोगों को अवगत कराना है कि किस तरह झारखंड की जनता को ठगने का काम किया है। जबसे हेमंत सोरेन की सरकार बनी है झारखंड में हत्या,अपहरण, बालात्कार, डकैती व लुट की घटना में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। यह सरकार झुठा सब्जबाग दिखाकर सता में आईं है।

गिरिडीह झारखंड पीपुल्स पार्टी के विस्तार करने को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता

डुमरी/गिरिडीह। झारखंड पीपुल्स पार्टी का गिरिडीह जिला में विस्तार करने को लेकर पार्टी के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद की अध्यक्षता मे एक बैठक डुमरी पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को हुई।

इस जिला स्तरीय बैठक में पार्टी के सक्रिय कार्यकताओं ने भाग लिया। इस दौरान जिला तदर्थ कमिटी का गठन किया गया।

जिसमें चीनो निवासी मुज्जफर इमाम को जिला अध्यक्ष, डुमरी निवासी संजय कुमार सिंह को जिला सचिव एवं डुमरी के सिमराडीह निवासी जितेन्द्र पांडेय मंटू को संगठन मंत्री बनाया गया। बैठक में होने वाले विधानसभा चुनाव पर चर्चा की गई। साथ हीं भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई जारी रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में बोडो सोरेन, जगदीश प्रसाद, प्रदीप अग्रवाल, कुतुबुद्दीन अंसारी, मनोज महतो, सईदुर रहमान, मुश्ताक अंसारी, अशोक दास, जिब्राइल अंसारी, समीरुद्दीन अंसारी, पेडो सोरेन, जियाउल हक, मजहर इमाम, मोहम्मद परवेज, मोहम्मद फरीद, बैजनाथ महतो, वसीउल हक आदि उपस्थित थे।

राजनीति में बेदाग और पढ़े लिखे लोगों की जरूरत : अनिल चौधरी

संवाददाता

जमुआ/गिरिडीह। कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता अनिल चौधरी सामाजिक कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।पार्टी से हटकर भी मानवता के नाते लोगों से मिलते जुलते हैं और जरूरत में खड़े रहते हैं। पूर्व विधायक चंद्रिका महथा के पुत्र अनिल चौधरी नौकरी छोड़ सार्वजनिक जीवन में आए। पत्रकारों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि बी टेक और पी एच डी जैसी डिग्री लेकर राजनीति में क्यों आये के सवाल पर कहा कि राजनीति में अब पढ़े लिखे एवं बेदाग लोगों को आने की जरूरत है। कहा कि आज कोई धर्म के नाम पर कोई खतियान के नाम पर कोई

भाषा के नाम पर तो कोई संविधान के नाम पर लोगो को बरगला रहे हैं।कहा कि देश धर्मनिरपेक्ष है। सबको मिलकर रहना है।यही लोकतंत्र की खूबसूरती है। कांग्रेस में सक्रिय हैं टिकट मिल पाएगा जमुआ से आपको इस सवाल के जवाब में कहा कि आलाकमान का जो फरमान होगा उनका सम्मान होगा। बहरहाल उन्हें जमुआ विधानसभा में लोगों के बीच रहकर कार्य करने को कहा गया है। युवाओं के लिए क्या विजन है के जवाब में कहा कि युवाओं, किसानों व महिलाओं के उत्थान के बिना हर विकास की परिकल्पना अधूरी है। कहा कि युवाओ को रोजगार चाहिए। महिलाओं को काम के साथ सुरक्षा और किसानों को सस्ते दरों पर ऋण एवं कृषि यंत्र व बीज खाद चाहिए। झारखण्ड में कांग्रेस संगठन पर क्या कहेंगे के जवाब में कहा कि वे एक अदना सा कार्यकर्ता हैं ।संगठन के बाबत कुछ कहने का सामर्थ्य नहीं। बस संगठन की मजबूती के लिए अहर्निश लगे हैं। उनके साथ कांग्रेस अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष सन्तोष रजक, प्रखण्ड अध्यक्ष महशर इमाम, सच्चिदानन्द सिंह पंसस प्रतिनिधि विकास यादव सहित कई लोग थे।

कसमार सीएचसी में सहियाओं को दी गयी बरसाती बीमारियों की जानकारी

संवाददाता

बोकारो। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कसमार के सभागार में शुक्रवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० प्रफुल्ल महतो की अध्यक्षता में की गयी। इस कार्यक्रम में कसमार प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायतों की सहियाओं को भीबीडी बीमारियों से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

एमटीएस शैलेश ठाकुर द्वारा भीबीडी बीमारी अंतर्गत आनेवाली सभी बीमारियों मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानीज इंसेफेलाइटिस एवं

कालाजार के विषय में विस्तार से बताया गया।

इन बीमारियों को फैलने के कारण एवं इसके बचाव के विषय में भी जानकारी दी गई। इस दौरान सभी सहियाओं को रक्तपट्ट संग्रह एवं आरडीके से जांच के विषय में बताया गया। एमपीडब्ल्यू अविनाश रंजन ने सभी सहियाओं को एमएफ 2 फॉर्म भरने की जानकारी दी। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० बिपिन प्रसाद द्वारा सभी सहियाओं को बरसात के दिनों में एलर्ट रहने को एवं अपने कार्यों को अच्छे तरीके से करने का निर्देश दिया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 27 जुलाई 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बाल विवाह मुक्त गांव बनाने के लिए किशोरी मंडल का गठन

कतरास। बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण अभियान के तहत झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा जमुआटांड़ पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र खुदनडीह में बाल विवाह मुक्त गांव बनाने के लिए किशोरी मंडल का गठन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के फील्ड कॉर्डिनेटर दीपा रवानी ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा बाल विवाह मुक्त, बाल यौन हिंसा एवं बाल मजदूरी के खिलाफ सघन जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। किशोरी मंडल के गठन का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को सशक्त कर मुख्य धारा से जोड़कर उनके क्षमता का वर्धन करना है। समय-समय पर सभी को प्रशिक्षण कार्यक्रम चलकर सशक्त किया जायेगा। मौके पर समसीना खातून, सबीना खातून, सादिया, नगमा, खुश्बू, अनीसा, आसो, हबीबा के अलावे दर्जनों महिलाएं उपस्थित थीं।

ओवरलोड हाइवा अनियंत्रित होकर पलटा

बाघमारा। बीसीसीएल एरिया नंबर एक के मुराइडीह फिडर ब्रेकर के समीप गुरुवार की दोपहर कोयले से ओवरलोड एक हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में हाइवा के चालक व खलासी बाल-बाल बच गए। बाद में क्रेन मंगाकर काफी मशक्कत के बाद हाइवा को उठाया गया। बताया गया कि हाइवा चालकर फिडर ब्रेकर से कोयला लेकर ज्यादा ट्रिप लगाने के चक्कर में रहते हैं। यही वजह है कि अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। चालक सुरक्षा व ट्रांसपोर्टिंग में कंपनी के नियमों की भी अवहेलना करते हैं। दुर्घटनाओं के बावजूद ट्रांसपोर्टर सचेत नहीं हैं। वहीं बीसीसीएल प्रबंधन हमेशा अपना पल्ला झाड़ लेता है।

मातृत्व स्वास्थ्य पोषण लाभ कार्यक्रम का उद्घाटन

धनबाद। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने बाघमारा विधानसभा अंतर्गत छत्रुटांड पंचायत में रोटरी फाउंडेशन द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परियोजना के तहत पहला 1 हजार दिन के लिए मातृत्व स्वास्थ्य पोषण लाभ कार्यक्रम का दीप प्रज्वल्लित कर उद्घाटन किया। यहां स्थानीय मुखिया एवं रोटरी फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। मौके पर माननीय सांसद ने सम्बोधित करते हुए कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य है कि हमारी माताएं बहनें गर्भधारण के पश्चात मातृत्व पोषण का लाभ ले सकें। ताकि पोषण के अभाव में जच्चा व बच्चा को किसी प्रकार की कोई स्वास्थ्य समस्या न हो।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की शिकायतें

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर आम-जन की शिकायतों व समस्याओं को सुना। उन्होंने संज्ञान में आए सभी मामलों के आवेदन को संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल निष्पादन के लिए अग्रसारित किया।जनता दरबार में मुख्यतः जमीन विवाद संबंधी, आर्म्स लाइसेंस, सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, अतिक्रमण मुक्त कराने, धोखाधड़ी, पेंशन, जबरन उत्खनन, ऑनलाइन रसीद, अबुआ आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जाति/आवासीय प्रमाण पत्र, आंगनबाड़ी सेविका के चयन, जमीन बंटवारा, जमीन मापी समेत अन्य संबंधित आवेदन आए। इस दौरान उपायुक्त ने आवेदनों को चिन्हित कर संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्द हीं इन समस्याओं का समाधान होगा। इसके लिए अधाकिरियों को निर्देश दिया गया है। मौके पर प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद मौजूद रहें।

पूर्णिमा नीरज सिंह ने 8.10 करोड़ का सौगात झरिया की जनता को समर्पित किया

संवाददाता

धनबाद। सचेतक सत्तारूढ़ दल सह विधायक, झरिया पूर्णिमा नीरज सिंह ने जनता को नवनिर्मित थाना भवनों, दामोदर जल संयंत्र के लिए अलग फीडर तथा ट्रॉली ट्रांसफार्मर का शुभ उद्घाटन विधिवत पूजन कर तथा नारियल फोड़कर किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए माननीय विधायक का फूल माला व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान माननीय विधायक ने बताया कि झरिया तथा जोरापोखर में निर्मित पुराने भवन काफी जर्जर अवस्था में थे, जिससे यहां के अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को काफी असुविधा होती थी। साथ हीं जामाडोबा विद्युत सब स्टेशन में झमाडा के दामोदर हेड वर्क्स, जामाडोबा जल संयंत्र को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति हेतु अलग 11 ङश का समर्पित फीडर स्थापित करने का कार्य भी पूरा कर जनता को समर्पित किया गया। विधानसभा के सत्र के दौरान बेहतर पुलिसिंग सुविधा हेतु मॉडल थाना भवन के निर्माण हेतु सरकार से मांग की थी। जो साकार हुआ, नए भवन का निर्माण हो जाने से पुलिसिंग सुविधा बेहतर होगी। उल्लेखनीय है कि कुल 8 करोड़ 10 लाख की योजना जिसमें 2 करोड़ 85 लाख की लागत से जोरापोखर थाना भवन तथा 2 करोड़ 74 लाख की लागत से झरिया थाना भवन का निर्माण, 2.36 करोड़ के लागत से 11 ङश फीडर लाइन तथा 15 लाख की लागत से विधायक मद से क्रय की गई ट्रॉली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि माननीय विधायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसएसपी एच पी जनार्दन ने कहा कि माननीय विधायक के प्रयास से झरिया और जोरापोखर थाना भवन हमें प्राप्त हुआ, हम माननीय के आभारी हैं। उन्होंने पुलिसिंग सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करने के लिए माननीय विधायक को धन्यवाद दिया। बताते चलें कि नवनिर्मित थाना भवन दो मंजिला है, जिसमें एक हॉल, थाना प्रभारी का रूम, सिरिस्ता, वेटिंग हॉल, महिला व पुरुष के लिए अलग-अलग हाजत व जवानों के रहने के लिए कमरे बने हैं। साथ हीं चारों और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। कार्यक्रम में एसएसपी एचपी जनार्दन, एडीपीओ भूपेंद्र राउत, टाटा जीएम संजय राजौरिया, विधायक प्रतिनिधि के डी पाण्डेय, सूरज सिंह, थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार, अजीत कुमार, सुमित सुपकर , आफताब अंसारी, विक्रमा यादव, रामजी सिंह, मुख्तार खान, डा0 नरेश प्रसाद, पार्थो प्रमाणिक, आर के पाठक, अक्षय यादव, राजकुमार अग्रवाल, मल्लू सिंह, मनन यादव, महेश शर्मा, रघुवीर गोयल, अशोक वर्णवाल, भगत सिंह, अरूण, पारस यादव, शाकिर खान, सिंटू सिंह , पंकज तिवारी, चांदनी, मेराज खान, राकेश पासवान, बबलु सिंह, झनु गुप्ता, शांति समिति के सदस्य सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

केन्द्रीय कोयला मंत्री से कोल अप्रेंटिस प्रतिनिधियों ने रोजगार संबंधी मांगों को लेकर की वार्ता

संवाददाता

धनबाद। वर्षों से लंबित रोजगार संबंधी मांगों को लेकर संघर्षरत बीसीसीएल समेत कोल इंडिया से प्रशिक्षित अप्रेंटिस युवाओं ने बेहतर झारखण्ड संस्था के संस्थापक मयूर शेखर झा के नेतृत्व में धनबाद होटल सोनाटेल में केन्द्रीय कोयला खान मंत्री जी० किषण रेड्डी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जिसमें मयूर शेखर ने कोल इंडिया के विभिन्न अनुषंगी कंपनियों से प्रशिक्षित अप्रेंटिस युवाओं के वर्षों से लंबित रोजगार संबंधी मामलों से मंत्री को अवगत कराया। निष्पादन हेतु वार्ता भी की। मयूर शेखर झा ने मंत्री को कहा कि कोल अप्रेंटिस युवा वर्षों से तकनीकी पदों पर कंपनी अन्तर्गत चल रहे आऊटसोर्सिंग कंपनियों में रोजगार की मांगों को लेकर संघर्षरत हैं। कोल प्रबंधन इनकी मांगों पर अब तक पहल नहीं कर रही है। युवा पूर्व में रोजगार संबंधी मांगों को लेकर वर्षों धरना पर बैठे थे। मगर प्रबंधन मौन है। श्री झा ने केन्द्रीय कोयला मंत्री से कहा कि जल्द से जल्द अप्रेंटिस युवाओं को एक प्रबंधकीय स्तर पर बैठक करवा कर युवाओं को जल्द रोजगार मुहैया कराने में यथा संभव मदद करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र अन्तर्गत चल रहे कोल कंपनियों में स्थानीय अप्रेंटिस युवाओं को हर हाल में रोजगार मुहैया कराई जानी चाहिए। क्योंकि यहां के कोल संसाधनों में प्रशिक्षित युवाओं का पहला अधिकार है।इसके अलावे धनबाद क्षेत्र में अवैध उत्खनन, प्रदूषण, विस्थापन, सीएसआर के तहत विकास इत्यादि मामलों पर सार्थक पहल करने हेतु मंत्री से अनुरोध किया।

मासस ने 15 सूत्री मांगों के समर्थन में दिया एक दिवसीय धरना

संवाददाता

धनबाद। मार्क्सवादी समन्वय समिति की जिला कमिटी ने 15 सूत्री मांगों को लेकर रणधीर वर्मा चौक पर एक दिवसीय धरना दिया। धरना की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बिंदा पासवान ने की एवं संचालन गणेश महतो ने किया। धरना में मुख्य रूप से मासस के केंद्रीय सचिव चंद्रदेव महतो एवं मायुमो केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश रवानी उपस्थित थे। धरना को संबोधित करते हुए मासस के केंद्रीय सचिव चंद्रदेव महतो ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान आज भुखमरी के कगार पर खड़े हैं। सरकार की जुमलेबाजी से पूरा कोयलांचल बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। औसतन झारखंड में कम बारिश होने के कारण यह जिला सूखा के चपेट में हैं। सरकार अविलंब झारखंड को सूखा क्षेत्र घोषित करे एंव किसानो की ऋण माफ करे। बलियापुर प्रखंड क्षेत्र में हर घर नल योजना के तहत जलापूर्ति योजना में संवेदक की लापरवाही के कारण ग्रामीण क्षेत्र में जलापूर्ति पूर्ण रूप से बाधित है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कर संवेदक पर कड़ी करवाई करे एवं जलापूर्ति योजना को शीघ्र प्रारम्भ करे। धनबाद सदर प्रखंड के ढोकरा पंचायत को बलियापुर प्रखंड में अविलंब शामिल करें जिससे इस पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण विकाश योजनाओं की सुविधा के लिए 20 से 25 किलोमीटर दूर जाना नहीं पड़े। मायुमो के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश रवानी ने कहा कि झारखंड के अन्य विश्वविद्यालय की तरह बी बी एम के यु के भी अंगीभूत महाविद्यालयों में इंटर की पढ़ाई चालू करें। स्थानीय छात्रों को लाभ मिल पाये। साथ हीं धनबाद जिले में नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं होने के कारण आम जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या का निराकरण अविलंब करें। मासस के जिला अध्यक्ष बिंदा पासवान ने कहा कि पूरे जिले में बी सी सी एल, हर्ल समेत सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में 75% स्थानीय को काम की गारंटी दी जाए एवं कार्यरत मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करें, अन्यथा जोरदार आंदोलन होगा। धरना के बाद उपायुक्त, धनबाद को उपरोक्त से संबंधित एक मांग पत्र भी सौपा गया। धरना में मुख्य रूप से मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो, जिप सदस्य श्वेता कुमारी, राजू महतो, सुभाष सिंह, राणा चटराज, फटिक चंद्र मंडल, काशीनाथ मंडल, मनीष यादव, राजा राम रजक, दिनेश महतो, लालमोहन महतो, संतोष रवानी, विजय राम, दुलाल चंद्र माँगन महतो, आरिफ अंसारी, राजेश बिरुआ, विक्की खान, मदन महतो, अजय चौबे, औरधेंदु दत्ता,विक्की खान, गंगाधर कर्मकार, चंद्रमौली पांडे, जनार्दन महतो, मोती लाल महतो, चीनू महतो, सृष्टिधर महतो, दीपक महतो, रंजीत महतो, सुजल दास, हीरालाल महतो, भादो लाल महतो आदि शामिल थे।

उच्च न्यायालय में लंबित मामले समेत अन्य का ससमय निपटारा करें : उपायुक्त

संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में उच्च न्यायालय में लंबित केस, सर्वोच्च न्यायालय में लंबित केस एवं विभिन्न आयोगों से संबंधित लंबित रिपोर्ट की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में की गई। बैठक में उच्च न्यायालय झारखंड में जिले के वादों को ससमय निबटारा के लिए उपायुक्त ने लंबित वादों की विभागवार व अंचलवार समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि उच्च न्यायालय के मामलों को प्राथमिकता देते हुए निष्पादन के कार्य में तेजी लाई जाय। न्यायालय के लंबित मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने गंभीर और जटिल मामलों को अविलंब संज्ञान में देने की भी बात कही, ताकि ससमय उसका हल निकाला जा सके। इसके अलावा उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को लंबित म्यूटेशन, लंबित भू मापी को जल्द निष्पादन हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, सरकारी योजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अंचलाधिकारियों को सभी माइनिंग प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण कर खनन क्षेत्र की एरिया मापी कर 5 अगस्त तक रिपोर्ट देने हेतु निर्देशित किया।।बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, डीएलएओ राम नारायण खलखो, खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर समेत सभी अंचल अधिकारी एवं विधि शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

विरोध : केंद्रीय कोयला मंत्री के कार्यक्रम में हंगामा, लोगों ने सांसद ढुल्लू महतो के खिलाफ की नारेबाजी

संवाददाता

धनबाद। धनबाद में केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी के कार्यक्रम में हंगामा हुआ। जहां ग्रामीणों ने सांसद ढुल्लू महतो के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस के हस्तक्षेप से लोगों को शांत कराया गया। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र के बांसजोड़ा अग्नि प्रभावित भू-धंसान क्षेत्र का दौरा कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। लोगों के द्वारा खुलकर सांसद का विरोध किया गया। थोड़ी देर के लिए काफी हो हंगामा होता रहा। पुलिस और सीआईएसएफ की टीम हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराने में जुटी रही। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और सीआईएसएफ की टीम ने हंगामा को शांत कराया।

केंद्रीय कोयला मंत्री के कार्यक्रम में हंगामा

सांसद समर्थक मंच से भाषण दे रहे थे। आउटसोर्सिंग कंपनी में रोजगार देने की बात का सांसद समर्थक कर रहे थे। इसी बीच समर्थकों के द्वारा गुंडे लोगों को कंपनी में काम देने की बात मंच से कही गई। जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गए और कार्यक्रम के दौरान हंगामा करने लगे और लोगों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इसके बाद लोगों ने सांसद ढुल्लू महतो के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर उपस्थित पुलिस और सीआईएसएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने बांसजोड़ा के अग्नि प्रभावित और भू-धंसान क्षेत्र का दौरा व निरीक्षण कर मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद लोगों को जल्द सुरक्षित पुनर्वास और उचित मुवाबजा देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्थिति से अवगत कराने का आश्वासन दिया है। बता दें कि इस कार्यक्रम के दौरान मंच पर केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी के अलावा सांसद ढुल्लू महतो, कोल सचिव अमृतलाल मीणा, कोल चेयरमैन पीएम प्रसाद, डीसी माधवी मिश्रा, बीसीसीएल सीएमडी समीरण दत्ता, सिटी एसपी अजित कुमार, डीएसपी, बीसीसीएल जीएम, वरीय बीसीसीएल अधिकारी मौजूद रहे।

धनबाद | जदयू पार्टी ने हल्ला बोल,पोल खोल के दौरान पूर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन किया

गरीबों का खून चूसना बंद करें भ्रष्ट अधिकारी : दीप नारायण

संवाददाता

धनबाद। जदयू पार्टी एवं यूथ फोर्स संगठन द्वारा आयोजित पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं में हो रही लुट - खसोट के विरुद्ध पूर्व हल्ला बोल, पोल खोल कार्यक्रम कर पूर्वी प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह और जदयू धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह उपस्थित हुए। इस दौरान हजारों की संख्या में जदयू एवं यूथ फोर्स के नेता, कार्यकर्ता और समर्थकों ने कार्यक्रम में शामिल होकर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपना रोष प्रदर्शन किया। कार्यक्रम से पूर्व कार्यकर्ताओ ने लटानी मोड़ से जुलूस के शक्ल पूर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय के लिए निकले और भ्रष्टाचार और गरीबों के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं में हो रही लुट - खसोट के विरुद्ध नारा लगाते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए दीप नारायण सिंह ने कहा कि जदयू पार्टी द्वारा राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत आज पुर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय में ₹हल्ला-बोल,पोल-खोल₹ कार्यक्रम हो रहा है। पूर्वी टुंडी प्रखंड में लुट - खसोट मचा हुआ है। गरीबों का कोई काम नहीं हो रहा है, लोग परेशान हैं। अबुआ आवास, दाखिल - खारिज, पेंशन,आय, आवासीय, जाति प्रमाण पत्र, आदि गरीबों के लिए चलाई जा रही योजनाओं में लुट मची हुई है।जरुरतमंद लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनता पस्त है और यहां के स्थानीय विधायक लुट - खसोट में व्यस्त हैं। जदयू पार्टी भ्रष्टाचार और परिवारवाद विरोधी पार्टी है। जनता को अधिकार मिले, इसके लिए जदयू पार्टी और यूथ फोर्स संगठन संघर्ष कर रही है। श्री सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि भ्रष्ट अधिकारी गरीबों का खुन चुसना बंद करें। अधिकारी और कर्मचारी ईमानदारी से गांव - गरीब, शोषित - पीड़ीत, छात्र - नौजवान, मजदूर - किसान भाइयों का काम समय पर नियमानुसार करें।और गरीब लोगों के काम में कोई अगर-मगर कर लोगों को परेशान करने का प्रयास नहीं करें, अन्यथा भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने कहा कि अगर कोई गरीब , मजदूर, किसान,छात्र , नौजवान व महिलाओं के हक व अधिकार को छिनने का प्रयास किया तो जदयू पार्टी के कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो आंदोलन को ओर धारदार किया जाएगा। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने 37 सूत्री मांगपत्र सौंपा और मांग पत्र पर तत्काल अमल करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू युवा प्रकोष्ठ पूर्वी टुंडी प्रखंड गुड्डू सिंह और संचालन सुरज कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष धनलाल दुबे,जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह,जदयू महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बिन्दु देवी, जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास, जदयू धनबाद जिला महासचिव दीपक कुमार महतो, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष इम्तियाज खान,युवा अध्यक्ष पूर्वी गुड्डू सिंह , दिनेश राय , सुनील रजक ,सहदेव भंडारी ,विनोद महतो ,विनोद राय , उत्तम रजवार ,गौतम पांडेय , अभिराम मुर्मू,सरिता देवी,कुसुम देवी,सुबल दास, नेपाल सिंह,बलराम राय, सुकुमानी देवी ,जीतन दास ,आदि हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने किया बीओआई एक्सटेंशन ब्रांच का उद्घाटन

संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को बैंक ऑफ इंडिया, मिश्रित भवन एक्सटेंशन ब्रांच का उद्घाटन कलेक्ट्रेट के प्रथम तल पर किया।इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया, एफ.जी.एम.ओ., रांची के महाप्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि एक्सटेंशन ब्रांच में अन्य शाखाओं की तरह नया अकाउंट, लोन, एटीएम, कैश डिपोजिट सहित सभी तरह की बैंकिंग सेवा ग्राहकों को प्रदान की जाएगी। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक धनबाद अंचल विकास रंजन पटनायक, उप - आंचलिक प्रबंधक दिनेश अमित कुमार, कंबाइंड बिल्डिंग शाखा के वरीय शाखा प्रबंधक राजेश कुमार कुशवाहा, आंचलिक विपणन प्रभारी कवलप्रित सिंह, एक्सटेंशन ब्रांच के प्रबंधक शशि शेखर कुमार, विपणन प्रबंधक प्रशांत कुमार, राहुल प्रसाद के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

सुभाषितम्

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।

- सुभाष चंद्र बोस

सेना की शौर्य गाथा कारगिल विजय

भारतीय सेना की गौरवमयी विजय को दर्शाता 26 जुलाई का इतिहास दुनिया में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करवा चुका है। भारत के इतिहास में वीरता का नया अध्याय जोड़ता सन् 1999 का यह दिन दुनिया की लिए मिशाल पेश करता है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन इसका अंत हुआ और इस युद्ध में भारत विजय हुआ। कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता।

सन् 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद भी कई दिनों तक सैन्य संघर्ष होता रहा। इतिहास बताता है कि दोनों देशों द्वारा परमाणु परीक्षण के कारण तनाव और बढ़ गया था। स्थिति को शांत करने के लिए दोनों देशों ने फरवरी 1999 में लाहौर में घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। जिसमें कश्मीर मुद्दे को द्विपक्षीय वार्ता द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से हल करने का वादा किया गया था अपितु पाकिस्तान अपने सैनिकों और अर्ध-सैनिक बलों को छिपाकर नियंत्रण रेखा के पार भेजने लगा और इस घुसपैठ का नाम ऑपरेशन बद्र रखा था। इसका मुख्य उद्देश्य कश्मीर और लद्दाख के बीच की कड़ी को तोड़ना और भारतीय सेना को सियाचिन ग्लेशियर से हटाना था। पाकिस्तान यह भी मानता है कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के तनाव उत्पन्न होने से कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने में मदद मिलेगी।

पहले तो इसे घुसपैठ मान लिया गया था और दावा किया गया कि इन्हें कुछ ही दिनों में बाहर कर दिया जाएगा लेकिन नियंत्रण रेखा में जाँच परख के बाद इन घुसपैठियों के नियोजित रणनीति के बारे मे पता चला जिससे भारतीय सेना को एहसास हो गया कि हमले की योजना बहुत बड़े पैमाने पर की गयी है। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 2,00,000 सैनिकों को कारगिल क्षेत्र मे भेजा। जिन्होंने देश और दुनिया को अपने शौर्य का परिचय दिया।

हालाँकि यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। परंतु भारत के सैनिकों ने बहुत पहले अपनी वीरता से दुश्मन के होश उड़ाने में कामयाबी हासिल कर ली थी। इस युद्ध के दौरान 527 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए, देश के असंख्य युवाओं को भारतीय सेना का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

वक्त के साथ जिंदगी आगे बढ़ चुकी है, लेकिन हवा में लहराता तिरंगा आज भी कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के वीरगाथाओं को सुना रहा है, जो भारत के जांबाजों ने अपने लहू से लिखी थी। बर्फ से ढ़की ये दुर्गम पहाड़ी कभी दुश्मनों के कब्जे में थी, लेकिन भारतीय सेना के जांबाजों ने भारत माता के आंचल पर आंच नहीं आने दिया और बहादुरी का परचम लहराया।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

वृष : अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

कर्क : समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

कन्या : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी।

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है।

धनु : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ? के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न होंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है, मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

आरएसएस पर आए न्यायालयीन दिशा-निर्देश सरकारों के लिए सबक

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

केंद्र की भाजपा नीत एनडीए की मोदी सरकार ने अपने एक आदेश के माध्यम से शासकीय सेवा में कार्यरत कर्मचारियों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटाने का जो काम किया है, अब न्यायालय ने भी उसके इस कार्य पर अपनी मुहर लगा दी है। न्यायालय ने कोर्ट में प्रस्तुत सभी तथ्यों के आधार पर माना है कि यह रा.स्व. संघ पर लगाया गया बैन तत्कालीन सरकार ने बिना किसी उचित कारण के लगाया था। किंतु इसके साथ ही न्यायालय की ओर से जो टिप्पणियां की गई हैं, वे आज बहुत महत्व रखती हैं । ये सभी टिप्पणियां हर उस सरकार के लिए महत्व रखती हैं जोकि इस तरह से असंवैधानिक नियम और बिना किसी जांच के सिर्फ अपनी जिद या अहंकार की पूर्ति करते हुए समय-समय पर देखी जाती रही हैं। आगे इस तरह की जिद की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए यह निर्णय बहुत महत्वपूर्ण हो गया है।

वस्तुतः मप्र उच्च न्यायालय में यह याचिका केंद्र सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारी पुरुषोत्तम गुप्ता ने वर्ष 2023 में दायर की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा की जाने वाली सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों से प्रभावित होकर एक सक्रिय सदस्य के रूप में संघ में शामिल होना चाहते हैं, किंतु वे ऐसा इसलिए नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि आरएसएस को प्रतिबंधात्मक संगठन की सूची में डालकर रखा गया है। जबकि संघ गैर राजनीतिक संगठन है और हर भारतवासी को अन्य संगठनों की तरह इसकी गतिविधियों में शामिल होने का अधिकार है। संगठन अपने जीवन काल से ही देश सेवा के कार्य में जुटा हुआ है। जिसके बाद न्यायालय ने केंद्र सरकार से इस संबंध में पूछा और उसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रतिबंधात्मक सूची से बाहर कर दिया गया। किंतु क्या यह मामला एक खबर में सिमट जाना चाहिए?

वास्तव में न्यायालय का संघ पर आया यह निर्णय एक समाचार से कहीं ज्यादा है, जिसकी गहराई को प्रत्येक भारतवासी को समझने की आवश्यकता है। न्यायाधीश सुश्रुत धर्माधिकारी एवं गजेन्द्र सिंह द्वारा 1966 में केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रवेश लेने पर लगाए गए प्रतिबन्ध के आदेश को निरस्त करते हुए साफ कहा है कि आरएसएस जैसी गैर सरकारी संस्थाओं पर पड़ने वाले इसके व्यापक प्रभाव को देखते हुए न्यायालय को यह उचित लगता है कि इस विषय पर अपनी टिप्पणियां दी जाएं। ये टिप्पणियां इसलिए भी आवश्यक हो जाती हैं जिससे कि आने वाले समय में कोई सरकार अपनी सनक और मौज के चलते राष्ट्रीय हितों में कार्यरत किसी स्वयंसेवी संस्था को सूली पर न चढ़ा दे, जैसा कि गत पांच दशकों से आरएसएस के साथ होता आया है। केंद्र सरकार द्वारा 1966, 1970 और 1980 के आदेशों के माध्यम से केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर आरएसएस ने प्रवेश को यह बताते हुए प्रतिबंधित कर दिया था कि आरएसएस एक धर्मनिरपेक्षता विरोधी और सांप्रदायिक संगठन है।

अब प्रश्न यह उठता है कि आरएसएस को किस सर्वेक्षण या अध्ययन के आधार पर सांप्रदायिक और धर्मनिरपेक्षता विरोधी घोषित किया गया था? किस आधार पर सरकार इस नतीजे पर पहुंची थी कि सरकार के किसी कर्मचारी के, सेवानिवृत्ति के पश्चात भी, संघ परिवार की किसी गतिविधि में भाग लेने से समाज में सांप्रदायिकता का संदेश जाएगा? न्यायालय को, बारंबार पूछे जाने के बावजूद, इन प्रश्नों के कोई उत्तर प्राप्त नहीं हो सके। ऐसी दशा में न्यायालय यह मानने के लिए बाध्य है कि ऐसा कोई सर्वेक्षण, अध्ययन, सामग्री या विवरण है ही नहीं जिसके आधार पर केंद्र सरकार यह दावा कर सके कि उसके कर्मचारियों के आरएसएस जो कि एक अराजनीतिक संगठन है कि गतिविधियों से जुड़ने पर प्रतिबंध आवश्यक है। जिससे कि देश का धर्मनिरपेक्ष तानाबाना और सांप्रदायिक सौहार्द अक्षुण्ण बना रहे। इस मामले की सुनवाई के दौरान अलग-अलग तारीखों पर हमने पांच बार यह पूछा कि किस आधार पर केंद्र के लाखों कर्मचारियों को पांच दशकों तक अपनी स्वतंत्रता से वंचित रखा गया था? इसके साथ ही यहां कोर्ट ने यह भी माना है कि यदि याचिकाकर्ता द्वारा यह याचिका प्रस्तुत नहीं की जाती, तो ये प्रतिबंध आगे भी जारी रहते जो कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) का खुला अपमान होता। वस्?तुतः उपरोक्त आधारों पर न्यायालय के सामने तीन प्रश्न खड़े होते हैं। एक-क्या केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर आरएसएस में प्रवेश पर प्रतिबंध किसी ठोस आधार पर लगाया गया था या सिर्फ एक संगठन, जो कि तत्कालीन सरकार की विचारधारा से सहमत नहीं था को कुचलने के लगाया गया था? दो-क्या आरएसएस को इस प्रतिबंधित संगठनों की सूची में बनाए रखने के लिए समय-समय पर कोई समीक्षा की गई थी? यह एक प्रतिष्ठित कानूनी परम्परा है कि कोई भी प्रतिबन्ध अनन्त काल तक जारी नहीं रह सकता और यह कि समय-समय पर ऐसे प्रतिबंध की, बदलते समय और संविधान की व्याख्याओं के तहत सतत विस्तृत हो रही स्वतंत्रता के आधार पर समीक्षा होनी चाहिए। तीन-यदि उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर सहमति में हैं तो यह प्रश्न भी खड़ा होता है कि केंद्र सरकार द्वारा अचानक किस आधार पर आरएसएस को प्रतिबंध की सूची से हटा लिया है? यहां न्यायालय कहता है कि यदि आरएसएस का नाम प्रतिबंधित सूची से सोच समझ कर हटाया जा रहा है तो न्यायालय यह अपेक्षा रखता है कि यदि भविष्य में कभी पुनः आरएसएस एवं उसके अनुषांगिक संगठनों को प्रतिबंधित सूची में जोड़ने का प्रस्ताव लाया गया तो उसके पीछे गहन अध्ययन, ठोस सामग्री, मजबूत आंकड़े, उच्चतम अधिकारियों के स्तर पर गंभीर चिंतन तथा बाध्यकारी सबूतों का आधार होना चाहिए। अन्यथा ऐसा प्रतिबंध भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 19 का अपमान ही कहलायेगा। तथा ऐसा प्रतिबंध निश्चित ही संवैधानिक चुनौती के लिए खुला रहेगा। सरकार द्वारा आरएसएस को धर्म निरपेक्षता विरोधी, सांप्रदायिक और राष्ट्र हित विरोधी बताते हुए लगाया गया प्रतिबंध न सिर्फ संघ के लिए हानिकारक है, परन्तु प्रत्येक उस व्यक्ति के लिए भी हानिकारक है जो संघ से जुड़ कर राष्ट्र और समाज की सेवा करना चाहता है।

वास्तव में मौलिक स्वतंत्रता पर रोक लगाने वाला आदेश सदैव ही ठोस सबूतों और न्यायोचित आंकडों पर आधारित होना चाहिए। इसके साथ ही यहां अपने निर्णय में न्यायालय इसे भी दुखद माना है कि केंद्र सरकार को इस त्रुटि को दुरुस्त करने में पांच दशक लग गए। साथ ही यह कि रा.स्व.संघ. जैसा विश्व प्रसिद्ध संगठन बेवजह प्रतिबंधित सूची में दर्ज रहा और उसे उस सूची से बाहर निकलना अवश्यंभावी हो गया था । इंदौर न्यायालय को यहां गृह मंत्रालय को आदेश देते हुए भी देखा गया जिसमें उसने साफ शब्दों में बता दिया है कि आरएसएस को प्रतिबंधित सूची से बाहर निकलने वाले परिपत्र को अपनी अधिकृत वेबसाइट के होम पेज पर प्रकाशित किया जाना चाहिए ताकि आम जनता को इस बारे में जानकारी मिल सके। कुल मिलाकर यह जो निर्णय आया है, उसने फिर एक बार स्पष्ट कर दिया है कि भले ही न्याय पाने और सत्य के मार्ग पर चलते हुए सफल होने में समय लगे, किंतु यदि आप इपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार हैं, सही रास्ते पर हैं तो यह तय मानिए, देर से ही सही जो भी निर्णय आएगा, वह आपके ही पक्ष में आएगा। रा.स्व.संघ. जैसे अनुशासित, बिना किसी मत, पंथ और मजहब को देखे सभी की एक समान मदद देनेवाला गैर राजनीतिक संगठन है। कहना होगा कि देशभक्त संगठन पर इस तरह का अत्याचार करना संविधान की मूल अवधारणा एवं मौलिक अधिकारों का भी हनन है।

आज से 58 साल पहले 1966 में असंवैधानिक आदेश जारी करते हुए सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया गया था, जिसका कि कोई भी पुख्ता आधार कभी नहीं रहा। ऐसे में अब अच्छा है कि वर्तमान मोदी सरकार ने इस प्रतिबंध को पूरी तरह समाप्त कर दिया। क्योंकि जो आधार लेकर यह प्रतिबंध इंदिरा सरकार ने लगाया था, वह आधार ही अनुचित है। वस्ततः इतिहास में इस बात का जिक्र है कि सात नवंबर, 1966 के दिन भारतीय संसद के बाहर हुए गोहत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान इस आन्दोलन को कुचल देने के लिए इंदिरा गांधी इतनी आतुर दिखी थीं कि वह किसी भी हद तक जाने को तैयार थीं और ऐसा हुआ भी। दूसरी ओर इस पूरी घटना में देश भक्त स्वयंसेवकों को गो हत्या का पुरजोर विरोध करते हुए देखा गया था। इंदिरा सरकार ने इस मामले में पूरी तरह अपने पॉवर का गलत इस्तेमाल किया। विरोध प्रदर्शन में पुलिस ने निर्दोष लोगों पर गोलीबारी की थी, जिसमें कई लोग मारे भी गए। आन्दोलन सख्ती से कुचल दिया गया था। आगे अपनी व्यक्तिगत खुन्नस निकालने के लिए तत्कालीन सरकार ने शासकीय सेवारत स्वयंसेवकों पर शाखा लगाने एवं उसमें शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे कि अब जाकर स्वयंसेवक शासकीय कर्मचारियों को एक साथ देश भर में मुक्ति मिल सकी है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देती हैं पाठ्य पुस्तकें

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) देशभर में शिक्षा को मानकीकृत करने वाली पाठ्यपुस्तकों को विकसित और वितरित करके देश की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है। कई विषयों में सामाजिक और सांस्कृतिक कारक शामिल होते हैं और एक वैध पाठ्यक्रम में उन्हें यथासंभव ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाता है (हालांकि ऐसे विषयों में पूर्वाग्रह को बाहर करना कठिन है)।

मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है। पूर्वाग्रह से बचने की कठिनाई भी उन विषयों में स्पष्ट है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें विविधता में एकता पर जोर देती हैं। विद्यार्थियों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के त्योहारों पर पाठ्य-पुस्तकों के अध्याय सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं। पाठ्यपुस्तकों में ऐसी कहानियां और पाठ शामिल किए जाते हैं जो ईमानदारी, करुणा और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं । उदाहरण के लिए 'ईमानदार लकड़हारा' जैसी कहानियां विद्यार्थियों को ईमानदारी और निष्ठा का महत्व सिखाती हैं।

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें पुरुषों और महिलाओं को विभिन्न भूमिकाओं में चित्रित करके और समान अवसरों के महत्व पर जोर देकर लैंगिक समानता को बढ़ावा देती हैं । उदाहरण के लिए महिला स्वतंत्रता सेनानियों और वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डालने वाले अध्याय लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करते हैं। पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने से छात्रों में प्रकृति और संधारणीयता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रदूषण के प्रभाव पर पाठ पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाते हैं।

पाठ्यपुस्तकें आलोचनात्मक सोच और वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे समस्या-समाधान के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए विज्ञान के अध्याय जिनमें प्रयोग और अवलोकन शामिल हैं, छात्रों को अपने आस-पास की दुनिया पर सवाल उठाने और उसका पता लगाने की शिक्षा देते हैं। मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम शिक्षा के लिए एक संतुलित, समग्र दृष्टिकोण है जो राष्ट्रीय और व्यक्तिगत विद्यालय-केंद्रित पाठ्यक्रम के इर्द-गिर्द घूमता है ताकि एक ऐसा वातावरण बनाया जा सके जो समाज-समर्थक और पर्यावरण-समर्थक मानवीय मूल्यों के स्पष्ट शिक्षण और मॉडलिंग द्वारा आकार दिया गया हो। विद्यार्थइयों के लिए मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धियों में आत्म-मूल्य की सकारात्मक भावना विकसित करना, नैतिक और संबंधपरक क्षमताओं में सुधार और प्राकृतिक दुनिया के साथ अधिक जुड़ाव शामिल है।

देश में विद्यार्थियों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के योगदान के साथ-साथ कुछ विकृत्यं भी है, जिन पर ध्यान देना समय की जरूरत है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इतिहास का विकृत संस्करण प्रस्तुत करने के लिए की जाती रही है। पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इस बात के लिए की गई है कि वे दलितों, आदिवासियों और महिलाओं जैसे हाशिए पर स्थित समुदायों के अनुभवों और योगदानों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उदाहरण के लिए इन समुदायों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और उनके योगदानों को अकसर कम दशार्या जाता है, जिससे शिक्षा में समावेशिता की कमी होती है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पर लिंग, जाति और क्षेत्रीय रूढ़िवादिता को मजबूत करने का आरोप लगाया गया है, जो छात्रों के बीच पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए महिलाओं को मुख्य रूप से घरेलू भूमिकाओं में दिखाना या कुछ क्षेत्रों को पिछड़ा दिखाना रूढ़िवादिता को मजबूत कर सकता है।

पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पुरानी मानी जाती है और वर्तमान सामाजिक मूल्यों एवं चुनौतियों को प्रतिबिंबित नहीं करती है, जिससे यह आज के बच्चों के लिए कम प्रासंगिक हो जाती है। उदाहरण के लिए आधुनिक तकनीकी प्रगति, समकालीन सामाजिक मुद्दे और हाल की ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित विषय अकसर गायब होते हैं या अपर्याप्त रूप से कवर किए जाते हैं। कुछ पाठ्यपुस्तकों द्वारा प्रचारित रटने की पद्धति आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को हतोत्साहित करती है, तथा समझने की तुलना में याद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। उदाहरण के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की तुलना में तथ्यात्मक याद पर जोर देने वाले अध्याय विषयों की सतही समझ को जन्म दे सकते हैं और आलोचनात्मक सोच के विकास में बाधा डाल सकते हैं।

ऐतिहासिक रूप से और कुछ मौजूदा परिवेशों में पाठ्यक्रम ऐसे व्यक्तियों द्वारा विकसित किया जाता है जो विशिष्ट सिद्धांतों, जैसे कि धर्म, से जुड़े होते हैं और वह पाठ्यक्रम अपने पाठ्यक्रम को मान्य करने के लिए संस्कृति और समाज की एक पक्षपाती अवधारणा का उपयोग करता है। यही मूल कारण है कि गैर-धार्मिक लोग धार्मिक स्कूलों के लिए सार्वजनिक समर्थन के खिलाफ लड़ते हैं। हालांकि, शिक्षा में वर्तमान क्रांति अब जहां पक्षपाती सांस्कृतिक सिद्धांतों (सांस्कृतिक, ऐतिहासिक मुद्दों के दोनों पक्षों पर) को 'सही' पाठ्यक्रम के रूप में कानूनी रूप से लागू किया जा रहा है, किशोर और युवाओं की भविष्य की बौद्धिक क्षमताओं को समझना मुश्किल बना रहा है जो हमारी वयस्क आबादी बनेंगे। जैसे-जैसे देश आगे बढ़ रहा है, समकालीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करने और विद्यार्थियों के बीच अधिक समग्र समझ को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक सामग्री को लगातार संशोधित और अद्यतन करना महत्वपूर्ण है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'प्रभात' का कभी 'सूर्यास्त' नहीं हो सकता

लोकेन्द्र पाराशर

मनुष्य जब अस्तित्व में आता है, तो उसकी प्रारंभिक पहचान उसकी देह से होती है। सामान्य व्यक्ति इसी देह के साथ ही एक दिन समाप्त भी हो जाता है, लेकिन समाज में कुछ ऐसे लोग भी जन्म लेते हैं, जिन्हें उनकी देह से नहीं, दैदीव्यता से पहचाना जाता है। ऐसे ही मनुष्य को असाधारण, विलक्षण, प्रखर, प्रतापी, विचारवान, दयावान, निर्णायक, परिश्रमी जैसे शब्दों से अलंकृत किया जाता है।

प्रभात झा के जीवन काल को हम देखें तो ध्यान में आता है कि उन्होंने सब बातों की चिंता करते हुए यदि किसी एक चीज की चिंता नहीं की तो वह उनकी देह ही थी। देह से पूर्णतः विरक्त रहकर रक्त-रक्त को परिश्रम की पराकाष्ठा में लगा देना ही प्रभात जी की पहचान थी। बिहार से चलकर मुंबई और ग्वालियर आगमन की यात्रा को जिन लोगों ने देखा, उन्होंने प्रभात जी को एक अभाव में पलने वाले 'प्रभाव' के रूप में ही देखा।

मेरा उनसे परिचय 1984 में उस समय हुआ, जब अटल जी ग्वालियर से माधवराव सिंधिया के विरुद्ध चुनाव मैदान में थे। एक सभा के मंच के समीप ही उन्होंने मुझे पूछा 'मुझे जानते हो?' मैंने कहा नहीं तो...। वे मुझे पास की दुकान में मौसम्?बी रस पिलाने ले गए, वहीं पूरा परिचय दिया। मैं भौंचक्का था, कारण का उल्लेख करना समचीनी नहीं है, बस इतना समझ लीजिए कि मैं उनके नाम को लेकर दुराग्रही था। लेकिन उस पहले परिचय के बाद उन्होंने जिस आत्मीयता के साथ मुझे भाजपा के संभागीय कार्यालय मुखर्जी भवन में आवास उपलब्ध कराने से लेकर पढ़ाई-लिखाई तक की चिंता की, उसने तो मुझे अंदर तक ग्लानि से भर दिया। 'मैं क्या सोचता था और वो क्या निकले।' समय बीतता गया और बताता गया कि प्रभात जी यानी परिश्रम, प्रभात जी यानी पकड़, प्रभात जी यानी स्मरण शक्ति, प्रभात जी यानी वैचारिक स्पष्टता, प्रभात जी यानी प्रखरता और प्रभात जी यानी अपार संभावना का रास्ता। हुआ भी यही। प्रभात जी के साथ 'स्वदेश' में कार्य करने का कुछ वर्ष अनुभव रहा। सारा आभा मण्डल प्रभात जी के इर्दगिर्द ही डोलता था। एक समय था जब स्वदेश यानी प्रभात जी थे और प्रभात जी यानी स्वदेश था। रामजन्म भूमि आन्दोलन में मैंने उनकी पत्रकारिता और प्रतिबद्धता को बहुत गहरे से देखा। ग्वालियर का ऐसा कोई गली मोहल्ला नहीं था, जिसके किसी न किसी परिवार से प्रभात जी का टिफिन न आता हो। लोग पूछते थे प्रभात जी का परिवार नहीं है क्या? दरअसल उनका परिवार भी था। भाभी को वर्षों तक समझ ही नहीं आया कि पति मिला है या संन्यासी। खैर! जीवछ और बऊआ नामक बेटों के आने के बाद भी कभी किसी ने यह नहीं देखा कि प्रभात जी पण्डित जी (वे भाभी को पण्डित जी ही कहते थे) के साथ बाजार गए हैं या बेटों को किसी उद्यान की सैर करा रहे हैं। कुल मिलाकर परिवार की जिम्मेदारी से लगभग विरक्त रहकर उन्होंने अपनी यात्रा को समष्टि के लिए इस कदर आगे बढ़ाया कि विचार ने उन्हें भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश का पहला मीडिया प्रभारी बनाया। बाद में वे राष्ट्रीय पदाधिकारी, सांसद और प्रदेश अध्यक्ष भी बने। वे जहां रहे, वहां अपने कृतित्व की सुगंध छोड़ते चले गए। आज भी स्वदेश की बात आए तो प्रभात जी की बात होती है। भाजपा कार्यालय में आज भी उनके उल्लेख के बिना राजनैतिक कौशल पर चर्चा पूरी नहीं हो पाती है। मैं सात वर्षों से अधिक भाजपा का प्रदेश मीडिया प्रभारी रहा, लेकिन मैंने यह अनुभव किया कि इस विभाग पर आज भी सिर्फ प्रभात जी की ही छाप है। यह देखकर मुझे सदैव आनंद ही रहा, क्योंकि वे मेरे पत्रकारिता काल के योग्य अग्रज रहे थे।

प्रभात जी हमारे बीच देह से भले नहीं हैं, लेकिन उनके प्राण तत्व की प्रतिष्ठा ऐसी है कि वह पग-पग पर परामर्श देती रहेगी। उनके व्यक्तित्व के पीछे केवल और केवल उनकी वैचारिक स्पष्टता और उस पर चलने की बेजोड़ कर्मठता थी। शब्दों की मर्यादाएं ऐसी हैं कि वह प्रभात जी के कृतित्व को समेट ही नहीं सकती। आज हमने अपना नक्षत्र खोया तो है, लेकिन केवल शरीर से खोया है, उनका शरीर निर्संदेह अधिक परिश्रम की भेंट चढ़ा है। वरना इतनी जल्दी जाते ही नहीं। प्रभात जी हमें जो देकर गए हैं वह प्रेरणा अविनाशी है। उन्होने जो दिया है, उसके लिए असंख्य कार्यकर्ता अनंत काल तक कृतज्ञ रहेंगे। क्योंकि 'प्रभात' का कभी 'सूर्यास्त' नहीं हो सकता।

(लेखक, भाजपा मप्र के प्रदेश मंत्री हैं।)

सूडोकू नवताल- 7139

★★★★☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7138 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 27 जुलाई 2024

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

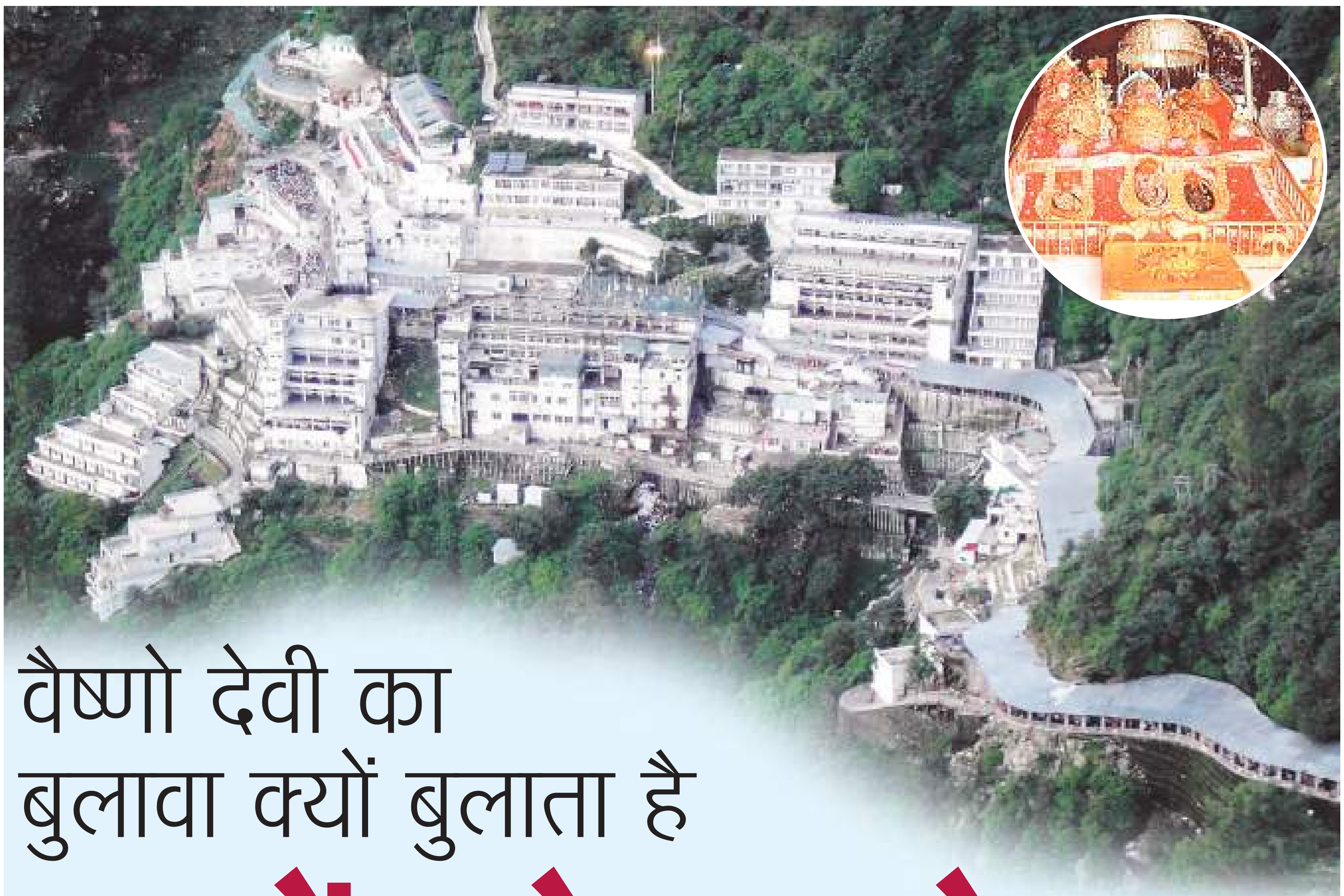

वैष्णो देवी का बुलावा क्यों बुलाता है भक्तों को अपने द्वार

पवित्र भारत भूमि का कण-कण देवी-देवताओं के चरणरज से पवित्र है इसलिए भारत में हर जगह तीर्थ है, परन्तु कुछ तीर्थ ऐसे हैं जो भारत ही नहीं पूरे विश्व की धर्म प्राण जनता को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इन तीर्थों के दर्शन हर वर्ष लाखों स्त्री-पुरुष करते हैं और अपना जीवन सफल बनाते हुए अपनी मनोकामनाओं का मनोवांछित फल पाते हैं। इनमें से ही एक तीर्थ है जम्मू के पास स्थित माता वैष्णो देवी का दरबार। यहां महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली तीन भव्य पिण्डियों के रूप में विराजमान हैं।

चाहे गर्मी हो, सर्दी हो या चाहे बरसात हो। माता वैष्णो देवी के दरबार में चैबीसों घण्टे, 365 दिन हर समय ही भक्तों का मेला लगा रहता है और खासकर नवरात्रों के समय तो भक्तों की भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि इस दौरान मां के दर्शन करने के लिए भक्तों को तीन से चार दिन तक का इंतजार भी करना पड़ता है। यहां आस्था से लबरेज धर्मप्राण जनता ही नहीं, बल्कि सभी आयु वर्गों के लोग बच्चे, बूढ़े, जवान, नवविवाहित युगल, माता के दरबार में दर्शन करने आते हैं। आखिर ऐसा क्या आकर्षण है मां के इस मंदिर में? सम्पूर्ण भारत में मां के मंदिर तो और भी कई जगह हैं पर मां के इस मंदिर में इतनी रंगत क्यों? इसका कारण है इस मंदिर की भौगोलिक स्थिति का भारतीय वास्तुशास्त्र एवं चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई के सिद्धान्त के अनुरूप होना।

भारतीय वास्तुशास्त्र के अनुसार पूर्व दिशा में ऊंचाई होना और पश्चिम दिशा में ढलान व पानी का स्रोत होना अच्छा नहीं माना जाता परन्तु देखने में आया है कि ज्यादातर वो स्थान जो धार्मिक कारणों से प्रसिद्ध हैं, चाहे वह किसी भी धर्म से सम्बन्धित हों, उन स्थानों की भौगोलिक स्थिति में काफी समानताएं देखने को मिलती हैं। ऐसे स्थानों पर पूर्व की तुलना में पश्चिम में ढलान होती है और दक्षिण दिशा हमेशा उत्तर दिशा की तुलना में ऊंची रहती है। उदाहरण के लिए ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर उज्जैन, पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर इत्यादि। वह घर जहां पश्चिम दिशा में भूमिगत पानी का स्रोत जैसे भूमिगत पानी की टंकी, कुंआ, बोरवेल, इत्यादि होता है, उस भवन में निवास करने वालों में धार्मिकता दूसरो की तुलना में ज्यादा ही होती है।

वास्तु के सिदधांत-

1 त्रिकुट पर्वत पर स्थित मां का भवन (मंदिर) पश्चिम मुखी है जो समुद्रतल से लगभग 4800 फीट ऊंचाई पर है। मां के भवन के पीछे पूर्व दिशा में पर्वत काफी ऊंचाई लिए हुए है और भवन के ठीक सामने पश्चिम दिशा में पर्वत काफी गहराई लिए हुए है जहां त्रिकुट पर्वत का जल निरन्तर बहता रहता है।

2 भवन की उत्तर दिशा ठीक अंतिम छोर पर पर्वत में एकदम उतार होने के कारण काफी गहराई है। यह उत्तर दिशा में विस्तृत गहराई पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती गई है।

3 भवन की दक्षिण दिशा में पर्वत काफी ऊंचाई लिए हुए है जहां दरबार से ढ़ाई किलोमीटर दूर भैरव जी का मंदिर है। समुद्रतल से इसकी ऊंचाई 6583 फीट है और यह ऊंचाई लगभग पश्चिम नैऋत्य तक है जहां पर हाथी मत्था है।

4 गुफा का पुराना प्रवेश द्वार जो कि काफी संकरा (तंग) है। लगभग दो गज तक लेटकर या काफी झुककर आगे बढ़ना पड़ता है, तत्पश्चात लगभग बीस गज लम्बी गुफा है। गुफा के अन्दर टखनों की ऊंचाई तक शुध्द जल प्रवाहित होता है। जिसे चरण गंगा कहते हैं। वास्तु का सिद्धान्त है कि जहां पूर्व में ऊंचाई हो और पश्चिम में निरन्तर जल हो या जल का प्रवाह हो वह स्थान धार्मिक रूप से ज्यादा प्रसिद्धि पाता है।

5 आज से लगभग 26-27 वर्ष पूर्व प्रवेश द्वार संकरा होने के कारण दर्शनार्थियों को आने-जाने में काफी समय लगता था और अन्य यात्रियों को बहुत देर तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, जिस कारण सीमित संख्या में लोग दर्शन कर पाते थे। तब भवन की उत्तर ईशान कोण वाले भाग में सन् 1977 में दो नई गुफाएं बनाई गई। इनमें से एक गुफा में से लोग दर्शन करने अन्दर आते हैं और दूसरी गुफा से बाहर निकल जाते हैं।

इन दोनों गुफाओं के फर्श का ढाल भी उत्तर दिशा की ओर ही है। यह दोनों ही गुफाएं भवन में ऐसे स्थान पर बनी जिस कारण इस स्थान की वास्तुनुकूलता बहुत बढ़ गई है। फलस्वरूप इस मंदिर की प्रसिद्धि में चार चांद लगे हैं, इन गुफाओं के बनने के बाद इस स्थान पर दर्शन करने वालों की संख्या पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई है और वैभव भी बहुत बढ़ गया है।

फेंगशुई के सिद्धान्त-

फेंगशुई का सिद्धान्त है कि किसी भी भवन के पीछे की ओर ऊंचाई हो, मध्य में भवन हो तथा आगे की ओर नीचा होकर वहां जल हो, वह भवन प्रसिद्धि पाता है और सदियों तक बना रहता है। इस सिद्धान्त में किसी दिशा विशेष का महत्व नहीं होता है।

मां वैष्णो देवी भवन के पूर्व में त्रिकुट पर्वत की ऊंचाई है। मंदिर के अन्दर मां की पिण्ड़ी के आगे पश्चिम दिशा में चरण गंगा है जहां हमेशा जल प्रवाहित होता रहता है। भवन के बाहर सामने पश्चिम दिशा में पर्वत में काफी ढलान है जहां पर पर्वत का पानी निरन्तर बहता रहता है।

इस प्रकार माता वैष्णोदेवी का दरबार वास्तु एवं फेंगशुई दोनों के सिद्धान्तों के अनुकुल होने से माता का यह दरबार विश्व में प्रसिद्ध है। इन्हीं विशेषताओं के कारण ही यहां भक्तों का तांता लगा रहता है, खूब चढ़ावा आता है और भक्तों की मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं।

विश्व की प्राचीन सभ्यताएं और हिन्दू धर्म

भारतीय संस्कृति व सभ्यता विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। मध्यप्रदेश के भीमबेटका में पाए गए 25 हजार वर्ष पुराने शैलचित्र, नर्मदा घाटी में की गई खुदाई तथा मेहरगढ़ के अलावा कुछ अन्य नृवंशीय एवं पुरातत्वीय प्रमाणों से यह सिद्ध हो चुका है कि भारत की भूमि आदिमानव की प्राचीनतम कर्मभूमि रही है। यहीं से मानव ने अन्य जगहों पर बसाहट करने व वैदिक धर्म की नींव रखी थी।

आज से 3,500 वर्ष पूर्व जो सभ्यताएं जीवित थीं उनको पाश्चात्य इतिहासकारों ने प्राचीन सभ्यताएं मानकर ही मानव इतिहास और समाज का विश्लेषण किया, लेकिन उनका यह विश्लेषण एकदम गलत और ईसाई धर्म को स्थापित करने वाला था। इसके लिए उन्होंने ऐसे कई तथ्य नकारे, जो प्राचीन भारत और चीन के इतिहास को महान बताते हैं और ईसा बाद के समाज से कहीं ज्यादा उन्हें सभ्य सिद्ध करते हैं।

प्राचीन सभ्यताओं पर अब कुछ ज्यादा ही शोध होने लगे हैं और उनसे नई-नई बातें निकलकर आ रही हैं, मसलन कि उनका एलियन से संबंध था और वे भी बिजली उत्पादन की तकनीक जानते थे। धरती पर फैली प्राचीन सभ्यताओं के बात करें तो धरती के पश्चिमी छोर पर रोम, ग्रीस और मिस्र देश की सभ्यताओं के नाम लिए जाते हैं तो पूर्वी छोर पर चीन का नाम लिया जाता है। मध्य में स्थित भारत की चर्चाभर करके उसे छोड़ दिया जाता है। क्यों? क्योंकि भारत को जानने से उनके समाज और धर्म के सारे मापदंड गिरने लगते हैं, तो वे नहीं चाहते हैं कि भारत और

उसके धर्म का सच लोगों के सामने आए। लेकिन सच कब तक छिपा रहेगा?

दुनियाभर की प्राचीन सभ्यताओं से हिन्दू धर्म का क्या कनेक्शन था? या कि संपूर्ण धरती पर हिन्दू वैदिक धर्म ने ही लोगों को सभ्य बनाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में धार्मिक विचारधारा की नए नए रूप में स्थापना की थी? आज दुनियाभर की धार्मिक संस्कृति और समाज में हिन्दू धर्म की झलक देखी जा सकती है चाहे वह यहूदी धर्म हो, पारसी धर्म हो या ईसाई-इस्लाम धर्म हो।

ईसा से 2300-2150 वर्ष पूर्व सुमेरिया, 2000-400 वर्ष पूर्व बेबिलोनिया, 2000-250 ईसा पूर्व ईरान, 2000-150 ईसा पूर्व मिस्र (इजिप्ट), 1450-500 ईसा पूर्व असीरिया, 1450-150 ईसा पूर्व ग्रीस (यूनान), 800-500 ईसा पूर्व रोम की सभ्यताएं विद्यमान थीं। उक्त सभी से पूर्व महाभारत का युद्ध लड़ा गया था इसका मतलब कि 3500 ईसा पूर्व भारत में एक पूर्ण विकसित सभ्यता थी।

ज्योतिष में गाय की महिमा

1. ज्योतिष में गोधूलि का समय विवाह के लिए सर्वोत्तम माना गया है।
2. यदि यात्रा के प्रारंभ में गाय सामने पड़ जाए अथवा अपने बछड़े को दूध पिलाती हुई सामने पड़ जाए तो यात्रा सफल होती है।
3. जिस घर में गाय होती है, उसमें वास्तुदोष स्वतः ही समाप्त हो जाता है।
4. जन्मपत्री में यदि शुक्र अपनी नीच राशि कन्या पर हो, शुक्र की दशा चल रही हो या शुक्र अशुभ भाव (6, 8, 12)- में स्थित हो तो प्रातःकाल के भोजन में से एक रोटी सफेद रंग की गाय को खिलाने से शुक्र का नीचत्व एवं शुक्र संबंधी कुदोष स्वतः समाप्त हो जाता है।
5. **पितृदोष से मुक्ति**- सूर्य, चंद्र, मंगल या शुक्र की युति राहु से हो तो पितृदोष होता है। यह भी मान्यता है कि सूर्य का संबंध पिता से एवं मंगल का संबंध रक्त से होने के कारण सूर्य यदि शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या दृष्टि संबंध हो तथा मंगल की यु?ति राहु या केतु से हो तो पितृदोष होता है। इस दोष से जीवन संघर्षमय बन जाता है। यदि पितृदोष हो तो गाय को प्रतिदिन या अमावस्या को रोटी, गुड़, चारा आदि खिलाने से पितृदोष समाप्त हो जाता है।
6. किसी की जन्मपत्री में सूर्य नीच राशि तुला पर हो या अशुभ स्थिति में हो अथवा केतु के द्वारा परेशानियां आ रही हों तो गाय में सूर्य-केतु नाड़ी में होने के फलस्वरूप गाय की पूजा करनी चाहिए, दोष समाप्त होंगे।
7. यदि रास्ते में जाते समय गोमाता आती हुई दिखाई दें तो उन्हें अपने दाहिने से जाने देना चाहिए, यात्रा सफल होगी।
8. यदि बुरे स्वप्न दिखाई दें तो मनुष्य गोमाता का नाम ले, बुरे स्वप्न दिखने बंद हो जाएंगे।
9. गाय के घी का एक नाम आयु भी है- आयुर्वै घृतम्। अतः गाय के दूध-घी से व्यक्ति दीर्घायु होता है। हस्तरेखा में आयुरेखा टूटी हुई हो तो गाय का घी काम में लें तथा गाय की पूजा करें।
10. देशी गाय की पीठ पर जो ककुद् (कूबड़) होता है, वह बृहस्पति है। अतः जन्म पत्रिका में यदि बृहस्पति अपनी नीच राशि मकर में हों या अशुभ स्थिति में हों तो देशी गाय के इस बृहस्पति भाग एवं शिवलिंगरूपी ककुद् के दर्शन करने चाहिए। गुड़ तथा चने की दाल रखकर गाय को रोटी भी दें।
11. गोमाता के नेत्रों में प्रकाश स्वरूप भगवान सूर्य तथा ज्योत्स्ना के अधिष्ठाता चन्द्रदेव का निवास होता है। जन्मपत्री में सूर्य-चन्द्र कमजोर हो तो गोनेत्र के दर्शन करें, लाभ होगा।

छह ऐसी जगहें जहां अपने पास कृष्ण को महसूस करेंगे

मथुरा वृंदावन में कई ऐसे स्थान हैं जिन्हें देखकर आपको यकीन हो जाएगा कि भगवान श्री कृष्ण ने यहां अवतार लिया था। यह स्थान भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला की गवाह भी हैं। भगवान श्री कृष्ण के मामा कंश का किला। यमुना तट पर बसा यह किला अब काफी टूट फूट गया है। लेकिन कभी इस किले से मथुरा पर अत्यचारी राजा कंश शासन किया करता था। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर। माना जाता है कि यह कृष्ण का बंदी गृह था। यहीं कंश ने कृष्ण के माता-पिता देवकी और वासुदेव जी को बंदी बनाकर रखा था। मंदिर के अंदर एक चबूतरा बना हुआ है। कहा जाता है कि यहीं कृष्ण ने अवतार लिया था यह नंदगांव के नंद राय जी का मंदिर है। कंश से कृष्ण की रक्षा के लिए वासुदेव जी नवजात श्री कृष्ण को लेकर यमुना पार नंद गांव लेकर आ गए। यहां वासुदेव जी के मित्र नंदराय और उनकी पत्नी यशोदा ने श्री कृष्ण का लालन-पालन किया। इस घटना को याद दिलाता है यह भव्य मंदिर।

गर्ग संहिता में उल्लेख आया है कि ब्रह्मा जी ने राधा संग भगवान श्री कृष्ण का विवाह करवाया था। जहां कृष्ण और राधा का विवाह हुआ था यही वह स्थान है। इस स्थान का नाम है भंडीरवन।

वृंदावन की गलियों में भगवान श्री कृष्ण राधा और अन्य सखियों के साथ प्रेम लीला किया करते थे। इस बात की गवाह है यमुना तट पर बसा यह निधिवन। यह वन आज भी एक रहस्य है। कहते हैं यही भगवान श्रीकृष्ण ने रास रचाया था। हर रात राधा संग गिरिधारी भगवान श्री कृष्ण पधारते हैं। हर सुबह मंदिर में रखा दातून गीला मिलता है। मंदिर में लगा बिस्तर ऐसा लगता है मानो रात में कोई सोया था। नंदगांव के लोगों को इन्द्र के प्रकोप से बचाने के लिए इसी पर्वत को भगवान श्री कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर उठाया था। इस पर्वती की परिक्रमा के दौरान आपको कई ऐसे स्थान दिखेंगे जो अपने आस-पास कृष्ण के होने का एहसास दिलाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

नालंदा के मुखिया पति की जघन्य हत्या

नवादा। नालंदा जिले के गिरियक थाने के सतउआ ग्राम पंचायत के मुखिया पति बलवीर यादव का अपहरण कर शुक्रवार सुबह नवादा जिले में हत्या कर दी गई। उनका शव वारसलीगंज थाने के टाटी मीर बीघा के ईंट चिमनी भट्ठे के पास से बरामद हुआ है । हत्या पिटाई कर तथा तेज हथियार से वार कर बेरहमी से की गई है। वारसलीगंज के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रूपेश कुमार सिन्हा ने बताया कि बालू माफियाओं ने नालंदा के गिरियक थाना क्षेत्र से बलवीर का अपहरण कर लिया था। हत्या कर वारसलीगंज क्षेत्र में लाश को फेंक दी गई है ।नवादा पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच तथा संपूर्ण मामले की जांच में नालंदा पुलिस को पूरी सहयोग कर रही है । उन्होंने कहा कि नालंदा पुलिस को लाश भी सुपुर्द कर दी गई है ।थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि बालू का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिसमें कुछ विवाद के कारण बालू माफियाओं ने बलवीर यादव का अपहरण कर हत्या कर दी। नवादा तथा नालंदा जिले में बालू माफियाओं की सक्रियता से पुलिस काफी परेशान है। यहां तक कहा जाए तो नवादा एसपी की निकम्मापन ने नवादा जिले को बालू माफियाओं के आगोश में झोंक दिया। एसपी को अपराध नियंत्रण से कोई मतलब नहीं है ।केवल नौकरी की घड़ियां गिनकर अपने आप को संपन्न बनाने में लगे हुए हैं।

विभिन्न मांगों को लेकर वाटर वर्क्स के दैनिक कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

भागलपुर। विभिन्न मांगों को लेकर वाटर वर्क्स कर्मचारियों ने यूनियन के बैनर तले नगर निगम परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। जिसमें काफी संख्या में दैनिक कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध जाहिर किया। मानदेय पुरी नहीं मिलने के कारण तमाम कर्मचारी काफी आक्रोशित थे। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार और निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने बताया कि वे लोग वाटर वर्क्स में पिछले 15 वर्षों से सेवा दे रहे हैं। लेकिन उचित मानदेय नहीं मिलने पाने के कारण वे लोग काफी समस्याओं से जूझ रहे हैं। कहा कि हाई कोर्ट के आदेश पर सातवें वेतन की मंजूरी दी गई थी। लेकिन फर्जी तरीके से उसे निरस्त करने के लिए साजिश की जा रही है। पैसे की कमी के कारण इस महंगाई में परिवार चलाना काफी चुनौती पूर्ण विषय है। प्रदर्शन कर रहे तमाम दैनिक कर्मचारियों ने मांग किया है कि उन्हें स्थाई किया जाए। साथ ही साथ सातवां वेतन जल्द से जल्द लागू की जाए। अगर यह मांगे पूरी नहीं हुई तो हमलोग निश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

अलीपुरद्वार में प्रशासन ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया

कोलकाता। अलीपुरद्वार में प्रशासन ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। अलीपुरद्वार जिला पुलिस लाइन के सामने सोनपुर स्टेट हाईवे पर लोक निर्माण विभाग की जमीन पर बने निर्माण को प्रशासन ने जेसीबी से तोड़ दिया। इस दिन 10 दुकानें और कुछ निर्माण ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। इस अभियान का नेतृत्व अलीपुरद्वार के उप-विभागीय शासक बिप्लब सरकार ने किया था।

अवैध निर्माण का विरोध करने पर प्रमोटर ने शिकायतकर्ता को पीटने की धमकी दी

कोलकाता। प्रदेश में फिर प्रमोटरों की दादागिरी एक स्थानीय प्रमोटर पर एक समूह को प्रदर्शनकारी के घर ले जाने और अवैध निर्माण का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। घटना उत्तरपाड़ा थाना क्षेत्र के कोननगर के क्रायपर रोड की है। आरोपी प्रमोटर और उसके एक साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया ।

राजकीय मेला घोषित होने के बाद बढ़ाई गई बाबा सुन्दरनाथ धाम की सुरक्षा

अररिया। बिहार सरकार की ओर से कुसार्कांटा स्थित बाबा सुंदरनाथ धाम मंदिर परिसर में सावन माह में लगने वाले श्रावणी मेला को राजकीय मेला का दर्जा दिए जाने के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है ।प्रशासनिक चहल-पहल तेज हो गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार की शाम जिला प्रशासन ने सुंदरनाथ धाम की सुरक्षा के लिये 15 और अधिक पुलिस बलों को प्रतिनियुक्त किया है। कुसार्कांटा के कुआड़ी थानाध्यक्ष रौशन कुमार सिंह ने बताया कि पहले से धाम पर पांच सशस्त्र बल ड्यूटी कर रहे हैं। अब पूरे सावन महीने मंदिर में होनेवाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। ओपी अध्यक्ष ने कहा कि धाम पर कई स्थलों पर इन जवानों की लगातार ड्यूटी रहेगी। कहा कि गड़बड़ी करने वालों पर पुलिस की पैनी दृष्टि बनी रहेगी। मंदिर परिसर एवं आसपास में हंगामा करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

सुंदरी मठ न्यास समिति ने धाम में अतिरिक्त बल की प्रतिनियुक्ति करने के लिये जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया है। समिति के अध्यक्ष सह विधायक विजय कुमार मंडल ने कहा कि भविष्य में सुन्दरनाथ धाम आधुनिक तकनीक से जुड़ेगा। हत्ता चौक से वाया सुन्दरनाथ धाम रजौला चौक तक और चौड़ी सड़क बनेगी। लाइट, सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। मंदिर परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर लगवाया जायेगा। विधायक ने कहा कि भविष्य में यहां स्थायी पुलिस चौकी की स्थापना कराई जायेगी।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा, सीएम राज्यपाल पर टिप्पणी कर सकते हैं

संवाददाता

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत चार तृणमूल नेता राज्यपाल पर टिप्पणी कर सकते हैं। हालाँकि, यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह किसी भी तरह से दुर्भावनापूर्ण या निंदनीय नहीं है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस के मानहानि मामले में कोलकाता हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने आदेश दिया। डिवीजन बेंच ने हाई कोर्ट की सिंगल बेंच से इस पर विचार करने को कहा कि क्या राज्यपाल बोस की मानहानि की गयी है की नहीं। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किये थे। बाद में मामले में तीन और लोगों का नाम जोड़ना पड़ा। ये हैं पूर्व तृणमूल सांसद कुणाल घोष, विधायक सयंतिका बंद्योपाध्याय और रेयात हुसैन सरकार। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उनके खिलाफ अवमानना का मामला दायर किये थे, लेकिन मामले के सभी पक्षों ने अदालत में उनकी स्वीकार्यता पर सवाल उठाया। कोलकाता हाई कोर्ट ने 16 जुलाई को मामले को देखते हुए अंतरिम आदेश जारी किया था। हाई कोर्ट के जस्टिस कृष्णा राव ने कहा कि राज्यपाल के नाम पर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की जा सकती। अदालत ने मामले में सभी चार पक्षों - जिनमें राज्य के मुख्यमंत्री, पूर्व तृणमूल सांसद कुणाल घोष और दो विधायक सयंतिका बंद्योपाध्याय और रेयात हुसैन शामिल हैं - को राज्यपाल के बारे में कोई भी आपत्तिजनक टिप्पणी करने से परहेज करने का आदेश दिया। सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए 19 जुलाई को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में मामला दायर किया गया था। मामले की सुनवाई शुक्रवार को हाई कोर्ट के जस्टिस इंद्रप्रसन्न मुखोपाध्याय और बिस्वरूप चौधरी की खंडपीठ में हुई। जज ने कहा कि मुख्यमंत्री समेत चारों राज्यपाल के खिलाफ टिप्पणी कर सकते हैं। हालाँकि, यह सुनिश्चित करने का ध्यान रखा जाना चाहिए कि टिप्पणियाँ किसी भी तरह से हिंसात्मक या निंदात्मक न हों।

अब बिहार में भी इतिहास बदलने की कोशिशः राबड़ी देवी

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद मानसून सत्र के अंतिम दिन नेता विपक्ष राबड़ी देवी सदन पहुंची। उन्होंने केंद्र सरकार और बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। राबड़ी ने कहा कि केंद्र के बाद अब बिहार में भी इतिहास बदलने की कोशिश की जा रही है और हमलोग इसका विरोध कर रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार में इतिहास बदल जा रहा है। इसलिए काला रिबन लगाकर हम लोग आज सदन पहुंचे हैं। बिहार में नई परंपरा की शुरूआत हो रही है। भाजपा और जदयू के लोग नई परंपरा की शुरूआत कर रहे हैं। हमलोग सदन में नई परंपरा की शुरूआत होने नहीं देंगे। यह गलत बात है और हमलोग इसका विरोध कर रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि 70 सालों से कांग्रेस ने कुछ नहीं किया है। मुझे उनसे पूछना है कि 14 साल में आपने पूरा देश बसा दिया है क्या? इस तरह नीतीश कुमार भी कहते हैं कि हमने बहुत काम किया तो क्या पहले के लोगों ने कुछ भी नहीं किया? इसके अलावा उन्होंने कहा कि बिहार में जिस तरह की परंपरा शुरू हो रही है उस परंपरा का हम लोग विरोध करते हैं। इसलिए हम लोग काला रिबन लगाकर सदन पहुंचे हैं।

कोलकाता के इतिहास व विरासत में मनाया जाएगा नदी महोत्सव

संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता की हुगली नदी और उसके घाटों का महत्व शहर के इतिहास और विरासत के लिए महत्वपूर्ण माना जाता रहा है। नदी के महत्व को स्वीकार करते हुए, कल्ट एक्स ने जी एम कपूर, सुदेशना चटर्जी, सी एक्सप्लोरर्स इंस्टीट्यूट; सुकृत सेन, लिविंग वाटर्स म्यूजियम; एनाक्षी मजूमदार, रिवर रेंजर्स, लैली थॉम्पसन, आयोजक और संस्थापक, कल्ट एक्स और अन्य संबंधित गणमान्य व्यक्तियों की सम्मानित उपस्थिति में ह्वघाट गोद लेने का टूलकिट पेश किया है। यह पहल कोलकाता के नागरिकों को घाटों के रखरखाव और सौंदर्यीकरण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए संलग्न और सशक्त बनाने के लिए डिजाइन की गई है, ताकि उन्हें नियमित उपयोग के लिए आकर्षक और सुलभ बनाया जा सके। 2019 में अपनी शुरूआत के बाद से, नदी महोत्सव ने घाटों पर आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मेजबानी की है और ऐतिहासिक चंपताला घाट के जीर्णोद्धार की पहल की है। इन प्रयासों के आधार पर, गोद लेने वाले घाट टूलकिट का उद्देश्य नदी के किनारे के संरक्षण में समुदाय को और अधिक शामिल करना है। इस पहल का एक महत्वपूर्ण घटक स्थानीय निवासियों को नदी के राजदूत बनने के लिए प्रशिक्षित करना है, जो नदी के घाटों की स्वच्छता, विरासत और सुंदरता के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है। प्रशिक्षण में कई प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे। प्रतिभागी घाटों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर कार्यशालाओं में भाग लेंगे, आगंतुकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल सीखेंगे और पर्यावरण संरक्षण तकनीकों में व्यावहारिक निर्देश प्राप्त करेंगे। इसमें सफाई अभियान, शैक्षिक यात्राएँ और सामुदायिक सहभागिता गतिविधियाँ भी शामिल हो सकती हैं। इस व्यापक दृष्टिकोण का उद्देश्य स्थानीय लोगों को नदी के किनारे की स्वच्छता और सौंदर्य अपील को बनाए रखने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है। नदी की विरासत के साथ गहरा संबंध विकसित करके और व्यक्तियों को इसके प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाकर, कुल्ट एक्स नदी के ऐतिहासिक और पर्यावरणीय मूल्य को बनाए रखने और उसका जश्न मनाने के लिए सामूहिक प्रयास को प्रेरित करना चाहता है।

राजद नेता सुनील सिंह बिस्कोमान अध्यक्ष पद से हटाए गए

अब विधान परिषद की सदस्यता पर भी संकट

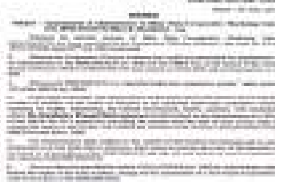

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एमएलसी सुनील सिंह को बिस्कोमान अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। इस संबंध में भारत सरकार ने पत्र जारी किया है। इसके साथ ही आज उनकी विधान परिषद की सदस्यता भी रद हो सकती है। विधान परिषद की आचार समिति ने सुनील सिंह पर कार्रवाई की अनुशंसा की है। भारत सरकार के पत्र में लिखा है कि बिहार राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (बिस्कोमान) बिहार एवं झारखंड में प्रशासक की नियुक्ति के संबंध में, चूंकि बिहार राज्य सहकारी विपणन संघ (बिस्कोमान) की चुनाव प्रक्रिया को सहकारी चुनाव प्राधिकरण द्वारा आदेश संख्या सीईए- 12011/ 36/ 2024 दिनांक 22 जुलाई 2024 (संलग्न) के तहत रद्द कर दिया गया है ।सहकारी चुनाव प्राधिकरण ने एमएससीएस अधिनियम की धारा 123(1) के तहत बिस्कोमान में प्रशासक की नियुक्ति के लिए आगे की सिफारिश की है, क्योंकि बिस्कोमान के पिछले निदेशक मंडल (बीओडी) का कार्यकाल 24.06.2024 को समाप्त हो गया है और आज की तारीख तक कोई बोर्ड मौजूद नहीं है। बिस्कोमान एमएससीएस अधिनियम, 2002 की धारा 122 के तहत एक ₹निर्दिष्ट बहु-राज्य सहकारी समिति₹ है। त्र में लिखा है कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर और उपरोक्त बहु-राज्य सहकारी समिति में निदेशक मंडल के चुनाव के स्वतंत्र और निष्पक्ष संचालन के हित में, जिसमें इसके स्वस्थ कामकाज भी शामिल हैं, केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव (आईएएस-2010) सेवानिवृत्त को नियुक्त करती है. एमएससीएस अधिनियम की धारा 123(1) के तहत प्रशासक के रूप में, इस आदेश के जारी होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए सोसायटी के मामलों का प्रबंधन करने और एमएससीएस अधिनियम और नियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के चुनाव कराने के लिए नियुक्त किया गया है। पत्र में लिखा है कि प्रशासक, केंद्र सरकार के नियंत्रण और उसके द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निदेशों के अधीन रहते हुए, बिस्कोमान के बोर्ड या किसी अधिकारी के सभी या किसी भी कार्य को करने और बिस्कोमान के हित में आवश्यक सभी कार्रवाई करने की शक्ति रखेगा. एमएससीएस अधिनियम, 2002 की धारा 123(5) में अन्यथा प्रावधान के सिवाय प्रशासक, अपने कार्यकाल की समाप्ति से पहले, बिस्कोमान के उपनियमों के अनुसार एक नए बोर्ड के गठन की व्यवस्था करेगा। यदि प्रशासक के पद पर रहने की अवधि के दौरान किसी भी समय केन्द्रीय सरकार ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझती है।

न्यू अलीपुरद्वार में शराब की दुकानें बंद करने की मांग

कोलकाता। शराब की दुकानें क्षेत्र का माहौल खराब कर रही हैं। यह शिकायत उठाते हुए कहा गया कि न्यू अलीपुरद्वार बीजी रोड स्थित उस शराब दुकान के कारण इलाके के पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। न्यू अलीपुरद्वार के बीजी रोड स्थित उस दुकान को बंद करने की मांग को लेकर वार्ड नंबर 16 और 20 के निवासी एकजुट हुए। गुरुवार को देर रात तक दोनों वार्डों के पार्षदों के साथ रहवासियों ने बैठक की। इसके बाद उन्होंने प्रशासन से संपर्क करने का फैसला किया। न्यू अलीपुरद्वार के व्यापारी भी शराब दुकान के खिलाफ उतर आये हैं। वार्ड नंबर 20 के पार्षद शांतनु देबनाथ ने कहा, 'अगर प्रशासन कुछ नहीं करता है तो हम इलाके की महिलाओं के साथ शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर सड़क पर उतरेंगे। '

गिरीश पार्क में एक घर में भीषण आग, एक घायल

संवाददाता

कोलकाता। गिरीश पार्क थाने से सटे छातुबाबू बाजार के पास एक घर में भीषण आग लग गई। इलाका काले धुएं से ढका हुआ है। हालात पर काबू पाने के लिए दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचा। एक घायल। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे गिरीश पार्क थाने से सटे छातुबाबू बाजार के पास एक घर से धुआं निकलता देखा गया। बाद में आग की लपटें देखी गईं। तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। इसी बीच घिन्जी क्षेत्र के कारण आग तेजी से फैलने लगी। एक जल गया। मौके पर पहुंचकर अग्निशमन अधिकारियों ने आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। निवासियों को उनके घरों से निकाला गया।

करीब डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन इलाके में काफी खौफ है। घिंजी क्षेत्र में कई छोटे घर और आवास हैं। नतीजा यह हुआ कि यदि आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा खतरा उत्पन्न होने की आशंका थी। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है।

अभिषेक के साथ दिल्ली गईं ममता, नीति आयोग की बैठक में होंगी शामिल

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दिल्ली जाने वाली थीं। लेकिन अपरिहार्य कारणों से वह नहीं जा सके। नवान्न सूत्रों के मुताबिक ममता बनर्जी दोपहर की फ्लाइट से दिल्ली जाएंगी। उनके साथ अभिषेक बनर्जी जायेंगे। नीति आयोग की शनिवार को दिल्ली में बैठक है। ममता ने कहा कि वह बैठक में शामिल होंगी। बंगाल के प्रति केंद्र की कमी को उजागर करेंगे। पता चला है कि ममता के दिल्ली में कई कार्यक्रम हैं। वह पार्टी सांसदों से मुलाकात करेंगे। लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में तृणमूल ने 29 सीटें जीती थीं। सांसदों में कई नये चेहरे हैं। ममता उनसे भी बात कर सकती हैं। इसके अलावा ममता तृणमूल के राज्यसभा सांसदों से भी बात कर सकती हैं। ममता का चाणक्यपुरी के बंगभवन में राष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ एक चाय समारोह में भाग लेने का कार्यक्रम है।

बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बने दिलीप जायसवाल

एजेंसी

किशनगंज। बिहार भाजपा में बड़ा उलटफेर हुआ है। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी को हटाकर डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल को कमान सौंपी है। केंद्रीय नेतृत्व ने एक साल के भीतर ही प्रदेश अध्यक्ष के पद से सम्राट चौधरी को हटाने का फैसला ले लिया। साथ ही बिहार में भूमि सुधार मंत्री के रूप में काम कर रहे डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। इस फेरबदल के पीछे लोकसभा चुनाव के नतीजे और कुशवाहा वोट बैंक में विपक्ष की सेंधमारी मुख्य कारण माना जा रहा है। डॉ. जायसवाल अतिपिछड़ा वैश्य समाज से आते हैं। भाजपा ने बिहार में अतिपिछड़ा वोट बैंक को साधने और इसपर अपनी पकड़ मजबूत बनाकर रखने के लिए लगातार काम करती रही है। अतिपिछड़ा वोट बैंक को जोड़कर रखने के लिए जायसवाल पर पार्टी ने भरोसा जताया है। सम्राट चौधरी से ठीक पहले इसी समाज से संजय जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में झांके तो सन 1980 में स्थापना के बाद ओबीसी और अगड़ी जाति के नेताओं को अध्यक्ष बनने का मौका मिला है। सबसे पहले कैलाश पति मिश्रा अध्यक्ष पद पर रहे हैं। तीन बार यादव समाज के जगदंबी प्रसाद यादव (1981-1984), नंद किशोर यादव (1998-2003), नित्यानंद राय (2016-2019) रहे। वैश्य समाज से सुशील मोदी (2005-2006), संजय जायसवाल (2016-2019) रहे। ब्राह्मण और भूमिहार समाज से कैलाश पति मिश्र दो बार 1980 और 1981 फिर बाद में 1984 1987 तक अध्यक्ष रहे।

बिहार | बिहार विधानसभा में स्पीकर ने विपक्षी सदस्यों को दी चेतावनी

रिपोर्टर टेबल पर आए तो होगी कार्रवाई

एजेंसी

पटना। बिहार विधानमंडल के मॉनसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को दोनों सदनों (विधानसभा-विधानपरिषद) में जोरदार हंगामा हुआ। विधानसभा में विपक्षी सदस्य का व्यवहार इतना उग्र था कि अध्यक्ष नंदकिशोर यादव को गुस्सा आ गया। उन्होंने वेल में आ रहे सदस्यों को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि यदि कोई भी सदस्य रिपोर्टर टेबल तक पहुंचा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। दरअसल, कल विपक्ष के वेल में किये गये उग्र प्रदर्शन से एक कर्मचारी घायल हो गया था। इसके बाद सदन में जैसे ही विपक्ष ने हंगामा शुरू किया वैसे ही अध्यक्ष ने भी तेवर सख्त कर लिये। अध्यक्ष के कड़े तेवर को देखकर विपक्षी दल के सदस्य भी वेल के बाहर ही नारेबाजी करते दिखे। बिहार विधानसभा की सदन की कार्रवाई जैसे ही शुरू हुई बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर महागठबंधन के विधायक बैनर-पोस्टर लेकर वेल में जाकर प्रदर्शन करने लगे। विधायकों का कहना था कि विशेष राज्य का दर्जा देना होगा। महागठबंधन विधायक वेल में खड़े होकर नारे लगा रहे थे, जिसेक बाद स्पीकर बेहद गुस्से में आ गए और उन्होंने कहा कि रिपोर्टर टेबल को कुछ भी करने की कोशिश किए तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सदन की कार्यवाही हंगामे के बीच चलती रही और उसके बाद विपक्ष ने सदन से वाकआउट कर दिया। महागठबंधन विधायकों से स्पीकर अपनी-अपनी सीटों पर जाने के लिए कह रहे थे लेकिन महागठबंधन विधायक कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। इस बीच वाम दल विधायक सत्यदेव राम स्पीकर से कहा कि आप हम महागठबंधन विधायकों को मौका नहीं देते। विपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता। हम लोगों के मुद्दे पर चर्चा नहीं होती है। इस पर स्पीकर ने कहा कि प्रश्नोत्तर के बाद आप लोगों को समय देंगे। विधानसभा को हाईजैक करने की कोशिश मत करिए। नियम कानून से सदन चलेगा। इससे पहले राजद के वरिष्ठ विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि बिहार को उसका हक हम लोग दिलवाकर रहेंगे। केंद्र सरकार ने बिहार को धोखा दिया है। बिहार का विकास तभी होगा जब विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा। ऐसे कैसे केंद्र सरकार ने संसद में कह दिया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता है। इस मुद्दे पर हम लोग लड़ाई लड़ेंगे। नीतीश को इस मुद्दे पर साथ आना है तो आएं। हमलोग उनको आमंत्रण देने नहीं जा रहे हैं। बजट में बिहार के लिए कुछ भी खास नहीं है।

वीर कुंवर सिंह बस टर्मिनल का डाक होने के बाद भी संवदेक ने नहीं जमा की राशि

एजेंसी

किशनगंज। नगर परिषद क्षेत्र स्तिथ वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड का डाक मार्च माह में हुआ था और एक अप्रैल 2024 से संवेदक को वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड में राजस्व वसूली का ठेका भी मिल गया, लेकिन संवेदक द्वारा डाक में बोली गयी राशि अब तक नगर परिषद कार्यालय में जमा नहीं की गयी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड का कई संवेदक बोली लगाने के लिए बैठे थे लेकिन उच्चतम बोली लगाकर मो आजाद ने एक करोड़ 90 लाख में डाक प्राप्त कर लिया। इसमें कई अन्य शुल्क जोड़कर वह राशि लगभग दो करोड़ सात लाख के आसपास होती है। इसमें संवेदक मो आजाद ने 25 जुलाई तक मात्र एक करोड़ रुपया जमा किया है। सूत्रों की माने तो नियम के तहत पूरी राशि जमा करने के बाद ही बस स्टैंड में शुल्क वसूली का ठेका संवेदक को प्राप्त होता हैं। सूत्रों की माने तो नगर परिषद द्वारा डाक में बोली गयी शुल्क की बकाया राशि की वसूली के लिए नगर परिषद के द्वारा कई बार संवेदक को पत्र लिख चुका है लेकिन अब तक संवेदक के द्वारा बकाया राशि को जमा नहीं किया गया है। संवेदक के द्वारा शेष राशि जमा किये जाने के लिए समय की मांग की जाती है। सवाल उठता है कि आखिर अब तक नगर परिषद क्यों नहीं राशि जमा करने के लिए संवेदक पर दबाव बना रहा या फिर संवेदक का ठेका रद्द कर निलामी में दूसरी बोली लगाने वाले संवेदक को ठेका दे रहा है। यह सवाल बना हुआ है। वहीं नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने बताया कि नप के कार्यपालक पदाधिकारी के कार्यालय से राशि की वसूली का नोटिस भेजा गया हैं। राशि नहीं जमा करने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

आभूषण चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद थाना पुलिस की तत्परता से आभूषण चोरी के आरोपी को डेहरी ऑन सोन स्थित रेल सुरक्षा बल ने पकड़ा। आरपीएफ डीहरी को हुसैनाबाद थाना प्रभारी ने अभियुक्त की फोटो भेज कर उसके दिल्ली जाने की आशंका जताई थी। डेहरी के प्लेटफार्म 3/4 के फूट ओवर ब्रिज से आरपीएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया और हुसैनाबाद थाना पुलिस को सुपुर्द किया। गिरफ्तार व्यक्ति के विरुद्ध हुसैनाबाद थाना में कांड संख्या 171/2024 दर्ज है।

ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ यात्रा पहुंची पाण्डु बाजार, लोगों ने किया स्वागत

पांडू। झारखंड प्रदेश के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद के नेतृत्व में ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ यात्रा झारखंड राज्य की राजधानी रांची से चलकर पलामू जिला के पांडू प्रखंड दरुआ, तिसीबर, कजरू कला गांव होते हुए पाण्डु बाजार में पहुंची। मौके पर रफी नश्तर ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद यहां पिछड़ा एवं ओबीसी आबादी 60% से अधिक है फिर भी सामाजिक आर्थिक आधार पर ओबीसी को एकमात्र 14% आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है जो उचित नहीं है। झारखंड में रहने वाले पिछड़े एवं अति पिछड़े वर्ग के द्वारा जातीय जनगणना के आधार पर 52% आरक्षण की मांग के समर्थन की आवाज उठानी जरूरी है। हर सरकार को पिछले वर्ग के लोगों को सभी क्षेत्रों में आरक्षण लागू करना होगा। महफूज आलम ने कहा कि चाहे वह सरकारी संस्था हो या गैर सरकारी संस्था सभी में 52% आरक्षण की व्यवस्था हो। साथ हीं सभी ओबीसी छात्र-छात्राओं के लिए निः शुल्क शिक्षा की व्यवस्था कर उन्हें पढ़ने के लिए ओबीसी छात्रावास की व्यवस्था हर जिले में हो। मौके पर अरविंद कुमार, मनोज व अन्य लोग मौजूद थे।

प्रधान कार्यालय के निर्देश पर हुई जांच में मामला हुआ उजागर

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद थाना के दंगवार ओपी अंतर्गत दंगवार बाजार स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा में ग्राहकों के विशेष सावधि जमा खाता, समूह के खाते के अलावा अन्य खातों से करीब छह करोड़ से अधिक की राशि गबन कर ली है। इस संबंध में शाखा प्रबंधक आशीष रंजन ने हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दिया है। उन्होंने थाना को दिए आवेदन में कहा है कि वरीय प्रबंधक लक्षण राणा ने विभागीय जांच के दौरान खुलासा किया है। जांच में पाया गया कि तत्कालीन शाखा प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने 11 महिला समूहों के ऋण खातों को बिना ग्राहक की सहमति के निकासी कर उनके बचत खाते में ट्रांसफर कर दिया गया, फिर उस खाते से नगद निकासी कर ली गई। इसी तरह विशेष सावधि जमा खातों को ग्राहकों के अनुरोध किए बिना मूल रसीद को बंद कर उसी ग्राहक का फर्जी खाता खोला। बाद में उसमें राशि ट्रांसफर कर फर्जी निकासी की गई है। कुछ विशेष सावधि जमा खातों को परिपक्वता के पहले हीं बंद कर उस राशि को तीसरे व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया है। सभी लेन देन सिस्टम में दर्ज किया गया है, मगर मूल एसटीडीआर रसीद व राशि ट्रांसफर वाउचर नहीं है। इसके अलावा थाना को दिए गए आवेदन में कहा गया है कि विशेष सावधि जमा से अवैध निकासी के लिए पूर्व शाखा प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने खाताधारी ग्राहकों की पहचान संख्या का दुरुपयोग कर उनके नाम एक बचत खाता होते हुए दूसरा फर्जी बचत खाता खोला। जिसका उपयोग उन्होंने अवैध रूप से बंद किए गए विशेष सावधि जमा खाते की राशि को ट्रांसफर करने के लिए किया गया।

गोरियवटा में कुकही नदी पर पुल निर्माण की स्वीकृति मिली

हुसैनाबाद/पलामू। हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि हुसैनाबाद हरिहरगंज की सभी महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों व पुल पुलिया का निर्माण कराया जा चुका है। कुछ पर कार्य चल रहा है। हैदरनगर के सुदूरवर्ती गांव गोरियवटा छठ घाट के पास कुकही नदी पर पुल निर्माण कार्य की मांग लगातार ग्रामीणों के द्वारा की जा रही थी। इस पुल का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को पांच किलो मीटर घूम कर गांव में आना जाना पड़ता है। पुल का निर्माण हो जाने से गोरियवटा गांव की दूरी दो किलो मीटर हो जायेगी। इस पुल को स्वीकृति मिलने से गोरियवटा के ग्रामीणों की सबसे बड़ी समस्या का समाधान हो गया है। ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसे स्वीकृति प्रदान कर दी है। सिंह ने कहा है कि वह लगातार क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करते हैं। जनता से उन्होंने जो वादा किया था, उसे पूरा करना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि जनता से किया गया वादा पूरा कर उन्हें सुविधाएं उपलब्ध कराने में उन्हें काफी खुशी होती है। उन्होंने कहा कि कुकही नदी पर पुल निर्माण हो जाने से गोरियवटा दहपर गांव के अलावा अन्य कई गांव के लोगों को लाभ होगा।

जिला कौशल समिति की बैठक में डीसी ने दिए निर्देश

संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त पलामू की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में श्रम, नियोजन,प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत जिला कौशल समिति की बैठक का आयोजन किया गया।बैठक के दौरान जिला कौशल पदाधिकारी द्वारा डीएसडीपी 2024-25 के अंतर्गत कौशल विकास से संबंधित योजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। परियोजना सहायक द्वारा मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत जिले में संचालित प्रशिक्षण सेवा प्रदाताओं, कौशल केंद्रों, योजना योजनाओं एवं प्रशिक्षण हेतु

वर्तमान में उपलब्ध जॉब रोल्स/ ट्रेंड्स के बारे में जिला कौशल समिति के सदस्यों को अवगत कराया गया। साथ हीं यह भी अवगत कराया गया कि जिला कौशल विकास प्लान पहले ऑफलाइन बनाए जाते थे। लेकिन वित्तीय वर्ष 2024- 25 में यह ऑनलाइन डिसपाक पोर्टल के माध्यम से बनाया जा रहा है। जिसमें प्रशिक्षण से संबंधित विभिन्न विभागों के प्रतिवेदन पोर्टल पर फीड किये गए हैं। बैठक में उपायुक्त द्वारा कौशल विकास योजना से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को आत्मनिर्भर बनने हेतु मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की जानकारी वीडियो क्लिप के माध्यम से देने का निर्देश दिया गया। साथ हीं नए ट्रेंड्स व जॉबरोल पर चर्चा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला कौशल पदाधिकारी, जिला कौशल समिति के सदस्य गण, परियोजना सहायक, संचालित प्रशिक्षण संस्थान के सेंटर मैनेजर एवं अन्य उपस्थित थे।

20 क्विंटल जावा महुआ और 40 लीटर चुलाई शराब को किया गया नष्ट

संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज के पथरा ओपी प्रभारी मंटू कुमार सिंह और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने पथरा ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत अकौनी गांव में अवैध महुआ शराब के खिलाफ छापामारी अभियान चलाकर 20 क्विंटल जावा महुआ और 40 लीटर चुलाई शराब को बरामद कर उसे घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया।इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने छापामारी में बरामद महुआ शराब के ड्रम को जप्त कर उसे अपने साथ ले गई। वहीं मौके पर उपस्थित उत्पाद विभाग के एसआई देवीलाल सोरेन ने कहा कि अवैध शराब निर्माण और बिक्री करने वाले लोगों को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के आने की भनक लगते हीं शराब माफिया फरार हो गए। इस कारण मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।उन्होंने बताया कि शराब निर्माण करने वाले लोगों का पता लगाया जा रहा है। उत्पाद विभाग का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। छापामारी अभियान में उत्पाद विभाग के एएसआई अनूप प्रकाश सहित भारी संख्या में सशस्त्र के पुलिस जवान मुख्य रूप से शामिल थे।

दस वर्षों में दस लाख से अधिक जरुरतमंदों को मदद कर झारखंड की शान बने शौकत खान

संवाददाता

मेदिनीनगर। कारगिल विजय दिवस एवम झारखंड के पहले शौर्य चक्र विजेता शहीद आशीष कुमार तिवारी के शहादत दिवस पर राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के आयोजक सह अनेक निःशुल्क बैंक के संस्थापक शौकत खान ने प्रतिदिन की तरह अपने निःशुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, पुस्तक बैंक, सत्तू बैंक से गरीबों की सेवा देकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर शौकत खान ने बताया कि आज से दस वर्ष पुर्व मैंने सीआरपीएफ 172 बटालियन के कमांडेंट कैलाश आर्या व अभियान एसपी सदन कुमार से प्रेरणा पाकर मानवता की सेवा में आगे आया और आज दस साल में बहुत सारे उल्लेखनीय कार्य मैंने अपने भारतीय सेना के सम्मान में झारखंड पुलिस के सम्मान में एवम शहीदों के सम्मान में किया। जिसमें से राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह लगातार दस वर्षों से आयोजित कर दो लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेंट कर

अनोखे अंदाज में देशभक्ति का जज्बा लोगों में जगाया और बताया कि हम सभी भारतीय चाहे किसी धर्म मजहब के मानने वाले हों, लेकिन हमारा देश भारत और हमारे देश की आन बान और शान तिरंगा सर्वोपरी है और सदा रहेगा। हम सभी भारतीय नागरिक तिरंगा के निचे हैं और हम सबको मिलकर अपने तिरंगा की शान, भारत की तरक्की और उन्नति, अमन-चैन व खुशहाली के लिए सदा समर्पित रहने कि जरुरत है। इसके साथ हीं शौकत खान ने हर बार की तरह इस बार भी सभी देशवासियों से अपील की है कि अपने भारतीय सेना और शहीदों के परिजनों को जहां भी देखें उन्हें सम्मान दें, उन्हें सैल्यूट करें और उनके हर दुख सुख में खुद से आगे बढ़कर उनको सहयोग प्रदान करें। ताकि उन्हें महसूस हो कि हमारे परिवार के सदस्य परिजनों से दूर रहकर सेना या राज्य पुलिस में देश सेवा कर रहे हैं, या मेरे परिजन में कोई भी जांबाज देश सेवा में अपनी बलिदान दे चुके हैं तो अब हम अकेला नहीं हैं। बल्कि देश का एक एक नागरिक मेरे परिवार के साथ खड़ा है। वहीं समाजसेवी शौकत खान ने गढवा जिला मेराल के अटौला गांव निवासी शहीद आशीष कुमार तिवारी के सम्मान में गरीबों के लिए निशुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सत्तू बैंक, पुस्तक बैंक खोलकर अब तक दस लाख से अधिक गरीबों को निःस्वार्थ सेवा देकर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि देकर देश भर के लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन चुके हैं। बता दें कि शौकत खान को अब तक सैकड़ों अवार्ड और सम्मान देश भर से प्राप्त हो चुके हैं।

सीबीसी डालटेनगंज द्वारा चैनपुर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रंगोली, पेंटिंग्स एवं भाषण प्रतियोगता के प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

संवाददाता

चैनपुर। केंद्रीय संचार ब्यूरो डालटेनगंज के द्वारा शुक्रवार को राजकीय बुनियादी विद्यालय, चैनपुर में विश्व जनसंख्या पखवाड़ा, पीएम विश्वकर्म योजना पीएम आवास योजना, भारतीय न्याय संहिता एवं कारगिल विजय दिवस के मौके पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर रैली, रंगोली, पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, चैनपुर नंदकिशोर तिवारी एवं क्षेत्रीय प्रचार सहायक मनोज कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर श्री तिवारी ने बताया कि वह लगभग डेढ़ वर्ष तक कारगिल में रहे हैं। विश्व जनसंख्या वृद्धि

पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने दो बच्चों का लक्ष्य, एक हमारा-एक तुम्हारा का नारा याद दिलाया, साथ हीं बताया कि जनसंख्या के मामले में हम भारतीय विश्व में प्रथम स्थान पर आ गए हैं इस पर नियंत्रण की जरूरत है। मनोज कुमार ने अन्य विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर श्यामलाल उरांव, प्रधानाध्यापक राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कंकारी, सिंधु कुमार यादव प्रधानाध्यापक राजमाता प्रफुल्ल मंजरी कन्या उच्च विद्यालय चैनपुर के अलावा विद्यालय के प्रधानाध्यापक क्यास ठाकुर, गणेश सिंह, कुंदन कुमार, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष बबीता देवी, सहयोगिक सविता देवी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इससे पूर्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक क्सास ठाकुर के द्वारा हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया गया। इस मौके पर रंगोली, पेंटिंग्स एवं भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

शिक्षकों की वेशभूषा व पहनावा पर अमर्यादित व असंसदीय भाषा का प्रयोग शिक्षा पदाधिकारी का करना निंदनीय

संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रोजेक्ट निदेशक आदित्य रंजन के बिगड़े बोल पर अजाप्टा पलामू के महासचिव शेरे झारखंड अमरेश कुमार सिंह ने गर्जना के साथ तीव्र प्रतिक्रिया दी है। राज्य इकाई के निर्देश पर उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है और कहा कि चाणक्य के वंशज राष्ट्र निमार्ता शिक्षक उपलब्ध सीमित संसाधनों में केवल शिक्षण पद्धति में सुधार हेतु हीं संकल्पित नहीं हैं, वरन लोकतंत्र की धुरी भी हैं। सादा सर्वदा में विश्वास करनेवाले सम्मानीय शिक्षकों के वेशभूषा व पहनावा पर पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर अमर्यादित व असंसदीय भाषा का प्रयोग शिक्षा से जुड़े पदाधिकारी करे, यह बिल्कुल निंदनीय व शर्मनाक है। इसकी जितनी भी निंदा की जाय कम है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों झारखंड शिक्षा परियोजना के निदेशक आदित्य रंजन का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वे कुछ लोगों को संबोधित कर रहे

हैं। जिसमें वे शिक्षकों को धमकी भरे शब्दों में कह रहें हैं कि अगर शिक्षक हवाई चप्पल में दिख गये तो उसी चप्पल से उन्हें पीटेंगे। फिर वह पहनने लायक नहीं रह जायेगा। साथ हीं ड्रेस कोड की अनिवार्यता पर भी नियम कानून से परे निर्देश दिया। अजाप्टा जो राज्य का इकलौता शिक्षक हित में आवाज उठानेवाला संघ है, इसे गंभीरता से लिया है। अजाप्टा पलामू के महासचिव अमरेश कुमार सिंह, थिंक टैंक के वरीय उपाध्यक्ष रामानुज प्रसाद ,राम स्वरुप राम ,पाटन सचिव प्रियेश कुमार व पड़वा मोड़ के सचिव नागेश कुमार ने उनके बयानों की तीव्र निंदा की है और माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रेषित किया है। जिसकी कॉपी उपायुक्त पलामू, जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को भी दी है। संघ के आह्वान पर राज्य के सारे शिक्षक आज शनिवार को हवाई चप्पल पहनकर विद्यालय जायेंगे।

संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल विश्रामपुर के विद्यार्थियों ने मनाया कारगिल विजय दिवस

विश्रामपुर. पलामू। संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल विश्रामपुर व पाटन के विद्यार्थियों ने आज अपने विद्यालय में कारगिल विजय दिवस मनाया।विद्यालय के छात्र छात्राओं ने शहीद के याद में दो मिनट का मौन रखकर विद्यालय परिसर को आंसुओ से भींगा दिया।बच्चो में शहीद हुए भारतीय फौजियों के लिए काफी उदासी थी।बच्चो ने बताया दुश्मन देश के आंतकियों नें हमारी मां बहनों का सिंदूर छीना है एवं कितने हमसबो जैसे बच्चो को अनाथ बनाया है।विद्यालय के निदेशक एन के तिवारी ने अपने विद्यालय के दोनो शाखा विश्रामपुर व पाटन के बच्चो को देश के जांबाज सैनिको की शहीदी की याद करते हुए काफी भावूक व आंख में आंसू लिए कहा। यह 26अगस्त एक ऐसा दिन है जब हम भारतवासी को झकझोर देता है।

बिजली के बाद पानी के मुद्दे पर प्रथम उपमहापौर ने लिया संज्ञान

संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम उपमहापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह ने पेय जलापूर्ति को लेकर नगर आयुक्त मेदिनीनगर को पत्र प्रेषित करते हुए कहा है कि नगर निगम मेदिनीनगर सहित इससे जुड़े ग्रामीण क्षेत्र में जो पेय जलापूर्ति होती है उसके लिए पूर्व की बोर्ड बैठक व कार्यकाल में एक निश्चित समय सारणी बनाई गई थी। जिससे निगम क्षेत्र की सम्मानित जनता को निर्बाध रूप से पेय जलापूर्ति होती थी। पर विगत कुछ महीनो से ये पेय जलापूर्ति समय सारणी से नहीं चल रही है। जिससे आम जनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहले पानी सुबह 7:00 से 7:30 बजे तक जलापूर्ति होती थी, जिससे लोग नहाने, कपड़े धोने आदि दैनिक कार्य को कर लेते थे और ससमय कार्यालय,ऑफिस दुकान, मजदूरी सहित अपने दैनिक कार्य संबंधी कार्यों में चले जाते थे।

परंतु अब पेय जलापूर्ति दिन में कभी 1:00 बजे, कभी 3:00 बजे, कभी शाम में ,कभी रात में हो रही है। जिससे लोगों के दैनिक जीवन में प्रभाव पड़ रहा है और लोगों के महत्वपूर्ण कार्य छूट जा रहे हैं। मुझे भी इस संदर्भ में कई सम्मानित लोगों द्वारा मौखिक एवं लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। इस कारण उपमहापौर ने नगर आयुक्त महोदय का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाय और पानी सप्लाई का जो समय सारणी पहले से बना हुआ था उसी स्वरूप में पेय जलापूर्ति सम्मानित जनता को मिलते रहे।

मेदिनीनगर डीएवी प्रबंधन करोड़ों विद्यार्थियों में भर रहा है देशभक्ति की भावना : के एन सिंह

एक दिया जलाएं शहीदों के नाम : डॉ० जी एन खान

संवाददाता

मेदिनीनगर। एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल डालटेनगंज में 25 वां कारगिल विजय दिवस धूम-धाम से मनाया गया। विद्यालय की प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में मुख्य अतिथि के एन सिंह पूर्व सैनिक उपस्थित थे। विद्यालय के प्राचार्य सह डीएवी पब्लिक स्कूल झारखंड क्षेत्र आई के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉ० जी एन खान ने वरिष्ठ शिक्षकों के साथ शहीदों की याद में दीप जलाकर एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात आठवीं कक्षा की वैभवी ने शहीदों के सम्मान में कविता पाठ प्रस्तुत

किया। इसके बाद अन्नया और रिया नवम कक्षा की छात्राओं ने कारगिल विजय दिवस पर एक सुंदर भाषण प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व सैनिक कामाख्या नारायण सिंह ने कहा कि डीएवी विद्यालयों में इस तरह के आयोजन और बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय है। आज जहां गला काट प्रतिस्पर्धा एवं अंकों की होड़ लगी है। ऐसे में बच्चों के अंदर मानव मूल्य देशभक्ति की भावना एवं शहीदों के प्रति सम्मान प्रदर्शन जैसे गुण को छात्रों के अंदर विकसित करने का डीएवी का यह प्रयास सराहनीय है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं डीएवी पब्लिक स्कूल झारखंड क्षेत्र आई के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉ० जी एन खान ने कहा कि कारगिल युद्ध के नायक सौरभ कालिया एवं विक्रम बत्रा ने अपने अपूर्ण व अदम्य साहस का परिचय देते हुए अंतिम सांस तक युद्ध किया और शत्रु को भारी क्षति पहुंचाई। ये दोनों ही डीएवी के पूर्व छात्र थे। डीएवी संस्थाएं छात्रों में पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खेलकूद एवं मानव मूल्यों को स्थापित करने का महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है। इस संस्था में पढ़ रहे करोड़ों बच्चे अपने अंदर नैतिकता, मानव मूल्य के साथ-साथ देशभक्ति की भावना भर रहे हैं।विभिन्न क्षेत्रों में जाकर राष्ट्र की सेवा कर प्रगति में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। प्राचार्य ने शहीदों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा बच्चों से आग्रह किया कि वे आज शहीदों के नाम एक दिया अवश्य जलाएं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती सुदेशना राय ने किया तथा कार्यक्रम संयोजक शिक्षक कन्हैया राय थे। इस अवसर पर शिक्षक आलोक कुमार, चंद्रशेखर पांडेय, नीरज कुमार श्रीवास्तव, अंबरीश कुमार पांडेय, विक्रम रॉय, अनंत पाठक, प्रियंवदा मिश्रा व सुश्री अनु चक्रवर्ती उपस्थित थीं।

हुसैनाबाद नगर पंचायत के विकास कार्यों में लायेंगे तेजी : हंस

संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद नगर पंचायत में नए कार्यपालक पदाधिकारी तरनीश कुमार हंस ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। विपुल सन्नी ने नए कार्यपालक पदाधिकारी को विधिवत अपना पदभार सौंपा। इस अवसर पर नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यपालक पदाधिकारी तरनीश कुमार हंस ने की तथा संचालन नगर मिशन प्रबंधक राकेश सिंह ने किया। वहीं मैनेजर नजीबुल्ला अंसारी ने कहा कि विपुल सन्नी का कार्यकाल बहुत हीं अच्छा रहा। वे अपने बहुत कम समय के कार्यकाल में शहर के विकास के लिऐ हमेशा तत्पर रहे। योगदान के पूर्व सभी नगर पंचायत कर्मियों ने विपुल को बुके और उपहार देकर सम्मानित किया। नए कार्यपालक पदाधिकारी तरनीश कुमार हंस ने कहा कि बीते समय जिस तरह नगर पंचायत में कार्य किए जा रहे थे उसमें गति लाई जाएगी। नगर पंचायत के विकास कार्य निर्बाध रूप से होंगे। कार्यक्रम के बाद नए कार्यपालक पदाधिकारी ने नगर पंचायत के पदाधिकारियों वा कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया।

हिन्दी दैनिक झारखंड दर्शन बोकारो, शनिवार 27 जुलाई 2024 E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

खास खबर

पेरिस ओलंपिक 2024: फ्रांस ने कोलंबिया को हराया

पेरिस। फ्रांस ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में अपने पहले महिला फुटबॉल ग्रुप मैच में कोलंबिया को 3-2 से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की। मैच में मेजबान फ्रांस ने तेज शुरूआत की और छठे ही मिनट में मैरी-एंटोइनेट काटोटो ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। केन्जा डाली ने 18वें मिनट में एक लंबे शॉट से गोल कर फ्रांस को 2-0 की बढ़त दिला दी। 42वें मिनट में काटोटो ने एक बार फिर गोल कर फ्रांस को 3-0 से आगे कर दिया। ब्रेक के बाद कोलंबिया ने वापसी की और 54वें मिनट में कैटालिना उस्मे ने पेनल्टी किक के जरिए गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। फिर 64वें मिनट में मैनुएला पावी ने कोलंबिया के लिए दूसरा गोल किया और स्कोर ने 3-2 कर दिया।

पेरिस ओलंपिक 2024: भारतीय एथलीटों के स्वागत के लिए तैयार इंडिया हाउस

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय एथलीटों के स्वागत के लिए इंडिया हाउस तैयार है। इंडिया हाउस का उद्देश्य भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाना है। रिलायंस फाउंडेशन और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा प्रायोजित, इंडिया हाउस भारत के एथलीटों का जश्न मनाएगा, उनकी उपलब्धियों को बढ़ाएगा और भविष्य के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी को मजबूत करेगा। पेरिस के पार्क डे ला विलेट में स्थित, इंडिया हाउस आगंतुकों को स्वादिष्ट व्यंजनों से लेकर जीवंत संगीत तक, भारतीय संस्कृति की समृद्ध टेपेस्ट्री प्रदान करने का वादा करता है। यह स्थल भारतीय एथलीटों, उनके परिवारों और प्रशंसकों के लिए 'घर से दूर घर' के रूप में काम करेगा, जो वॉच पार्टियों और समारोहों की मेजबानी करेगा। इंडिया हाउस का लक्ष्य सौहार्द को बढ़ावा देना, संस्कृतियों को जोड़ना और वैश्विक मंच पर भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं को उजागर करना है।

टेनिस चैंपियनशिप : उतरांचल की पूर्वी ने महाराष्ट्र की नक्षत्रा को हराकर जीता खिताब

लखनऊ। आइटा चैंपियनशिप सिरीज टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में खिलाड़ियों ने जमकर उत्साह दिखाया और पदक के लिए अंत तक जुझते नजर आये। महिला वर्ग के अंडर-14 में उत्तरांचल की पूर्वी पातवा ने महाराष्ट्र की नक्षत्रा अय्यर को हराकर पदक पर कब्जा कर लिया। वहीं पुरुष अंडर-12 में उप्र के आयुष्मान पाठक ने खिताब जीता। मिनी स्टेडियम विजयंत खंड गोमतीनगर में चल रहे आइटा चैंपियनशिप सिरीज टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में महिला अंडर-14 में उत्तरांचल के पूर्वी पातवा और महाराष्ट्र की नक्षत्रा अय्यर के बीच कांटे का टक्कर हुआ। पहले राउंड में पूर्वी 6-4 से आगे रही। वहीं दूसरे राउंड में नक्षत्रा 5-7 से आगे रही। जबकि तीसरे राउंड में पूर्वी पुनः 6-3 से आगे हो गयी और पूर्वी ने 6-4, 5-7, 6-3 से नक्षत्रा को हरा दिया। वहीं पुरुष वर्ग अंडर-14 के फाइनल में उप्र के कौस्तुभ सिंह ने उप्र के रोहिन राज को 7-5, 6-4 से हरा दिया। महिला वर्ग के अंडर-12 में महाराष्ट्र अय्यर ने उत्तरांचल की पूर्वी को सीधे मुकाबले में 6-2, 7-5 से हरा दिया।

पंजाब एफसी ने क्रोएशियाई मिडफील्डर फिलिप मर्जलिजाक के साथ किया करार

मोहाली। पंजाब एफसी ने क्रोएशियाई मिडफील्डर फिलिप मर्ज्लिजक के साथ शुक्रवार को करार की घोषणा की, जो आगामी 2024-25 सीजन से पहले उनकी पहली विदेशी साइनिंग है। क्रोएशियाई खिलाड़ी ने आखिरी बार क्रोएशियाई टॉप-फ़्लाइट क्लब, एचएनके गोरसिया के लिए प्रदर्शन किया था। 31 वर्षीय खिलाड़ी का जन्म जाग्रेब में हुआ था और वह मुख्य रूप से एक रक्षात्मक मिडफील्डर के रूप में खेलते हैं। उन्होंने प्रसिद्ध डिनामो जगरेब अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जहां से लुका मोड्रिक, माटेओ कोवासिक, वेड्रन कोरलुका, जोस्को ग्वार्डिओल, डेजन लोवरेन, निको क्रांजकर और कई अन्य प्रसिद्ध फुटबॉलर निकले हैं। जाग्रेब में रैडनिक सेसवेटे को ऋण पर भेजे जाने से पहले उन्होंने डिनामो जाग्रेब के साथ अपने पहले पेशेवर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने क्रोएशियाई टॉप-फ़्लाइट क्लब, लोकोमोटिवा के लिए तीन सीजन खेले और फिर बाद में रोमानिया में पांडुरि टार्गु जिउ, एस्ट्रा गिउर्गिउ और डिनामो बुकुरेस्टी के लिए खेलते हुए पांच साल बिताए। एचएनके गोरसिया के साथ अनुबंध करने से पहले उन्होंने रूसी क्लब एफसी ऊफा के लिए दो सीजन खेले।

पेरिस 2024: कीवी चैलेंज के लिए तैयार भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेरिस 2024 ओलंपिक में शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करने के लिए तैयार है। दो सप्ताह से कुछ अधिक समय पहले यूरोप पहुंचने के बाद, भारतीय टीम स्विट्जरलैंड में 3 दिवसीय मानसिक अनुकूलन शिविर से गुजरी है, इसके बाद टीम ने अपने पहले पूल बी मैच से पहले मलेशिया, नीदरलैंड, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ उच्च-ऑक्टेन अभ्यास मैच खेले हैं। शीर्ष ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह का मानना है कि मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और न्यूजीलैंड के साथ समूहीकृत भारत को अच्छी शुरूआत करने की जरूरत है। कप्तान ने कहा, पेरिस पहुंचने से पहले हमारे पास वास्तव में कुछ अच्छे अभ्यास मैच थे और स्विट्जरलैंड में एक इकाई के रूप में अनुभव कुछ अनोखा था, जो हमने अतीत में किया था, वैसा कुछ भी नहीं। हम अपना अभियान शुरू करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छी जगह पर हैं।

स्विट्ज़रलैंड में एक इकाई के रूप में अनुभव कुछ अनोखा था

कप्तान ने कहा, न्यूजीलैंड को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता हूं

हरमनप्रीत ने कहा, यहां खेल गांव में माहौल बेहद अच्छा है। हमारे भारतीय दल के एथलीटों से मिलना और यह देखना कि हमारे अपने दल के भीतर हमें कितना समर्थन है, काफी अभिभूत करने वाला रहा है और यह हमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए और अधिक प्रेरित करता है। विशेष रूप से न्यूजीलैंड के बारे में कप्तान ने कहा, हमने हमेशा न्यूजीलैंड को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा है और हमने अपनी टीम ब्रीफ के दौरान इस टीम के बारे में विस्तार से चर्चा की है। हम जानते हैं कि हम किसी भी समय गति नहीं छोड़ सकते हैं खेल में हमारे लिए अच्छी शुरूआत करना और पूरे खेल में दबाव बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, जिस क्षण का हम बेसब्री से इंतजार कर रहे थे वह आखिरकार आ गया है और टीम बेहद उत्साहित है। बेशक, कुछ घबराहट भी है और किसी भी बड़े खेल से पहले यह हमेशा अच्छा होता है।

पेरिस ओलंपिक बॉक्सिंग ड्रा

भारतीय मुक्केबाजों को कठिन ड्रॉ मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किग्रा) को शनिवार से नॉर्थ पेरिस एरेना में शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक की मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं में अनुकूल ड्रॉ मिला है, जबकि अन्य भारतीय मुक्केबाजों को कठिन ड्रॉ मिला है। विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) को पदक के करीब पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। पूर्व विश्व रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) के लिए चुनौती कठिन हो सकती है। निशांत को बाई मिली है और वह अपने पहले मुकाबले में इक्वाडोर के रोड्रिग्ज टेनोरियो से भिड़ेंगे। अगर निशांत इक्वाडोर के खिलाड़ी से आगे निकल जाते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत मैक्सिको के पैन अमेरिकन गेम्स चैंपियन मर्को वर्डे से हो सकती है।

पहले राउंड में निकहत का मुकाबला जर्मनी की मैक्सी क्लॉटजर से होगा। अगर वह दूसरे दौर में आगे बढ़ती हैं तो निकहत को शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी एशियाई खेलों की चैंपियन और 52 किग्रा विश्व चैंपियन वू यू से मुकाबला करना होगा। वू पर जीत निकहत को एक और मजबूत प्रतिद्वंद्वी, थाईलैंड के आठवीं वरीयता प्राप्त एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता चुथामत रक्सत के खिलाफ खड़ा कर सकती है।

भारत महिला एशिया कप के फाइनल में, बांग्लादेश को दी करारी शिकस्त

एजेंसी

दांबुला। रेणुका सिंह ठाकुर (4 ओवर एक मेडन 10 रन 3 विकेट) और राधा यादव (4 ओवर एक मेडन 14 रन 3 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने बांग्लादेश को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर नौवीं बार एशिया कप के फाइनल में प्रवेश किया।

81 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने तेज शुरूआत दिलाई। दोनों ने बांग्लादेशी गेंदबाजों की जमकर खबर ली और केवल 11 ओवर में बिना किसी नुकसान के 83 रन बनाकर मैच 10 विकेट से भारत की झोली में डाल दिया।

मंधाना 39 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की बदौलत 55 और शेफाली 28 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 26 रन बनाकर नाबाद रहीं।

बांग्लादेश की टीम 80 रन पर सिमटी, रेणुका और राधा की शानदार गेंदबाजी

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरूआत रेणुका और राधा ने बिगाड़ दी। केवल कप्तान निगार सुल्ताना (32) और शोमा अख्तर (19) ही कुछ संघर्ष कर सकीं। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छु सका। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 80 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से रेणुका और राधा ने 3- 3, पूजा वस्त्राकर और दीप्ती शर्मा ने 1- 1 विकेट लिया।

मुख्य कोच के रूप में गंभीर को लेकर गिल ने कहा: अपने इरादे, संचार के बारे में बहुत स्पष्ट

एजेंसी

पल्लेकेले। भारत के नवनियुक्त उप-कप्तान, शुभमन गिल ने मुख्य कोच के रूप में गौतम गंभीर के बारे में अपनी पहली धारणा व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज टीम के साथ अपने इरादे, संचार और खिलाड़ी भूमिकाओं के बारे में बहुत स्पष्ट हैं।

भारत का श्रीलंका दौरा तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के साथ शुरू होगा, जिसका पहला मैच शनिवार को खेला जाएगा। इसके बाद तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जायेगी।

गिल क्रमशः छोटे प्रारूप और 50 ओवरों में सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा के डिप्टी होंगे। वेस्टइंडीज में आईसीसी टी20 विश्व कप जीत के बाद राहुल द्रविड़ द्वारा पद खाली करने के बाद जुलाई में इस पद पर नियुक्त होने के बाद गंभीर का मुख्य कोच के रूप में यह पहला कार्यभार है। पल्लेकेले में पहले

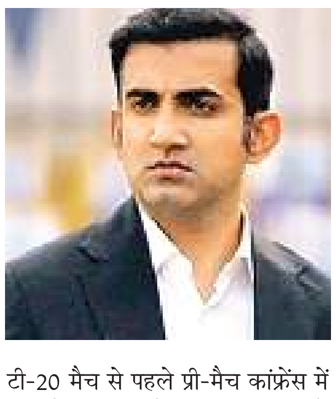

टी-20 मैच से पहले प्री-मैच कांफ्रेंस में गिल ने कहा, हमने एक साथ सिर्फ दो नेट सत्र किए हैं और यह पहली बार है कि मैं उनके साथ काम कर रहा हूं।

श्रीलंका श्रृंखला के लिए टी20 टीम:
सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज।

श्रीलंका सीरीज के लिए वनडे टीम:
रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

भारत का श्रीलंका दौरा: तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के साथ शुरू होगा, उसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला होगी पल्लेकेले स्टेडियम श्रृंखला के टी20ई चरण की मेजबानी करेगा, जबकि आर प्रेमदासा को 50 ओवर के मैचों की मेजबानी मिलेगी तीन वनडे मैच 2 अगस्त, 4 अगस्त और 7 अगस्त को होंगे।

पेरिस ओलंपिक: आईओसी ने शिखर सम्मेलन की मेजबानी की

एजेंसी

पेरिस। पेरिस में ओलंपिक खेल 2024 के उद्घाटन समारोह की पूर्व संध्या पर, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने खेल, युवा और सतत विकास के हित में एक अभूतपूर्व शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। राज्य और सरकार के प्रमुखों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को आईओसी, फीफा, निजी और सार्वजनिक संस्थाओं से पांच वैश्विक प्रतिबद्धताएं और बड़े निवेश के वादे मिले। सतत विकास शिखर सम्मेलन के लिए पहला खेल, इस विषय पर अब तक की सबसे बड़ी बैठक, पेरिस 2024 की पूर्व संध्या पर गुरुवार को हुई। इस अवसर पर, फ्रांस और आईओसी खेल के योगदान में तेजी लाने के लिए 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लिए एक अभूतपूर्व

आंदोलन शुरू करना चाहते थे।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक के निमंत्रण पर, शिखर सम्मेलन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमे राज्य और सरकार के प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और सार्वजनिक बैंकों के प्रमुख, ओलंपिक आंदोलन के सदस्य और सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध एथलीट और नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए।

आईओसी ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि राजनीतिक स्तर पर, खेल और सतत विकास के लिए पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताओं को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित 60 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों का समर्थन प्राप्त हुआ, प्रतिभागियों से सितंबर में भविष्य के शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आह्वान किया गया है। आईओसी ने अपने अध्यक्ष थॉमस बाक के माध्यम से ओलंपिक एकजुटता को समर्पित अपने बजट में 10% की वृद्धि (2025-2028 के लिए 650 मिलियन अमरीकी डालर) की घोषणा की है। यह दुनिया भर में एथलीटों और खेल विकास कार्यक्रमों का समर्थन करेगा, और संयुक्त राष्ट्र एसडीजी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक के रूप में खेल की भूमिका को मजबूत करने के लिए आईओसी की रणनीति में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को समर्थन देने के लिए बजट में वृद्धि भी शामिल है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो ने 2030 सतत विकास लक्ष्यों के समर्थन में स्कूलों में 1,000 टिकाऊ फुटबॉल पिच स्थापित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की घोषणा की।

व्यापार

एलआईसी ने बनाया नया रिकॉर्ड, मार्केट कैप 7.34 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शेयर हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को लाइफ-टाइम हाई के रिकॉर्ड स्?तर 1,178.60 पर पहुंच गया। इसके साथ ही एलआईसी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 7.34 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर एलआईसी का शेयर भाव कारोबार के दौरान 1,178.60 रुपये के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले कंपनी का शेयर 9 फरवरी, 2024 को 1175 रुपये प्रति शेयर के ऑल-टाइम हाई पर था। इस शानदार प्रदर्शन के कारण इस साल की शुरूआत से अबतक इस स्टॉक ने 38.61 फीसदी का रिटर्न दिया है। ये आंकड़ा बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी से बहुत अधिक है, जिन्होंने क्रमशः 11.24 फीसदी और 12.86 फीसदी का रिटर्न दिया है।

शेयर बाजार में एलआई के शेयर में आई तेजी की वजह से एलआईसी देश की आठवीं सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी बन गई है। इसके साथ ही सरकार द्वारा सूचीबद्ध पीएसयू कंपनियों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

के बाद दूसरे स्थान पर है। फिलहाल बीएसई सेंसेक?स पर एलआईसी का शेयर 30.55 अंक यानी 2.63 फीसदी की तेजी के साथ 1,191.05 पर ट्रेंड कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एलआईसी का शुद्ध लाभ 9,544 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 683 करोड़ रुपये मुनाफा हुआ था।

सैनस्टार लिमिटेड का शेयर 15 फीसदी उछलकर 109 रु.हुआ

एजेंसी

मुंबई। प्लांट बेस्ड स्पेशल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी सैनस्टार लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 95 रुपये से करीब 15 फीसदी की उछाल के साथ शुक्रवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 90 से 95 रुपये प्रति शेयर तय किया था। इस इश्यू के जरिए कंपनी 510.15 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है।

कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इश्यू प्राइस से 14.73 फीसदी ऊपर 109 रुपये रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 12 फीसदी के ऊपर 106.40 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है। इसका

कंपनी के आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 90 से 95 रुपये प्रति शेयर

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का प्राइस बैंड 95 रुपये था। कंपनी का आईपीओ निवेशकों के निवेश के लिए 19 जुलाई से 23 जुलाई तक खुला था। शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई पर कंपनी के शेयर ने निर्गम मूल्य से 12 फीसदी की बढ़त के साथ 106.40 रुपये पर कारोबार शुरू किया।

एक राष्ट्र, एक दर : सोने की दरों में एकरुपता के लिए पूर्वी भारत से शुरुआत

एजेंसी

कोलकाता। सोने के आभूषण उद्योग ने 'एक राष्ट्र, एक दर' नीति की मांग की है, जो अगस्त से पूर्वी भारत के लिए एकीकृत दर के साथ शुरू होगी। स्वर्ण शिल्प बचाओ समिति के अध्यक्ष समर कृष्ण डे ने यह जानकारी दी।

समर कृष्ण डे ने बताया, सभी हितधारकों ने देशभर में एकीकृत सोने की दर के विचार में रुचि दिखाई है। हम अगस्त से बंगाल और पूर्वी भारत के लिए एकल दर के साथ शुरूआत करेंगे और इस पहल के लिए बुलियन विक्रेताओं को शामिल किया है।

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के अध्यक्ष सैयम मेहरा ने कहा, इसका उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए एक समान मंच बनाना और

अंडरकटिंग रोकना है। डे ने बताया कि वे अगले छह महीनों में 'एक सोने की दर' नीति को पूरे देश में विस्तारित करने का लक्ष्य रखते हैं और बड़े राष्ट्रीय ज्वैलरी रिटेल चेन के साथ बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में नौ प्रतिशत की शुल्क कटौती उद्योग के लिए अप्रत्याशित थी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट प्रस्तावों में सोने और चांदी पर आयात शुल्क को 15 प्रतिशत से घटा कर छह प्रतिशत कर दिया है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि तेज शुल्क कटौती से अवैध आयात को समाप्त करने में मदद मिलेगी। हीरा आयातक सनी ढोलकिया ने कहा, कुल आयात में लगभग 950 टन में से 100 टन सोने की तस्करी होती है। हालांकि, इस बात की चिंता है कि सरकार की सोने के संबंध में माल और सेवा कर (जीएसटी) के बारे में कोई अन्य योजना है या नहीं।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से तीर्थयात्रियों का जत्था अमरनाथ रवाना

जम्मू। शुक्रवार की सुबह बारिश के बीच 2,566 तीर्थयात्रियों का अब तक का सबसे छोटा जत्था जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से अमरनाथ तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्रियों का 29वां जत्था केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सुरक्षा में 84 वाहनों के काफिले में सुबह 3:20 बजे रवाना हुआ। अब तक की यात्रा के दौरान 4.36 लाख से अधिक तीर्थयात्री 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग की पहले ही पूजा कर चुके हैं, जबकि पिछले साल यह संख्या 4.5 लाख से अधिक थी। कुल 2,566 तीर्थयात्रियों में से 1,681 तीर्थयात्री अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर के मार्ग से तीर्थयात्रा करने के लिए पहलगाम पहुंचेंगे। इसमें 885 तीर्थयात्रियों ने गांदरबल जिले में छोटे लेकिन अधिक ढलान वाले 14 किलोमीटर के बालटाल मार्ग को चुना है। 52 दिवसीय वार्षिक यात्रा 29 जून को औपचारिक रूप से शुरू हुई और 19 अगस्त को समाप्त होगी।

भाजपा ने कारगिल के अमर शहीदों को किया नमन

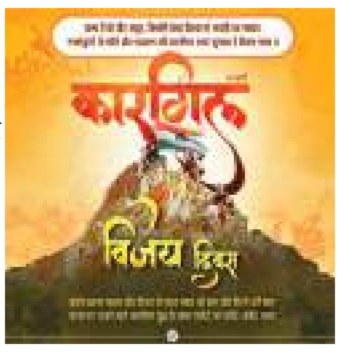

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आज भारतीय सेना के अमर जवानों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा ने कहा है कि सैनिकों ने भारत माता की आन और तिरंगे की शान की खातिर अपना सर्वोच्च बलिदान कर दिया। भाजपा ने एक्स हैंडल पर लिखा है, "अपने अदम्य साहस और वीरता से भारत माता की आन और तिरंगे की शान बरकरार रखने वाले कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि और वीर जवानों को नमन।

प्रधानमंत्री ने पूर्व सांसद प्रभात झा के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व सांसद प्रभात झा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने उनकी संगठनात्मक कुशलता को याद किया और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद प्रभात झा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। मैंने उनकी कार्यशैली को बहुत करीब से देखा है कि संगठन को सशक्त बनाने में उन्होंने किस प्रकार सक्रिय भूमिका निभाई। जनसेवा के अपने कार्यों के साथ ही उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में भी अमूल्य योगदान दिया। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और प्रशंसकों को मेरी संवेदनाएं।

भारत ने एशियाई आपदा तैयारी केंद्र की अध्यक्षता संभाली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के क्षेत्र में वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। भारत ने इस दिशा में कई वैश्विक पहल की हैं, जिनमें आपदा रोधी अवसंरचना के लिए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन (सीडीआरआई) की स्थापना जैसी पहल प्रमुख हैं। भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य और विभागाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने गुरुवार को बैंकॉक, थाईलैंड में वर्ष 2024-25 के लिए पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से एशियाई आपदा तैयारी केंद्र (एडीपीसी) की अध्यक्षता संभाली है। एडीपीसी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु लचीलापन निर्माण में सहयोग और कार्यान्वयन के लिए एक स्वायत्त अंतरराष्ट्रीय संगठन है। भारत और आठ पड़ोसी देश अर्थात बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका और थाईलैंड एडीपीसी के संस्थापक सदस्य हैं। भारत ने गुरुवार को थाईलैंड में आयोजित एडीपीसी की 5वीं बोर्ड ऑफ ट्रस्टी (बीओटी) बैठक की भी अध्यक्षता की।

वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभात झा का निधन, मेदांता अस्पताल में ली अंतिम सांस

एजेंसी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का शुक्रवार सुबह निधन हो गया है। वह मध्य प्रदेश के अध्यक्ष और लम्बे समय तक पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे थे, उन्हें संगठन ने राज्यसभा सदस्य भी चुना था। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सुबह पांच बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर के बाद पार्टी में शोक की लहर है।

मप्र भाजपा के प्रवक्ता हितेश बाजपेयी ने उनके निधन की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि झा लंबे समय से बीमार थे। उन्हें जून के आखिर में ही भोपाल से एयरलिफ्ट कर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश भाजपा के महासचिव हितानंद शर्मा उनका हाल जानने के लिए भोपाल के अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो गुरुग्राम लाया गया था।

प्रभात झा को भाजपा के उन नेताओं में शुमार किया जाता था, जिनकी बौद्धिक जगत में साख रही है। अनेक पुस्तकों का संपादन, लेखन समेत पार्टी को कैसे आगे ले

जाने के लिए ज्ञान धारा का उपयोग किया जाए, इस कार्य में वे सिद्धहस्त रहे। ग्वालियर के स्वदेश से उनकी पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी। वह मूल रूप से बिहार के सीतामढ़ी जिला के के रहने वाले थे। उनका जन्म 4 जून 1957 को बिहार के दरभंगा के हरिहरपुर गांव में हुआ था। वे परिवार के साथ मध्यप्र देश के ग्वालियर आ गए थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद प्रभात झा ने ग्वालियर के पीजीवी कॉलेज से बीएससी, माधव कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एमए और एमएलबी कॉलेज से एलएलबी की डिग्री ली।

उनकी शादी रंजना झा से हुई थी। उनके दो बेटे हैं। बड़े बेटे का नाम तुष्मुल और छोटे का नाम अयत्न झा है। प्रभात झा शादी के बाद वे पत्रकारिता करने लगे। लंबे समय तक पत्रकारिता के बाद वे राजनीति में आए और भाजपा के सदस्य बने। वे भाजपा के मुखपत्र 'कमल संदेश' के संपादक रहे। उन्होंने कई किताबें भी लिखीं। उनके बेटे अयत्न ने निधन की जानकारी देते हुए कहा कि अंतिम संस्कार ग्वालियर या पैतृक गांव कोरियाही, सीतामढ़ी (बिहार) में होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जताया शोक

प्रभात झा के निधन पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने शोक व्यक्त किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि 'भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, वरिष्ठ नेता प्रभात झा जी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। बाबा महाकाल दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस भीषण वज्रपात को सहने की शक्ति दें।' वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने शोक जताते हुए लिखा कि 'भाजपा वरिष्ठ नेता, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा जी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस भीषण वज्रपात को सहने की शक्ति दें।

आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक में बोले विदेश मंत्री

आसियान के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने शुक्रवार को लाओस में कहा कि आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संघ) भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और उसके बाद बने इंडो-पैसिफिक विजन की आधारशिला है। हमारे लिए आसियान के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विदेश मंत्री ने आज वियनतियाने, लाओस में आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। जयशंकर 10 देशों के आसियान समूह की बैठक में भाग लेने के लिए यहां आए हैं। अपने शुरूआती वक्तव्य

में जयशंकर ने कहा कि भारत आसियान और ईएएस मंचों को कितनी प्राथमिकता देता है, यह पिछले साल हमारे अपने जी20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर प्रधान मंत्री मोदी की जकार्ता यात्रा से स्पष्ट है। उन्होंने 12-सूत्री योजना की घोषणा की थी, जिस पर काफी हद तक काम किया गया है।

विदेश मंत्री ने एक्स पर बताया कि आज सुबह वियनतियाने, लाओस में आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की सार्थक बैठक में भाग लिया। डिजिटल, रक्षा, समुद्री, कनेक्टिविटी, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण भारत-आसियान सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बने हुए हैं। साथ ही म्यांमार की स्थिति, संचार की समुद्री लाइनों को खुला और मुक्त रखने, आसियान और एओआईपी पर क्वाड के दृष्टिकोण और गाजा में संघर्ष के बारे में भी बात की। भारत आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी को लागू करने में हुई प्रगति और क्षेत्र के लिए हमारे दृष्टिकोण में बढ़ते तालमेल को महत्व देता है।

गोडार के पास मारकंडा नदी पर बना वैकल्पिक पुल बहा

एजेंसी

देहरादून/रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड राज्य के जनपद रुद्रप्रयाग में मदमहेश्वर ट्रैक पर गोंडार के पास मारकंडा नदी पर बना वैकल्पिक पुल शुक्रवार को बह गया और ट्रैक पर लगभग 125 लोग फंस गए। हालांकि एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। ट्रैक पर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू जारी है।

आपातकालीन परिचालन केंद्र रुद्रप्रयाग के अनुसार रुद्रप्रयाग जनपद के ऊखीमठ तहसील अंतर्गत वनतोली गोंडार में मारकंडा नदी पर बना वैकल्पिक पैदल पुल के बहने से मदमहेश्वर मंदिर में लगभग 100 व्यक्ति और ऑन ट्रैक पर 20-25 व्यक्ति फंस गए। हालांकि सभी सुरक्षित हैं। पीडब्ल्यूडी ऊखीमठ तहसील प्रशासन से टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। हेली रेस्क्यू के लिए कार्य गतिमान है। रांसी से नानू चट्टी वैकल्पिक हेलीपैड बनाया जा रहा है, वहीं से सभी यात्रियों का रेस्क्यू किया जाएगा।

वहीं मदमहेश्वर ट्रैक पर गोंडार के पास फंसे लोगों को निकालने के लिए एसडीआरएफ की एक टीम इंस्पेक्टर अनिरुद्ध भंडारी के नेतृत्व में हेलीकॉप्टर से मदमहेश्वर से पांच किलोमीटर नीचे नानू नामक स्थान पर पहुंच गई है। वहां पर करीब 25 से 30 लोग हैं। अभी तक 10 लोगों को रेस्क्यू कर हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। शेष लोगों को भी जल्द ही रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाएगा। एसडीआरएफ की एक अन्य टीम पोस्ट अगस्त्यमुनि से पैदल मार्ग से होते हुए घटनास्थल पर पहुंच चुकी है।

भारतीय पुरावशेषों की तस्करी रोकने के लिए भारत व अमेरिका के बीच समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को सांस्कृतिक संपत्तियों की बहाली एवं सुरक्षा तथा चुराई गई भारतीय पुरावशेषों की तस्करी को रोकने के लिए पहली बार द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। यहां भारत मंडपम में आयोजित 46वें विश्व धरोहर समिति की बैठक में आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सचिव गोविंद मोहन और भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गासेर्टी उपस्थित थे।

इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह समझौता एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा हमारी कलाकृतियों और सांस्कृतिक विरासत को वापस लाने के लिए अपनाए गए सक्रिय दृष्टिकोण को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि आज का दिन इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा। हम भारतीय धरोहर की सुरक्षा और हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को घर वापस लाने की दिशा में महत्वपूर्ण समझौता कर रहे हैं।

भारत और अमेरिका ने आज सांस्कृतिक संपत्तियों की बहाली और सुरक्षा तथा चुराई गई भारतीय पुरावशेषों की तस्करी को रोकने के लिए पहले द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के बाद से वहां से 262 पुरावशेष भारत लाए गए हैं। भारत सरकार के लिए विरासत के संरक्षण का काम प्राथमिकताओं में से एक है। आने वाले समय में अमेरिका से 297 पुरावशेष लाए जाएंगे। इस मौके पर भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गासेर्टी ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत एक शानदार देश है।

सुलतानपुर कोर्ट में पेश हुए राहुल, खुद को बताया बेकसूर

एजेंसी

सुलतानपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में शुक्रवार को सुलतानपुर जिले के स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। राहुल ने जज से कहा कि वे निर्दोष हैं और उनको राजनीतिक षड्यंत्र के तहत फंसाया गया है।

रायबरेली के सांसद राहुल गांधी जज शुभम वर्मा की अदालत में करीब 16 मिनट तक रहे और अपना बयान दर्ज कराया। जज वर्मा ने वादी अधिवक्ता से एविडेंस पेश करने को कहते हुए मामले की अगली सुनवाई की तारीख 12 अगस्त को तय की।

कर्नाटक के बेंगलुरु में एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की

थी। इसको लेकर सुलतानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्रा ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि राहुल गांधी का केस स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट नंबर-15 में साक्ष्य बयान के लिए नियत था। राहुल ने अपने किए हुए वादे के मुताबिक संसद की व्यस्तता के बाद भी कोर्ट में पहुंचकर अपना बयान दर्ज कराया। उक्त मामले में कोर्ट ने अभियोजन साक्ष्य के लिए 12 अगस्त की तारीख नियत की है।

शुक्ला ने बताया कि उनके मुवक्किल राहुल गांधी ने अपने ऊपर लगाये गए आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह सब राजनीतिक दुर्भावना से उनको और उनकी पार्टी की छवि धूमिल करने के लिए लगाए गए। अब अभियोजन पक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करेगे। बाकी जो नतीजा होगा वह सब आगे पता चलेगा।

अधिवक्ता संतोष पांडेय ने मीडियाकर्मियों को बताया कि राहुल गांधी व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। उन्होंने कोर्ट के समक्ष पेश होकर अपना बयान दर्ज कराया है। उन्होंने अपने को निर्दोष बताया और कहा कि उनके खिलाफ जो भी मामला दर्ज हुआ है वह सब राजनीतिक दुर्भावना का नतीजा है।

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी 20 फरवरी 2024 को अपनी न्याय यात्रा के दौरान सुलतानपुर कोर्ट में सरेंडर किया था। कोर्ट ने उन्हें 25-25 हजार के दो बॉन्ड पर जमानत दी थी। विगत 26 जून को कोर्ट ने राहुल को व्यक्तिगत रूप से 26 जुलाई को तलब किया था।

कृतज्ञ राष्ट्र ने कारगिल के योद्धाओं के प्रति सम्मान प्रकट किया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी बलिदानियों को श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कारगिल दिवस की रजत जयंती पर आज भारतीय सेना के रणबांकुरों के शौर्य और पराक्रम का स्मरण किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'कारगिल विजय दिवस हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और असाधारण पराक्रम के प्रति कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा सम्मान प्रकट करने का अवसर है। वर्ष 1999 में

कारगिल की चोटियों पर भारत मां की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले प्रत्येक सेनानी को मैं श्रद्धांजलि देती हूं और उनकी पावन स्मृति में नमन करती हूं। मुझे विश्वास है कि सभी देशवासी उनके त्याग और शौर्य से प्रेरणा प्राप्त करेंगे। जय हिन्द! जय भारत!'

रक्षामंत्री ने रणबांकुरों के पराक्रम को किया याद

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आज सुबह साल 1999 के इस युद्ध में सैनिकों के बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, 'आज कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर हम उन बहादुर सैनिकों की अदम्य भावना और साहस को याद करते हैं जो 1999 के युद्ध में बहादुरी से लड़े थे। उनकी अटूट प्रतिबद्धता, वीरता और देशभक्ति ने सुनिश्चित किया कि हमारा देश सुरक्षित रहे। उनकी सेवा और बलिदान हर भारतीय और हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।'

आपदा पंचगंगा नदी में आई बाढ़ का पानी कोल्हापुर जिले के शहरों में घुसने से जनजीवन बेहाल

40 सड़कें बंद, 160 से अधिक गांवों का संपर्क टूटा

एजेंसी

मुंबई। पंचगंगा नदी में आई बाढ़ का पानी कोल्हापुर जिले के शहरों में घुसने से जनजीवन बेहाल हो गया है। बाढ़ का पानी शहरों में आ जाने से जिले की 40 सड़कें बंद कर दी गई हैं, इससे 160 से अधिक गांवों का संपर्क टूट गया है। बाढ़ से अब तक जिले में 159 मकान से अधिक कच्चे और पक्के घर गिर गए हैं और पांच हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थलों पर स्थानांतरित किया गया है।

पंचगंगा नदी का जलस्तर पिछले 12 घंटे में 1 फुट 4 इंच बढ़ गया है। गुरुवार की रात 9 बजे राजाराम बंधारा पर पंच गंगा का जलस्तर 43 फीट 6 इंच था। शुक्रवार को सुबह 9 बजे जलस्तर 44 फीट 10 इंच तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सुबह से पानी प्रति घंटे तीन इंच बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ का पानी

शिरोल, शाहुपुरी, आदि शहरीय इलाकों में घुस गया है और व्यापारियों का भारी पैमाने पर नुकसान हुआ है। बाढ़ की वजह से कोल्हापुर जिले में कस्बा बावड़ा एमआईडीसी-शिरोली मार्ग पर स्वाद ओढ़ा में पानी भर गया है। जलस्तर बढ़ने से जिले के 95 बांध पानी में डूब गये हैं, जिससे 160 से अधिक गांवों का सीधा संपर्क टूट गया है।

जिले के 21 रूटों पर एसटी ट्रेनें रद्द

बाढ़ का पानी लगातार बढ़ने से 11 राज्य मार्ग और 29 प्रमुख जिला मार्ग सहित कुल 40 सड़कें बंद हो गई हैं। साथ ही जिले के 21 रूटों पर एसटी ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। जिले में हो रही भारी बारिश से 159 मकान ढहे हैं। पिछले 24 घंटे में दो सार्वजनिक संपत्तियों को 1 लाख 70 हजार का नुकसान हुआ है, जबकि 179 निजी संपत्तियों को 72 लाख का नुकसान हुआ है। अंबेवाडी-चिखली गांव, अंबार्डे, सुतारवाड़ी आदि इलाकों में 5 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है।

ग्रामीणों से सतर्क रहन की अपील

जिला कलेक्टर अमोल येडगे ने चिखली, अंबेवाडी, सोनताली आदि का निरीक्षण किया और उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अभी भी समय है, जल्दी लोग सुरक्षित स्थलों चले जाएं। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जलस्तर बढ़ने पर कोई घर में न रहे। कलेक्टर ने जिले में चल रहे राहत और बचाव कार्य का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अंबेवाडी में कुछ ग्रामीणों से भी बातचीत की और सतर्क रहने की अपील की है।

भारत-नेपाल-बांग्लादेश त्रिदेशीय विद्युत व्यापार समझौता स्थगित

एजेंसी

काठमांडू। भारत के रास्ते नेपाल द्वारा बांग्लादेश को बिजली बेचने के लिए 28 जुलाई को यहां होने वाला त्रिदेशीय समझौता कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। बांग्लादेश में कुछ समय पहले तक हुए छात्र आंदोलन के कारण इस कार्यक्रम को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने को लेकर सहमति बनी है।

ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता नवीनराज सिंह ने कहा कि बांग्लादेश सरकार की तरफ से लिखित अनुरोध आने के बाद 28 जुलाई को काठमांडू में होने वाले त्रिदेशीय समझौता कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। इस समझौते के लिए भारत से ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल तथा बांग्लादेश से ऊर्जा राज्यमंत्री के आने का कार्यक्रम तय था।

28 जुलाई को काठमांडू में होना था कार्यक्रम आयोजित

बांग्लादेश की तरफ से नेपाल से बिजली खरीदने का समझौता हो चुका है। भारत के रास्ते बांग्लादेश को 400 मेगावाट बिजली निर्यात करने को लेकर नेपाल की तरफ से तैयारी पूरी हो चुकी है। इस समझौते को लेकर भारत सरकार ने नेपाल के झापा जिला स्थित पानीटंकी से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी होते हुए बांग्लादेश की सीमा तक डेडीकेटेड ट्रांसमिशन लाइन बनाने को लेकर सहमति दे दी है।

प्रभास की कल्कि 2898 एडी का बॉक्स ऑफिस पर जलवा जारी

घटती कमाई के साथ फिर इतिहास रचने को तैयार फिल्म

प्रभास की लेटेस्ट सुपर ब्लॉकबस्टर 'कल्कि 2898 एडी ने 27 जून को स्क्रीन पर आने के बाद दुनिया भर में पांच भाषाओं में बॉक्स ऑफिस काउंटर पर धूम मचा दी. नाग अश्विन द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है. इसी के साथ फिल्म ने भी जमकर कारोबार किया है. फिल्म अपने बजट से कहीं ज्यादा मुनाफा कमा चुकी है और रिलीज के चौथे हफ्ते में भी कमाई कर रही है. वहीं 'कल्कि 2898 एडी के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे हफ्ते में 'कल्कि 2898 एडी ने 128.5 करोड़ रुपये कमाए. वहीं तीसरे हफ्ते की कमाई 56.1 करोड़ रुपये रही. अब रिलीज के चौथे हफ्ते में फिल्म ने जहां चौथे शुक्रवार 2.9 करोड़ कमाए तो चौथे शनिवार 'कल्कि 2898 एडी ने 6.1 करोड़ और चौथे रविवार 8.4 करोड़ का कलेक्शन किया जबकि चौथे सोमवार फिल्म की कमाई 1.65 करोड़ रही. वहीं अब फिल्म की रिलीज के चौथे मंगलवार की कमाई के शुरुआत आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेड रिपोर्ट के मुताबिक 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के चौथे मंगलवार को 2 करोड़ का बिजनेस किया है. इसके बाद 'कल्कि 2898 एडी की 27 दिनों की कुल कमाई अब 620.50 करोड़ रुपये हो गई है. 'कल्कि 2898 एडी. की कमाई का ग्राफ चौथे हफ्ते में फिर लुढ़क गया है. हालांकि घटती कमाई के साथ ये फिल्म हर दिन अपने कलेक्शन में करोड़ों रुपये जोड़ रही है. इसी के साथ ये फिल्म शाहरुख खान की जवान के लाइफ टाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ के रिकॉर्ड को ब्रेक करने से बस 23 करोड़ रुपये दूर रह गई है.

फिल्म घुड़चढ़ी का ट्रेलर रिलीज रोमांस करते दिखे संजय दत्त और रवीना टंडन

संजय दत्त और रवीना टंडन की मच अवेटेड फिल्म घुड़चढ़ी का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। दर्शक इस फिल्म से जुड़े अपडेट्स जानने के लिए बेकरार रहते हैं। मेकर्स ने अब फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन के अलावा खुशाली कुमार और पार्थ समथान भी हैं। इसमें दो अलग-अलग जोड़ों - रवीना-संजय और खुशाली-पार्थ - की प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई ट्विस्ट एंड टर्न हैं। ट्रेलर में कॉमेडी, रोमांस और भरपूर ड्रामा है। इसकी शुरुआत पार्थ समथान-खुशाली कुमार की लव स्टोरी से होती है। पहले दोनों की मुलाकात होती है और फिर दोस्ती। इसके बाद दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है और वे शादी करने का फैसला करते हैं। वहीं, दूसरे फ्रेम में पार्थ समथान के पिता के रोल में संजय दत्त अपने बचपन की दोस्त रवीना से प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। रवीना फिल्म में खुशाली की मां का रोल निभा रही हैं। जब पार्थ-खुशाली को पता चलता है कि उनके पेरेंट्स आपस में प्यार करते हैं और इस उम्र में शादी करना चाहते हैं, तो उन्हें जोरदार झटका लगता है और यहां से मन में सवाल उठता है कि घुड़चढ़ी किसकी होगी बाप की या बेटे की। संजय ने फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, किसकी फाइनली होगी घुड़चढ़ी? देखें 9 अगस्त से, स्ट्रीमिंग ऑन जियोसिनेमा। वहीं, फिल्म के बारे में प्रोड्यूसर निधि दत्ता ने कहा, हम घुड़चढ़ी का ट्रेलर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड हैं। यह फिल्म हमारे दिल के बहुत करीब है और हमें विश्वास है कि यह अपनी मजेदार कहानी, इमोशन और फैमिली मस्ती के चलते दर्शकों को पसंद आएगी। उन्होंने आगे कहा, कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री जादुई है, और हमें उम्मीद है कि दर्शकों को कहानी से उतना ही प्यार हो जाएगा जितना हमें तब हुआ जब संजय दत्त और रवीना को 90 के दशक का रोमांस करते हुए देखा। आखिरकार, एक ऐसी फिल्म जिसे पूरा परिवार और सभी पीढ़ियां एक कमरे में बैठकर देख सकती हैं। संजय और रवीना ने इस फिल्म से पहले विजेता, जंग, जीना मरना तेरे संग, जमाने से क्या डरना, केजीएफ 2 जैसी फिल्मों में साथ में काम किया है। इस फिल्म की कहानी और डायरेक्शन बिनॉय गांधी की है। बिनॉय इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत करने रहे हैं।

मंडे टेस्ट में फेल होने के बाद बैड न्यूज ने दी गुडन्यूज

5वें दिन बॉक्स ऑफिस पर कमाई में आया उछाल

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी वर्क स्टारर रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म बैड न्यूज बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला हफ्ता कवर करने के करीब है. फिल्म बीती 19 जुलाई को रिलीज हुई है. फिल्म बैड न्यूज ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पांच दिन पूर कर लिए हैं. बैड न्यूज इन पांच दिनों में 35 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है. वहीं, मंडे टेस्ट में फेल होने के बाद बैड न्यूज की कमाई में पांचवें दिन हल्का उछाल देखा गया है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म बैडन्यूज ने पांचवें दिन कमाई में इजाफा किया है. बैडन्यूज ने चौथे दिन 3.75 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 4 करोड़ रुपये के करीब बिजनेस किया है. फिल्म का चार दिनों का कुल 34.37 करोड़ रुपये था. वहीं, सैकनिल्क के अनुसार फिल्म का पांच दिनों का कलेक्शन 36 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुका है. कहा जा रहा है कि फिल्म अपने पहले वीक में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू सकती है. बता दें, बैड न्यूज विक्की कौशल के करियर की बिगेस्ट ओपनर फिल्म साबित हुई है. फिल्म ने 8.62 करोड़ रुपये से खाता खोला था. बैड न्यूज के मेकर्स ने फिल्म की कमाई में इजाफा करने और दर्शकों की भीड़ को थिएटर तक लाने के लिए बैड न्यूज की एक टिकट के साथ एक टिकट फ्री देने का एलान किया है. बैड न्यूज की कमाई में पांचवें दिन इजाफा टिकट पर बाय वन गेट वन ऑफर के चलते हुआ है.

फिल्म स्त्री 2 का पहला गाना आज की रात जारी

तमन्ना के डांस मूव्स ने लगाई आग

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टार फिल्म स्त्री का गाना कमरिया तो आपने सुना ही होगा। इस गाने में नोरा फतेही अपनी दिलकश अदाओं का तड़का लगाती नजर आई थीं। फिल्म में मौजूद इस पैपी सॉन्ग की अपनी अलग फैन फॉलोविंग थी। लोगों ने इस गाने को बहुत प्यार दिया था। अब पार्ट वन की तरह दिनेश विजान द्वारा निर्देशित फिल्म स्त्री 2 में भी इसी तरह का आइटम नंबर रखा गया है। इस तरह फिल्म का पहला गाना रिलीज हो गया है। फिल्म के बोल हैं आज की रात का मजा हुस्न का आंखों से लीजिए। ग्रीन कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस अपने लटके झटकों के साथ फुल ऑन एंटरटेन करती नजर आएंगी। इस फिल्म में तमन्ना का नाम शमा है। पीछे से वॉइस ओवर आता है आज तक शमा पर परवाना मरता था लेकिन आज परवाने पर ये शमा मरने को तैयार है। इस गाने में तमन्ना के कर्व्स पर फुल ऑन फोकस किया गया है। इस गाने को मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने गाया है और अमिताभ भट्टाचार्य ने इसके लिरिक्स लिखे हैं। मशहूर जोड़ी सचिन-जिगर ने इसे कम्पोज किया है। फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपार शक्ति खुराना भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की स्टार कास्ट उनकी कॉमिक टाइमिंग ने इसे और भी मजेदार बना दिया है। दर्शक ट्रेलर रिलीज के बाद से ही इसके आने का पलके बिछाए इंतजार कर रहे हैं। स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। फिल्म इस साल 15 अगस्त को रिलीज होगी।

पिंक लहंगा पहने प्रज्ञा जैसवाल ने कातिलाना अदाओं से लूटी लाइमलाइट

तस्वीरें देख लट्टू हुए फैंस

साउथ की खूबसूरत हसीना प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस पोस्ट इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लहंगा पहनकर बेहद ही स्टाइलिश अंदाज में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो काफी बोल्ड और स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो अपना कातिलाना हुस्न फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर का बेहद खूबसूरत लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई कैमरे के सामने कहर बरपा रही हैं। चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान, गले में नेकलेस और बालों को स्टाइल कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिल हार जाते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए भी नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने प्रज्ञा जैसवाल की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए टू मच हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए स्टनिंग लिखा है। ऐसे ही एक के बाद एक कॉमेंट्स और रिएक्शंस आ रहे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी लंबी है।

दर्दभरी प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं हिमेश रेशमिया, नई फिल्म जानम तेरी कसम का किया ऐलान

हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री के शानदार म्यूजिक डायरेक्टर, सिंगर और एक्टर हिमेश रेशमिया ने अपने 14 साल के फिल्मी करियर में अपनी 10वीं फिल्म का एलान किया है. बीती 23 जुलाई को हिमेश ने अपना 51वां बर्थडे मनाया था. इसके साथ ही हिमेश ने फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान किया है. जानम तेरी कसम एक दर्दभरी लव स्टोरी फिल्म है, जिसमें फ्रेश पेयर नजर आने वाला है. इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू बनाने जा रहे हैं. यह फिल्म दशहरा 2025 के मौके पर रिलीज होगी. इस फिल्म को हिमेश रेशमिया ने प्रोड्यूस किया है. वहीं, एक और पोस्ट में हिमेश ने अपने सिंगिंग के करियर के शुरुआत की एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, जिस दर्द में आराम है, इश्क उसी का नाम है, समीर जान ऑफिशियल, जानम तेरी कसम, जब माता दी लेट्स रॉक. इसके अलावा हिमेश ने खुद अपनी पत्नी सोनिया कपूर संग इस गाने पर रोमांटिक रील बनाकर शेयर की है. इस रील को शेयर कर हिमेश ने लिखा है, मुझे जन्मदिन विश करने के लिए आप सभी का धन्यवाद, रील्स जानम तेरी कसम टाइटल ट्रैक टीजर. बता दें, हिमेश ने बतौर एक्टर साल 2007 में फिल्म आप का सुरूर से बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री की थी. इसके अगले साल हिमेश ने फिल्म कर्ज बनाई थी. साल 2009 में रेडियो, 2010 में कजरारे, 2011 में दमादम, 2014 में द एक्सपोज, साल 2016 में तेरा सुरूर और साल 2020 में हैप्पी हार्डी एंड हीर. हिमेश की अपकमिंग फिल्मों में बडास रवि कुमार और जानम तेरी कसम शामिल है.

टीवी एक्ट्रेस शांभवी सिंह बारिश में मौज-मस्ती को करती हैं मिस

टीवी एक्?ट्रेस शांभवी सिंह ने मानसून से जुड़ी अपनी कुछ यादें ताजा की हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह मौसम बेहद पसंद है। लेकिन वह अब इसका पूरा आनंद नहीं ले पातीं। सुपरनैचुरल थ्रिलर 10:29 की आखिरी दस्तक में प्रीति की भूमिका निभाने वाली शांभवी सिंह ने कहा, मानसून का मौसम मुझे बेहद पसंद है। मैं हमेशा ही इसका मजा लेती हूं। मुझे याद है कि स?कूल के दिनों में मैं हमेशा बारिश का इंतजार करती थी, क्योंकि भारी बारिश के कारण हमें स्कूल से छुट्टी मिल जाती थी। उन्होंने कहा, मैं उन दिनों जानबूझकर घर पर छाता भूल जाती थी ताकि मैं घर आते समय भीग कर अपने दोस्तों के साथ मौज-मस्ती कर सकूं। मेरी मां इस पर बहुत नाराज होती थी, क्योंकि मैं अक्सर इसके बाद बीमार पड़ जाती थी। मुझे लगता है कि हर बच्चे के पास बारिश से जुड़ी हुई अपनी खास यादें होती हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी बड़े होने के साथ-साथ लोग बदलने लगते हैं, लेकिन उनके बारे में एक चीज जो नहीं बदली है, वह है बरसात के मौसम के लिए उनका प्यार। एक्ट्रेस ने कहा, अब चीजें थोड़ी अलग हैं क्योंकि मुझे अब अपनी खिड़की के पास बैठकर अपनी मां के हाथ की पुदीने की चटनी और पकोड़े खाने का समय नहीं मिलता। मुझे काम के चक्कर में मेरी पसंदीदा चीजों के लिए समय ही नहीं मिलता। उन्होंने बताया कि 10:29 की आखिरी दस्तक की शूटिंग शुरू होने के बाद से उन्होंने नाइट शिफ्ट में काम किया है। उन्होंने कहा, मैं इतना थक जाती हूं कि दिन के समय बस सोना चाहती हूं। इसलिए ट्रेवल करते समय मैं अक्सर बारिश का आनंद लेती हूं, अपनी खिड़की खुली रखती हूं और सुनिश्चित करती हूं कि मेरे चेहरे पर बारिश की बूंदें पड़ें और मैं मानसून के हर पल का आनंद ले सकूं। शो में राजवीर सिंह अभिमन्यु सिन्हा की भूमिका में हैं। इसमें आयुषी भावे और कृप सूरी भी हैं। यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रधान संपादक निमिषा कुमारी, प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741